THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 196 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन शु.4 2081 सोमवार, 7 अक्टूबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

एआई दुनिया के लिए परमाणु बम जितना खतरनाक : विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को दुनिया के लिए परमाणु बम जिनता खतरनाक बताते हुए कहा कि तेजी से उभर रही यह टेक्नोलॉजी पूरी दुनिया को अगले दशक में गहराई तक प्रभावित करेगी। नई दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ और वित्त मंत्रालय की साझेदारी में आयोजित कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि एआई आने वाले समय में काफी बढ़ने वाला है और देशों को इसके प्रभावों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

'हिंदुओं को जाति, भाषा छोड़कर एकजुट होना चाहिए' : मोहन भागवत

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार फिर से हिंदुओं को लेकर बड़ा बयान दिया है। बारां जिले में भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को भाषा, जाति और क्षेत्रीय असमानताओं को खत्म करके अपनी सुरक्षा के लिए एकजुट होना होगा। आरएसएस प्रमुख ने बताया कि समाज को कैसा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे समाज का निर्माण होना चाहिए जहां संगठन, सद्भावना और श्रद्धा हो। लोगों में अनुशासन हो। साथ ही देश के प्रति अपने दायित्व को समझे और उद्देश्यों के प्रति समर्पित हो।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत राजस्थान में स्वयंसेवक एकत्रीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मोहन भागवत ने कहा कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है। हिंदू समाज को भाषा, जाति और क्षेत्रीय विवादों को खत्म करके अपनी सुरक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि हिंदू हर किसी को अपना मानते हैं और सभी को गले लगाते हैं। इस दौरान आरएसएस प्रमुख ने 3 हजार 827 स्वयंसेवकों को संबोधित किया।

मोहन भागवत ने कहा कि एक समाज केवल व्यक्तियों और उनके परिवारों से नहीं बनता है, बल्कि उन व्यापक चिंताओं पर विचार करने से बनता है। आरएसएस का काम करने का तरीका विचार आधारित है। मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों से समुदायों के अंदर संपर्क बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त बनाकर समुदाय की कमियों को दूर करने की कोशिश की जानी चाहिए।

भागवत ने कहा हमारा ध्यान न्याय, स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों को हमेशा सक्रिय रहना चाहिए और परिवारों में सद्भाव, पर्यावरण जागरूकता, स्वदेशी मूल्यों और नागरिकों की चेतना को बढ़ावा देना चाहिए, जो एक समाज के लिए बुनियादी चीजे हैं।

आरएसएस प्रमुख ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर बात करते हुए कहा कि भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा उसकी ताकत पर निर्भर है। साथ ही भारत के विदेश में रह रहे नागरिकों की सुरक्षा तभी सुनिश्चित होती है जब उनका राष्ट्र मजबूत होता है। कार्यक्रम में आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी रमेश अग्रवाल, जगदीश सिंह राणा, रमेश चंद मेहता और वैद्य राधेश्याम गर्ग सहित कई लोग शामिल हुए।

पीएम मोदी ने न्यायविदों और लेखकों को लिखा पत्र

कहा- उज्ज्वल भविष्य के लिए वैश्विक शांति आवश्यक

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ और 10 अक्टूबर को लंदन में होने वाले न्यायविदों और लेखकों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर आयोजकों को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा कि वैश्विक शांति उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने लिखा कि हमारे सामूहिक प्रयासों की सफलता राष्ट्र और समुदायों के बीच एकता और सहयोग पर निर्भर करती है।

सम्मेलन के आयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता और अंतर्राष्ट्रीय न्यायविद परिषद और अंतर्राष्ट्रीय लेखक आयोग के अध्यक्ष आदिश सी अग्रवाल को लिखे पत्र में पीएम मोदी ने लिखा कि वैश्विक शांति उज्ज्वल भविष्य के लिए मौलिक है। उन्होंने लिखा कि हमारे साझा प्रयास एकता पर निर्भर करते हैं। उन्होंने भगवान बुद्ध और महात्मा गांधी से प्रेरणा लेकर शांति के लिए भारत की ऐतिहासिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। पीएम ने लिखा कि मुख्य न्यायाधीश, मंत्री, संसद सदस्यों, बार नेताओं, लेखकों, संपादकों और कानून शिक्षकों की सामूहिक विशेषज्ञता वैश्विक शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने लिखा कि नए संघर्ष राष्ट्रों की सामाजिक और आर्थिक स्थिरता को खतरा पहुंचाते हैं। इन चुनौतियों का सामना केवल वैश्विक कार्रवाई और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव के माध्यम से ही प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। पीएम ने कहा कि भारत एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के दर्शन से प्रेरित और वैश्विक शांति, एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों के लिए शांतिपूर्ण दुनिया का निर्माण करना है।

राहुल ने भाजपा पर गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़काने का लगाया आरोप

कहा- उनके मंसूबे नहीं होंगे सफल

पणजी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भाजपा पर गोवा में जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया और कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के प्रयासों को चुनौती दी जाएगी, क्योंकि राज्य और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को देख रहे हैं।

भाजपा शासन में सद्भाव पर हमला :

पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा, दुर्भाग्य से, भाजपा शासन में, इस सद्भाव पर हमला हो रहा है। भाजपा जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव भड़का रही है, जिसमें एक पूर्व आरएसएस नेता ईसाइयों और संघ संगठनों को मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान करने के लिए उकसा रहा है।

गोवा की प्राकृतिक और सामाजिक विरासत पर हमला :

राहुल गांधी ने कहा, गोवा में, भाजपा की रणनीति स्पष्ट है, अवैध रूप से हरी भूमि को परिवर्तित करके और पर्यावरण नियमों को दरकिनार करके पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों का शोषण करते हुए लोगों को विभाजित करना, गोवा की प्राकृतिक और सामाजिक विरासत पर हमला है। उन्होंने कहा, भाजपा के प्रयासों को चुनौती दी जाएगी। गोवा और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को देख रहे हैं और एकजुट हैं।

पूर्व गोवा आरएसएस प्रमुख के खिलाफ विरोध प्रदर्शन :

वहीं गोवा के चर्च अधिकारियों ने सेंट फ्रांसिस जेवियर पर टिप्पणी करने के लिए पूर्व गोवा आरएसएस प्रमुख सुभाष वेलिंगकर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बीच तटीय राज्य में शांति और संयम की अपील की है। मामले में एक अधिकारी ने पहले बताया कि पुलिस ने दक्षिण गोवा के मडगांव शहर में शनिवार देर रात प्रदर्शनकारियों के एक समूह पर लाठीचार्ज किया और उनमें से पांच को हिरासत में ले लिया, क्योंकि उन्होंने वेलिंगकर की गिरफ्तारी की मांग करते हुए एक राष्ट्रीय राजमार्ग को बाधित कर दिया था।

कांग्रेस-एनसी अलायंस में आने को तैयार पीडीपी

फारूक बोले- अच्छी बात है, जम्मू-कश्मीर के एग्जिट पोल्स में इसी गठबंधन की सरकार

श्रीनगर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल जारी होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रेसिडेंट फारूक अब्दुल्ला ने खुशी जताई है कि एनसी और कांग्रेस मिलकर सरकार बनाते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीडीपी हमसे जुड़ने के लिए तैयार है, ये बेहद अच्छी बात है।

दरअसल, एग्जिट पोल सामने आने के बाद पीडीपी नेता जुहैब युसुफ मीर ने बयान दिया कि भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए वे नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के साथ गठबंधन करने को तैयार हैं। पीडीपी नेता के इस बयान को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें बधाई हो। उनकी सोच अच्छी है, हम सभी एक राह पर हैं। नफरत को हमें खत्म करना है और जम्मू-कश्मीर को इकट्ठा रखना है।

शनिवार को जारी हुए एग्जिट पोल्स में एनसी-कांग्रेस की सरकार बनती नजर आ रही है। 10 पोल में से 5 नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बना रहे हैं, जबकि 5 में वह बहुमत से 10 से 15 सीटें दूर दिख रही है। पार्टी को 40 सीटें मिलने का अनुमान है। भाजपा 30 सीटें ला सकती है। पीडीपी और अन्य को 10-10 सीटें आएंगी।

26 नवंबर को संसद का जॉइंट सेशन बुलाने की तैयारी

संविधान दिवस के 75 साल होने पर मोदी सरकार फैसला ले सकती है

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'संविधान बदलने' और 'संविधान बचाने' को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगातार जारी हैं। इस बीच, नरेंद्र मोदी सरकार 26 नवंबर को संसद का विशेष संयुक्त अधिवेशन बुलाने पर विचार कर रही है। यह सत्र संविधान पारित होने के 75 वर्ष पूरे होने के मौके को समर्पित होगा, जो नई संसद में आहूत किया जाएगा।

सूत्रों ने बताया, संसद का शीतकालीन सत्र अमूमन दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू होता है, लेकिन 'संविधान दिवस के 75 वर्ष' के मौके पर इसे एक हफ्ते पहले बुला सकते हैं। 70वें संविधान दिवस पर भी शीतकालीन सत्र का पहला दिन इस आयोजन को समर्पित हुआ था।

संविधान दिवस पर संयुक्त सत्र बुलाने और शीतकालीन सत्र की तारीखों को लेकर राजनीतिक मामलों की कैबिनेट कमेटी नवंबर के पहले हफ्ते में फैसला लेगी। संयुक्त बैठक के आयोजन का फॉर्मेट भी कैबिनेट की समिति तय करेगी। यह विशेष आयोजन होगा या संयुक्त अधिवेशन में सभी दलों की चर्चा के लिए खुला होगा, इसकी रूपरेखा अभी स्पष्ट नहीं है।

2 राज्यों की चुनाव तारीखों पर भी निर्भर :

संसद के शीतकालीन सत्र की तारीखें तय होना महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम पर भी निर्भर है। निर्वाचन आयोग दोनों राज्यों की चुनावी तैयारी की समीक्षा कर चुका है। आयोग इसी महीने के अंत तक चुनाव कार्यक्रम भी घोषित कर सकता है।

संविधान दिवस संसदीय समारोह के साथ मनाने के बारे में सरकार की मंशा ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब आम चुनाव के बाद भी संविधान को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच संग्राम थमा नहीं है।

1800 करोड़ की एमडी ड्रग्स जब्त

बंद पड़ी फैक्ट्री में गुजरात एटीएस और एनसीबी की रेड, दो आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 1800 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की ड्रग्स बरामद हुई है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एटीएस गुजरात के साथ मिलकर शनिवार को एक फैक्ट्री में रेड की, जहां ड्रग्स बनाई जा रही थी। इस मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

दोनों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर लेने के लिए गुजरात एटीएस ने रविवार को भोपाल न्यायालय में पेश किया। पुलिस की टीम दोनों आरोपियों को रविवार को ही गुजरात ले जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपियों को 8 दिन के रिमांड पर लिया गया है। ड्रग्स को भोपाल के नजदीक एक फैक्ट्री से बरामद किया गया है। यह फैक्ट्री बगरोदा गांव के इंडस्ट्रियल एरिया में है, जो कटारा हिल्स थाना इलाके में स्थित है। खास बात यह है कि गुजरात एटीएस और एनसीबी की इस कार्रवाई की मध्यप्रदेश के खुफिया विभाग को खबर तक नहीं लगी।

फैक्ट्री में हो रहा था मादक पदार्थ मेफेड्रोन (एमडी) बनाने का काम

डीएसपी, एटीएस गुजरात एस.एल. चौधरी ने बताया, यह सूचना मिली थी कि भोपाल का अमित चतुर्वेदी और नासिक-महाराष्ट्र का सान्याल बाने भोपाल के बगरोदा औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री की आड़ में मादक पदार्थ मेफेड्रोन (एमडी) के अवैध निर्माण और बिक्री में शामिल हैं। जिसके बाद गुजरात एटीएस के सीनियर अधिकारियों को इसके बारे में बताया गया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।

शनिवार को फैक्ट्री पर की गई थी रेड :

छापा मार कार्रवाई 5 अक्टूबर को की गई थी। इस दौरान पता चला कि यहां मादक दवा मेफेड्रोन (एमडी) बनाने का काम चल रहा था। इसे बनाने में इस्तेमाल होने वाला करीब 5 हजार किलोग्राम का कच्चा माल और उपकरण भी मिले। इनमें ग्राइंडर, मोटर, ग्लास फ्लास्क, हीटर और अन्य उपकरण शामिल हैं।

इन सभी सामग्रियों को आगे की जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। फैक्ट्री में तलाशी के दौरान कुल 907.09 किलोग्राम मेफेड्रोन (ठोस और तरल दोनों रूप में) मिला। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 1814.18 करोड़ रुपये है।

मणिपुर को छोड़ ईरान-इजरायल का युद्ध रुकवा रहे पीएम मोदी

नाना पटोले ने साधा निशाना

मुंबई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने रविवार को शक्ति अभियान और इंदिरा गांधी फेलोशिप पर प्रेस कान्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि देश में महिलाओं के हित में काम नहीं हो रहा है। पीएम मोदी ने महिलाओं के लिए जो काम नहीं किए वो राहुल गांधी करेंगे। नाना पटोले ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, मणिपुर की समस्या को छोड़कर वह ईरान-इजरायल का युद्ध रुकवाने क्यों चले जाते हैं?

मोदी जी को राहुल गांधी का डर है :

नाना पटोले ने कहा, अभी भी देश में महिलाओं के हित में काम नहीं किया जा रहा है, जो काम मोदी महिलाओं के लिए नहीं कर रहे, वो राहुल गांधी करेंगे। हरियाणा चुनाव एग्जिट पोल पर उन्होंने कहा, हरियाणा में बीजेपी का हाल देख ही रहे हैं। हरियाणा के लोगों ने हमें समर्थन दिया है। अब देश में परिवर्तन की लहर देखने को मिल रही है।

चेंबूर की आग पर नाना पटोले ने कहा, महाराष्ट्र में कई जगह आग और ब्लास्ट देखने को मिल रहे हैं। कहीं भी सर्टिफिकेशन सिस्टम नहीं रहा। सभी पैसे खाकर, कमीशन देकर बैठे हैं और आम लोगों की जान जा रही है। उन्होंने कहा कि मोदी जी को राहुल गांधी का डर है और ये देश की जनता जानती है।

बीजेपी ने किया था महिला आरक्षण बिल का विरोध :

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर नाना पटोले ने बताया, सब ठीक हो रहा है, सब अच्छा होगा। नवरात्रि का समय है और हम स्त्री शक्ति को और मजबूत कर रहे हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर से मिले मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू

कहा- दोनों देशों के संबंध होंगे और मजबूत

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू रविवार को भारत पहुंचे। उनका विमान दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरा। राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ उनकी पत्नी और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद भी भारत दौरे पर आईं हैं। दिल्ली आने के बाद मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने सबसे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की।

इसे लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि भारत की अपनी राजकीय यात्रा की शुरूआत में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से मिलकर खुशी हुई। भारत-मालदीव संबंधों को बढ़ाने की उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं। विश्वास है कि कल पीएम नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बातचीत हमारे मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई गति देगी।

2026-27 में 1 लाख अग्निवीर रिटायर होंगे

इनमें से 42 प्रतिशत को सरकारी नौकरी की तैयारी, यह उन 25 प्रतिशत से अलग जो परमानेंट सेना जॉइन करेंगे

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अग्निवीरों के पहले लॉट से 2026-27 में रिटायर होने वाले जवानों में से 42 प्रतिशत को सरकारी नौकरियों में लिया जाएगा। यह संख्या उन 25 प्रतिशत अग्निवीरों से अलग हैं, जिन्हें सेना में समायोजित करना है। यानी सेना में समायोजित होने से बचे हुए 75 प्रतिशत जवान केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में समायोजित होंगे। शुक्रवार को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 25 प्रतिशत से ज्यादा अग्निवीरों को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में शामिल करने की इच्छा जताई थी।

अग्निवीरों के पहले लॉट का कार्यकाल 2026-27 में पूरा होगा। यह संख्या 1 लाख के करीब है। इनमें 25 हजार सेना में नियमित हो जाएंगे। बाकी 75 हजार अग्निवीरों में 42 प्रतिशत (31500) विभिन्न मंत्रालयों में नियमित सेवा में समायोजित होंगे। इनमें अर्ध सैनिक बलों के अलावा अन्य सरकारी मंत्रालयों में समायोजित किए जाएंगे। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी का कहना है रिटायरमेंट (4 साल) के बाद समायोजन 100 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है और इसकी शुरूआत 42 प्रतिशत से होगी।

25 प्रतिशत से ज्यादा वायुसेना समायोजित हो सकते हैं

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा था अग्निवीरों को लेकर हमारी सोच सकारात्मक है। इस संबंध में हमसे पूछा गया कि क्या 25 प्रतिशत से अधिक अग्निवीर को भारतीय वायुसेना में लिया जा सकता है, तो हमने कहा- हां, हम ऐसा कर सकते हैं। इस संबंध में निर्णय सरकार को लेना है।

विभाग के मुताबिक मिलेगा फायदा :

गृह मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है अग्निवीरों के रिटायरमेंट के बाद उन्हें एकमुश्त राशि देने की व्यवस्था उनके लिए भी लागू रहेगी, जो रिटायरमेंट के बाद नियमित सेवा में जाएंगे। रिटायरमेंट के बाद जिस विभाग में अग्निवीर समायोजित होंगे, उन्हें वहां के नियमों के मुताबिक ही वेतन और सभी तरह के भत्ते मिलेंगे।

डेडिकेटेड यूनिट तय करेगी किसे-कहां नियुक्त करें :

सूत्रों का कहना है हर मंत्रालय में एक डेडिकेटेड यूनिट (तीन या अधिक) बनाने का प्रस्ताव है, जो यह देखेगी कि रिटायर हुए अग्निवीरों में किन्हें, किस डिपार्टमेंट और यूनिट में समायोजित किया जा सकता है। इसके लिए सेवा पूरी कर चुके अग्निवीरों की शैक्षणिक और अन्य योग्यताओं का आकलन होगा।

नियमित नौकरियों में चयन के लिए उम्र सीमा में जो छूट तय है, उसका पालन किया जाएगा। केंद्र सरकार के एक अधिकारी का कहना है कि राज्य सरकारों से भी आग्रह किया जाएगा कि वह अपने यहां की सरकारी नौकरियों में अधिक से अधिक संख्या में अग्निवीरों को समायोजित करने का कोई तरीका निकाले।

'अपने चुनिंदा मित्रों की तिजोरी भरना इनका मकसद'

केंद्र पर प्रियंका गांधी का करारा हमला

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्युटिकल कॉरपोरेशन लिमिटेड के निजीकरण की कथित योजना को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और आश्चर्य जताया कि चुनिंदा मित्रों की तिजोरियां भरने के अलावा इस सरकार का और क्या मकसद हो सकता है।

कांग्रेस महासचिव ने ये टिप्पणी तब आई है कि फार्मास्युटिकल कंपनी को बेचने की सरकार की योजना ने कई स्थानीय निवासियों में चिंता पैदा कर दी है, जिनकी आजीविका इससे प्रभावित होने की संभावना है। पिछले साल इसने 18 करोड़ का मुनाफा कमाया और सरकार को 6 करोड़ का लाभांश देने की तैयारी कर रही है। इस इकाई में 500 से अधिक कर्मचारी हैं और हजारों छोटे किसान अपनी छोटी उपज और कच्चा माल इसे आपूर्ति करते हैं।

बंगाल में क्यों बढ़े रेप के मामले ?

राज्यपाल ने ममता सरकार को जिम्मेदार बताते हुए कहा यह सरकार की कमजोरी

कोलकाता, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर रेप करने के बाद हत्या कर दी गई है। इस घटना के बाद राज्य के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने ममता सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि इस तरह के अपराधों में वक्त पर कार्रवाई न होने के पीछे राज्य सरकार है। राज्यपाल भवन की ओर से शनिवार की शाम को बयान जारी किया गया था। इसमें राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई रेप और हत्या की घटना को ठीक नहीं संभाला, जिस वजह से राज्य में ऐसी ही जघन्य घटनाओं को बढ़ावा मिल रहा है।

राज्य सरकार पर साधा निशाना

इस घटना के लिए राज्य को दोषी ठहराते हुए राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा, समय पर कार्रवाई ना किए जाने की वजह से रेप की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस जघन्य अपराध के अपराधियों के खिलाफ सरकार को ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने की जरूरत है, वरना ये राज्य में रेप और हिंसा को बढ़ावा देने के समान होगा। उन्होंने आगे कहा, अब यह समय आ गया है कि सरकार इस बात को समझे कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। बंगाल में मौजूदा सरकार में हिंसा का कोई इलाज नहीं दिखता है, यह काफी अजीब है।

पुलिस चौकी में लगाई आग

नाबालिग का शव मिलने के बाद जयनगर में स्थानीय लोगों ने पुलिस चौकी में आग लगा दी थी। इसके अलावा गुस्साए लोगों ने वाहनों में तोड़फोड़ की थी। इस घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि रेप और हत्या की घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

रामलीला के मंच पर भगवान राम का रोल निभा रहे कलाकार की हार्ट अटैक से मौत

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के शाहदरा इलाके के विश्वकर्मा नगर में रामलीला के दौरान दिल दहला देने वाली घटना घटी, जब भगवान राम का रोल निभा रहे 45 वर्षीय कलाकार सुशील कौशिक की मंच पर हार्ट अटैक से मौत हो गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि सुशील राम के डायलॉग बोलते हुए अचानक अपने सीने पर हाथ रखकर पीछे हटने लगे। आस-पास मौजूद अन्य कलाकारों को तुरंत समझ नहीं आया कि क्या हो रहा है, लेकिन सुशील को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुशील, जो पेशे से एक प्रॉपर्टी डीलर थे, रामलीला में नियमित रूप से राम का किरदार निभाते थे। उनकी अचानक हुई इस मौत से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

'बीजेपी की गंदी राजनीति'

जनता की अदालत में आतिशी का दावा

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में रविवार को आयोजित 'जनता की अदालत' में मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा मैं आपको याद दिलाना चाहती हूं कि दस साल पहले की दिल्ली कैसी होती थी? इस तपती गर्मी में तब लंबे पावर कट हुआ करते थे। बिजली के महंगे बिल आया करते थे। 2014 तक की गर्मी में दिल्ली में आठ-आठ घंटों के पावर कट लगते थे। बड़े-बड़े बिजली के बिल आते थे। मिडिल क्लास तक के लोगों के पास बिल देने के पैसे नहीं होते थे। सरकारी स्कूलों में न बैठने की टेबल कुर्सी होती थी न पढ़ाने को टीचर होते थे। दिल्ली सरकारी स्कूलों में न टीचर होते थे, न पंखा होता था, न क्लास में बैठने के लिए कोई व्यवस्था थी। उन्होंने कहा कि यही हाल सरकारी अस्पतालों की थी। दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल थीं। लोग अपने जेवर गिरवी रखकर अपने बीमार परिजनों का इलाज कराते थे। सीएम आतिशी ने लोगों से कहा कि सत्ता में पार्टियां आती हैं, जाती हैं, लेकिन लोगों को जिंदगी में कोई बदलाव नहीं आता। अरविंद केजरीवाल आम आदमी की परेशानी को समझते हैं। उन्होंने दिल्ली के एक-एक लड़के की समस्याओं का समाधान किया।

'दिल्ली वालों के दर्द को समझते हैं केजरीवाल'

आतिशी ने कहा, उस समय दिल्ली ना सीवर था, ना सड़कें थीं, ना पार्कों की व्यवस्था थी, लेकिन साल 2015 में दिल्ली में एक चमत्कार हो गया। दिल्ली वालों ने अपने बेटे, भाई तथा आम आदमी की आवाज उठाने वाले अरविंद केजरीवाल को प्रचंड बहुत से सीएम बनाया। लोगों ने ऐसा इसलिए किया कि वो दिल्ली वालों के दर्द को समझते थे। दिल्ली में 10 हजार मार्शलों को नौकरी से निकाल दिया गया। उन्होंने कहा, इस मसले पर बीजेपी की गंदी राजनीति एक्सपोज हो गई। मैं, पूंछती हूं, इनके बच्चे बीसीसीआई के चेयरमैन बनें और हमारे बच्चे बस में मार्शल भी न बनें, यह कैसे हो सकता है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियारों के कारखाने का किया भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने रविवार को अवैध हथियारों के एक बड़े कारखाने का भंडाफोड़ किया। क्राइम ब्रांच ने इससे जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है. पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 16 हथियार बरामद किए हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक अवैध हथियारों की ये फैक्ट्री मेरठ इलाके में स्थित है.

भाटी गैंग का सरगना भी हुआ था गिरफ्तार

दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम ने दो अक्टूबर को भाटी गैंग के नेटवर्क का खुलासा करते हुए दो सदस्यों को गिरफ्तार किया था. भाटी गैंग के गुर्गों की पहचान भजनपुरा के बादशाह और बागपत के गौरव उर्फ बब्बल के रूप में की थी. भाटी गैंग के लोगों के कब्जे से पांच पिस्टल और 20 कारतूस बरामद किए थे. भाटी गैंग के सरगना के आदेश पर ये लोग गैर कानूनी तरीके से अवैध हथियारों के कारोबार में शामिल थे. गिरोह का सरगना रणदीप भाटी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है.

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने पंजाब में मारे छापे

10 करोड़ की कोकीन बरामद, 5 हजार करोड़ के ड्रग्स मामले से जुड़ा तार

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में 5 हजार करोड़ की ड्रग्स बरामदगी मामले के तार पंजाब से जुड़ने के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पंजाब में छापे मारे। छापे में पुलिस ने 10 करोड़ कीमत की कोकीन बरामद की और एक फॉर्च्यूनर कार को भी जब्त किया। जानकारी के मुताबिक छापे की यह कार्रवाई अमृतसर के नेपाल गांव में की गई थी। स्पेशल सेल ने अमृतसर एयरपोर्ट से गिरफ्तार जितेंद्र उर्फ जस्सी की निशान देही पर 10 करोड़ की कोकीन बरामद की है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पकड़े 5600 करोड़ के ड्रग्स के तार दुबई से भी जुड़े हैं। दुबई में मौजूद भारतीय नागरिक वीरेंद्र बसोया का नाम इस इंटरनेशनल सिंडिकेट के मास्टरमाइंड के रूप में सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने वीरेंद्र बसोया उसके बेटे और अन्य कुछ लोगों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया है। बेटे पर सिंडिकेट के लोगों को लॉजिस्टिक सपोर्ट मुहैया कराने का आरोप लगा है।

बता दें कि बसोया ड्रग्स मामले में भारत में पहले भी गिरफ्तार हो चुका है। हालांकि जमानत मिलने के बाद वह दुबई शिफ्ट हो गया और इंटरनेशनल ड्रग्स कार्टेल का बड़ा माफिया बन गया। स्पेशल सेल की जांच में यह बात सामने आई कि ड्रग्स सिंडिकेट का मास्टरमाइंड और मुख्य आरोपी तुषार गोयल और वीरेंद्र बसोया पुराने दोस्त है। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने शहर में नशे की अब तक की सबसे बड़ी खेप पकड़ी थी और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के पास से 560 किलो से ज्यादा कोकीन और 40 किलो हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की जब्ती हुई थी। इस नशे की खेप की अनुमानित कीमत करीब 5,620 करोड़ रुपये बताई गई। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान दिल्ली निवासी तुषार गोयल, हिमांशु कुमार, औरंगजेब सिद्दीकी और मुंबई निवासी भरत कुमार जैन के रूप में हुई है।

मोबाइल हैक कर सहायक यंत्री के खाते से उड़ाए एक लाख, पुलिस ने शुरू की जांच

जबलपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोबाइल हैक कर सहायक यंत्री के खाते से एक लाख रुपये उड़ा लिए गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। गोराबाजार थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दीपक खरे (56 वर्ष), निवासी अनंत तारा, गोराबाजार, ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पी.एच.ई। विभाग में सहायक यंत्री के पद पर कार्यरत हैं। उनका बैंक खाता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अधारताल शाखा में है और यह खाता उनके मोबाइल नंबर से लिंक है। सुबह, किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका मोबाइल हैक कर लिया, जिससे उनके मोबाइल पर आने वाले मैसेज उस व्यक्ति के मोबाइल नंबर पर ट्रांसफर हो रहे थे। इसके बाद उन्हें मैसेज मिला कि उनके खाते से 1 लाख रुपये ट्रांसफर हो गए हैं। जब उन्होंने बैंक जाकर अपने खाते की जानकारी ली, तो पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके खाते से 1 लाख रुपये निकाल लिए हैं। इस प्रकार धोखाधड़ी करके उनके खाते से 1 लाख रुपये का आहरण कर आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

वंदे भारत ट्रेन पर पथराव: बसाल गांव के पास फेंके गए पत्थर, दो कोचों के शीशे टूटे

ऊना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की सुपरफास्ट ट्रेनों में शुमार अंब-अंदौरा एवं ऊना से होकर नई दिल्ली जाने वाली वंदे भारत ट्रेन पर एक बार फिर पथराव हुआ है। मामला दोपहर का है। इस घटना में वंदे भारत ट्रेन के चार कोचों ई-1, ई-2, सी-7 व सी-10 को नुकसान पहुंचा है। रेलवे पुलिस ने आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार को हुई घटना में आरएपीएफ एवं ऊना पुलिस की टीमों ने बसाल, त्यूड़ी व पनोह आदि गांवों में रेलवे ट्रैक आसपास मौजूद रियायशी क्षेत्र के लोगों से पूछताछ की है।

जानकारी के अनुसार 1:15 बजे के करीब गांव बसाल के पास ट्रेन पर एकाएक पटरी से थोड़ी दूर असमाजिक तत्वों ने पथराव शुरू कर दिया। गनीमत रही कि ट्रेन में सवार यात्रियों को किसी प्रकार से कोई चोट नहीं आई, लेकिन वंदे भारत ट्रेन के चार डिब्बों पर पत्थर लगने से दो कोच के शीशे टूट गए और दो के शीशों पर निशान पड़ गए हैं। रेलवे चौकी ऊना के कार्यवाहक प्रभारी मोहिंद्र सिंह ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन पर पथराव की सूचना मिली। रेलवे पुलिस रेलवे संपत्ति को हुए नुकसान को लेकर आगामी कार्रवाई कर रही है।

भोपाल में रूह कंपा देने वाली घटना, 16 साल से अपने ही ससुराल में कैद थी महिला

भोपाल, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक महिला को उसके ही ससुराल में 16 साल तक बंधक बनाकर रखा गया। यह गंभीर मामला तब सामने आया जब महिला के पिता ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने महिला की शिकायत मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई की और उसे उसके ससुराल से रेस्क्यू किया। महिला की हालत अत्यंत खराब थी, जिसके कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। ससुराल वालों ने कई सालों से कैद रखा यह घटना भोपाल के जहांगीराबाद इलाके की है। महिला के पिता ने पुलिस को सूचना दी कि उनकी बेटी रानू साहू को उसके ससुराल वालों ने कई सालों से कैद रखा है। महिला थाना पुलिस ने बिना समय गंवाए कोली मोहल्ले में पहुंचकर रेस्क्यू किया।

कांगो में नाव पलटने से 78 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोवा में नाव डूबने से जुड़ी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। कई लोगों ने वीडियो शेयर करते हुए दावा किया कि गोवा में सैकड़ों यात्रियों से भरी नाव डूब गई। दरअसल,यह दावा झूठा है। वहीं, जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल की जा रही है वो कांगो में हुई एक घटना की है। कांगो में एक स्टीमर पलट गई थी, जिसमें 78 लोगों की मौत हो गई थी।

कई यूजर्स ने किए झूठे दावे

एक यूजर ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इस घटना का वीडियो शेयर करते हुए दावा किया था कि गांव नें नाव पलटने से 23 लोगों की मौत हो गई और 64 लोग लापता हो गए। वहीं, एक अन्य यूजर ने एक्स पर लिखा, गोवा में आज ओवरलोड स्टीमर बोट दुर्घटनाग्रस्त हो गई। 40 लोगों को बचा लिया गया, 64 लापता हैं और 23 शव बरामद हुए। बोट मालिक के लालच के कारण यह दुर्घटना हुई।

गोवा पुलिस ने बताई सच्चाई

बता दें कि जैसे ही यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हुई, वैसे ही गोवा पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने इस वीडियो की सच्चाई पता की और बताया कि वायरल वीडियो की घटना कांगो की है।

कांगो में नाव पलटने से 78 लोगों ने गंवाई जान

बता दें कि पूर्वी कांगो में गुरुवार को किवु झील पर एक ओवरलोड यात्री नाव के पलट जाने से कम से कम 78 लोगों की मौत हो गई । कई अन्य लोगों की तलाश जारी है जो अभी भी लापता हैं। माना जा रहा है कि नाव में 278 लोग सवार थे।

पंचायत चुनाव से पहले हां खूनी खेल, आप प्रत्याशी को मारी गोली

चंडीगढ़, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। जलालाबाद के बीडीपीओ कार्यालय में देर शाम आम आदमी पार्टी (आप) कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। इस बीच फायरिंग भी हुई। फायरिंग का आरोप अकाली नेताओं पर लगा है। इस बीच आम आदमी पार्टी के सरपंच को गोली मार दी गई है। पंचायत चुनाव के मद्देनजर आज नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद अकाली दल नेता नोनी मान और बॉबी मान अपने समर्थकों के साथ बीडीपीओ कार्यालय पहुंचे और इस दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। गांव मोहम्मदवाला से सरपंची के उम्मीदवार मनदीप बराड़ और मान ग्रुप के लोगों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद मामला बढ़ गया और फायरिंग भी हुई। विधायक गोल्डी ने बताया था कि उन्हें सूचना मिली थी कि गोली चली है। जब हम यहां पहुंचे तो पता चला कि अकाली नेता नोनी ने गोली मार दी है। उन्होंने कहा कि यह बेहद निंदनीय घटना है।

फर्जीवाड़ा कर ठगों ने लगाया 32 लाख का चूना

ठाणे, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक कारोबारी से 32 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक व्यवसायी से सीएसआर फंड देने के नाम पर 32 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में आंध्र प्रदेश के तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

एक अधिकारी ने कहा कि धोखाधड़ी अप्रैल और जून 2017 के बीच हुई थी। आरोपी रतनलाल वेणु गोपालराव और साहूकार सुनीत शेखर, दोनों विशाखापत्तनम के रहने वाले हैं और मुंबई की रहने वाली श्रावणी रमेश रेड्डी ने पीड़ित के लिए सीएसआर फंड का वादा किया था। उन्होंने कहा कि तीनों ने आरबीआई और एक प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी के दस्तावेज पेश किए। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी ने सीएसआर फंड हासिल करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कारोबारी से 32 लाख रुपये की मांग की। हालांकि, वो वादा किए गए पैसे या दान देने में विफल रहे और पैसे वापस नहीं किए। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

9 लाख रुपए को लेकर एनसीपी नेता की हत्या! पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

मुंबई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के भायखला इलाके में एनसीपी अजित पवार गुट के नेता सचिन कुर्मी की हत्या मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। भायखला इलाके में शुक्रवार रात राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित पवार गुट के नेता सचिन कुर्मी उर्फ मुन्ना की कुछ लोगों ने धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी थी। इस मामले में मुंबई की भायखला पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनका नाम अनिल उर्फ अन्या काले और विजय उर्फ पप्पा काकड़े बताया जा रहा है। पुलिस के हाथ लगे तीन आरोपियों के अलावा इस मामले में दो और भी आरोपी हैं,

मुंबई में बड़ा हादसा, आग लगने से परिवार के सात लोगों की मौत

मुंबई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के चेंबूर इलाके में एक बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल चेंबूर में स्थित एक दुकान में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई है। घटना सुबह पांच बजे की है। मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना चेंबूर की सिद्धार्थ कॉलोनी की है। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान पारिस गुप्ता (7 वर्षीय), नरेंद्र गुप्ता (10 वर्षीय), मंजू प्रेम गुप्ता (30 वर्षीय), प्रेम गुप्ता (30 वर्षीय) अनिता गुप्ता (30 वर्षीय) विधि चेदीराम गुप्ता (15 वर्षीय) और गीता देवी धर्मदेव गुप्ता (60 वर्षीय) के रूप में हुई है।

दुकान की आग की चपेट में आया मकान

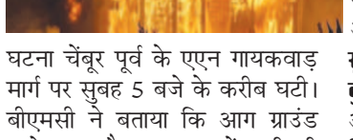

घटना चेंबूर पूर्व के एएन गायकवाड़ मार्ग पर सुबह 5 बजे के करीब घटी। बीएमसी ने बताया कि आग ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद दुकान में लगी थी और ऊपर मकान में परिवार रहता था। दुकान की आग ऊपर मकान तक पहुंच गई, जिसकी चपेट में पूरा परिवार आ गया। एक अधिकारी ने बताया कि इमारत के भूतल का इस्तेमाल दुकान के रूप में और ऊपरी मंजिल का इस्तेमाल आवास के रूप में किया जाता था। उन्होंने बताया कि आग भूतल पर स्थित दुकान में बिजली के तारों और अन्य उपकरणों में लगी और बाद में इसने ऊपरी मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया।

सुबह 9.15 बजे तक आग को बुझाया जा सका

अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग को जैसे ही आग की सूचना मिली तो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और सुबह सवा नौ बजे तक आग को बुझा लिया गया। इस घटना में परिवार के सदस्य झुलस गए।

जिन्हें राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। जोन 6 के डीसीपी हेमराज सिंह राजपूत ने बताया कि 'हमें सुबह करीब छह बजे आग लगने की सूचना मिली थी। ग्राउंड फ्लोर पर दुकान थी और ऊपर के दो फ्लोर पर परिवार रहता था।

हादसे में सात लोगों की मौत हुई है और दुकान में सो रहे दो लोग बच गए। हमारी टीम और फायर ब्रिगेड की टीम घटना की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आग कैसे लगी।'

बंगाल में दुर्गा पूजा में खलल डालेगी बारिश! बिहार से लेकर तमिलनाडु तक बरसेंगे बादल

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईएमडी के अनुसार पूर्वोत्तर के राज्यों में अगले 3 दिनों पर बारिश से राहत नहीं मिलेगी। अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 7 से 9 अक्टूबर के दौरान भारी बारिश के आसार है। दुर्गा पूजा नजदीक आने के साथ, आखिरी समय में खरीदारी की तैयारी कर रहे लोगों को मौसम की वजह से समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वहीं अलीपुर मौसम विभाग ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने तमिलनाडु, पडुचेरी में अगले सात दिनों तक तो वहीं दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 6 से 8 अक्टूबर 2024 को दौरान भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। तटीय कर्नाटक में 6 से अक्टूबर, लक्षद्वीप में 8 से 11 अक्टूबर के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी भविष्य की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश के 82 जिलों में 6 और 7 अक्टूबर को भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आने वाली पुरवा हवा के कारण मौसम सामान्य बना रहेगा। वहीं साइक्लोनिक सर्कुलर का क्षेत्र बंगाल की खाड़ी के आसपास देखा जा रहा है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक राज्य के उत्तर-पश्चिम और उत्तर-मध्य भाग के कुछ जिलों में 15 अक्टूबर तक हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है। पटना मौसम विभाग मानें तो बेगूसराय, खगड़िया, भागलपुर, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, पटना, गोपालगंज, सीवान, सारण, नालंदा, जहानाबाद, शेखपुरा, गया, वादा, जमुई, लखीसराय, बांका, मुंगेर में 15 अक्टूबर तक बारिश हो सकती है।

हॉस्टल में खाने के बाद बिगड़ी छात्राओं की तबीयत अस्पताल में भर्ती; जांच से सामने आएगी सच्चाई

लातूर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर जिले के पूरणमल लाहोटी पॉलिटेक्निक गर्ल्स हॉस्टल में लड़कियों की अचानक रात में तबीयत खराब हो गई।हॉस्टल में देर रात खाना खाने के बाद 50 से अधिक लड़कियां उल्टी करने लगीं। तबीयत बिगड़ने के बाद सभी छात्राओं को ऑस्पताल ले जाया गया। जरूरी इलाज के बाद कुछ छात्रों को वापस हॉस्टल भेजा गया। बताया जा रहा कि लड़कियों को फूड प्वॉजनिंग की शिकायत थी। हॉस्टल में 324 छात्राएं रहती हैं। अधिकारियों ने बताया कि शाम करीब सात बजे छात्रों ने चावल, चपाती, भिंडी की सब्जी और दाल पी थी। उन्होंने कहा कि साढ़े आठ बजे तक उनमें से कई छात्राओं को बैचेनी महसूस होने लगी और कुछ छात्रों को उल्टी होने लगी। सूचना मिलने पर कॉलेज के प्रिंसिपल मौके पर पहुंचे और लातूर में विलासराव देशमुख सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के डीन डॉ। उदय मोहिते को इसकी जानकारी दी। बीमार छात्राओं को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। मोहिते ने बताया कि करीब 50 छात्रों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार तड़के तीन बजे तक 20 लोगों को छुट्टी दे दी गई।अन्य 30 छात्राओं का अस्पताल में इलाज चल रहा है। सभी खतरे से बाहर हैं। डॉ। मोहिते ने कहा, 'दो लड़कियों ने रात के खाने के बाद उल्टी की शिकायत की और अन्य ने बैचेनी की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां तुरंत इलाज किया गया। सभी लड़कियों की हालत स्थिर है और पूरी मेडिकल टीम मौजूद है। देखभाल कर रही है। छात्राओं के माता-पिता को आश्वासन दिया है कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।'

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद

सुविचार: अच्छाई और सच्चाई चाहे पूरी दुनियाँ में ढूँढ लो, अगर खुद में नहीं है तो कहीं नहीं मिलेगी..!

जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, सिकंदराबाद से वास्कोडीगामा के लिए ट्रेन : किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री ने सिकंदराबाद-वास्कोडीगामा द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को सिकंदराबाद स्टेशन से सिकंदराबाद-वास्कोडीगामा उद्घाटन एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर सांसद, राज्यसभा एम. अनिल कुमार यादव भी उपस्थित थे। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, भारतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, जी किशन रेड्डी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, तेलंगाना रेलवे से संबंधित कई बुनियादी ढांचे के विकास का गवाह रहा है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना के राजधानी क्षेत्र से गोवा के लिए एक विशेष ट्रेन चलाने की लंबे समय से मांग थी। उन्होंने कहा कि लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, सिकंदराबाद से वास्को डी गामा के लिए एक विशेष और सीधी एक्सप्रेस ट्रेन सप्ताह में 2 दिन शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन तेलंगाना के प्रमुख शहरों जैसे हैदराबाद, शादनगर, जादचेरला, महबूबनगर, गदवाल और आंध्र प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थानों जैसे कुरनूल, धोने और गुंटकल के लोगों को गोवा की सीधी सुविधा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि गोवा के अलावा, यह ट्रेन उन लोगों की भी सेवा करती है जो कर्नाटक के प्रमुख शहरों जैसे बेल्लारी, होस्पेट, हुबली, धारवाड़, लोंडा आदि की यात्रा करना चाहते हैं। 700 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस प्रोजेक्ट को 2025 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाद सिकंदराबाद स्टेशन सबसे ज्यादा वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं चलाने वाला दूसरा स्टेशन है। उन्होंने बताया कि चेरलापल्ली रेलवे टर्मिनल पर विकास कार्य पूरा होने वाला है। हैदराबाद, काचीगुडा जैसे जुड़वां शहरों के प्रमुख टर्मिनल स्टेशनों को भी आधुनिक बुनियादी सुविधाओं के साथ अपग्रेड करने की योजना है। बुनियादी ढांचे की उपलब्धियों के संबंध में, जी किशन रेड्डी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान तेलंगाना में 346 किलोमीटर नई लाइनें, 383 किलोमीटर दोहरी लाइन, तीसरी लाइन और चौथी लाइन बिछाई गई है। सभा को संबोधित करते हुए, एम. अनिल कुमार यादव ने सिकंदराबाद से गोवा के लिए सीधी नई ट्रेन के प्रावधान के लिए रेलवे अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि जुड़वां शहरों के लोग सड़क यात्रा से गोवा जाते थे उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि गोवा के लिए एक नई द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस का उद्घाटन किया जा रहा है, यह ट्रेन लोगों को आसान पहुंच और सुविधा के साथ अतिरिक्त यात्रा सुविधा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन दोनों तेलुगु राज्यों के लोगों के लिए न केवल गोवा बल्कि कर्नाटक के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों के साथ संपर्क को बढ़ाएगी। सिकंदराबाद डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर भरतेश कुमार जैन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

विहिप ने डांडिया को व्यावसायिक आयोजन बनाने का विरोध किया पुलिस को दोषी ठहराया

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदू परिषद ने हिंदू सांस्कृतिक आयोजन डांडिया का कड़ा विरोध किया है, क्योंकि कुछ संगठन इसे व्यावसायिक आयोजन बना रहे हैं। विहिप ने हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा कमिश्नरेट की पुलिस की उस भूमिका की कड़ी निंदा की है, जिसमें लव जिहाद की साजिश में हिंदू लड़कियों को निशाना बनाकर डांडिया आयोजनों में दर्शक की भूमिका निभाई गई। विहिप ने पुलिस द्वारा पब-क्लब-निजी समारोह हॉल में टिकट लेकर डांडिया कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति तत्काल रद्द करने की मांग की। मुस्लिम बाउंसरों द्वारा हिंदू लड़कियों पर हमले की घटनाओं के मद्देनजर विहिप ने मांग की कि पुलिस और आयोजक डांडिया आयोजनों में केवल हिंदुओं को ही अनुमति देने के लिए कदम उठाएं। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रविनुथला शशिधर ने कहा कि विहिप ने स्पष्ट किया कि अगर पुलिस और सरकार हिंदू संस्कृति पर जिहादी हमलों को नियंत्रित करने में विफल रहती है, तो हिंदू समुदाय को नाराज करने के परिणामों के लिए सरकार जिम्मेदार होगी।

ग्राम न्यायालय स्थापित करें

फोरम फॉर गुड गवर्नेंस की सीएम से मांग

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सिविल सेवकों द्वारा संचालित गैर सरकारी संगठन फोरम फॉर गुड गवर्नेंस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से ग्राम स्तरीय अदालतों की स्थापना की प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया है। संगठन के प्रमुख और सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारी पद्मनाभ रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि वर्षों पहले आए केंद्रीय निर्देश के अनुसार, 'ग्राम न्यायालय' या ग्राम अदालतों की स्थापना की लागत केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

तेलंगाना सरकार ने 55 ग्राम न्यायालयों की स्थापना को मंजूरी दी थी, जिसमें 55 ग्राम न्यायाधीश और 225 सहायक कर्मचारी नियुक्त किए गए थे। फिर भी, तेलंगाना उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण मामला लंबित है।

पूर्व आईएफएस द्वारा मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि हाल ही में कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि तेलंगाना देश के उन कुछ राज्यों में से है, जिन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में न्याय प्रणाली तक त्वरित और आसान पहुंच के लिए ग्राम न्यायालयों की स्थापना के लिए अभी तक अंतिम और पूर्ण कदम नहीं उठाए हैं।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने देश में ग्राम न्यायालयों की स्थापना पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को न्याय तक बेहतर पहुंच प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री ने लोगों से तेलंगाना के पुनर्निर्माण में भाग लेने का आह्वान किया

1,635 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंप गया

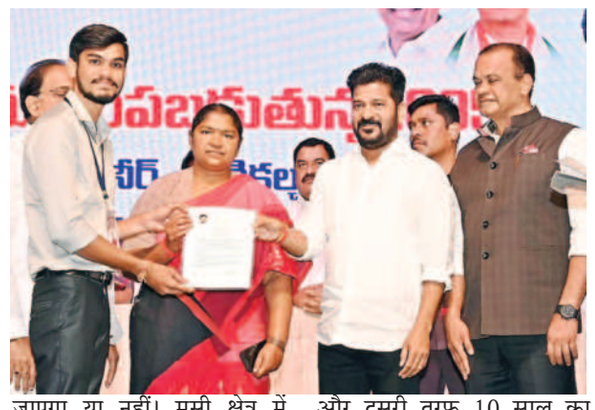

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने लोगों से तेलंगाना के पुनर्निर्माण में भाग लेने का आह्वान किया है। रविवार को शिल्पकलावेदिका में सरकारी विभागों में विभिन्न पदों के लिए चयनित 1,635 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने कई वर्षों तक नौकरियों को भरने में देरी की और उन्हें कुछ वर्षों तक अधिसूचना के स्तर पर रखा, लेकिन कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के 90 दिनों के भीतर 30,000 नौकरियां दी थीं। मुख्यमंत्री ने दोहराया है कि उनकी सरकार विपक्षी दलों द्वारा पैदा की जा रही बाधाओं के बावजूद मुसी रिवरफ्रंट परियोजना को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने पूछा कि क्या मुसी क्षेत्र में गरीबों के जीवन को हर संभव तरीके से बेहतर बनाया जाएगा या नहीं। मुसी क्षेत्र में 10,000 परिवार हैं। राज्य सरकार 10,000 करोड़ रुपये और खर्च करने को तैयार है, लेकिन वह मुसी रिवरफ्रंट परियोजना से पीछे नहीं हटेगी। उम्मीदवारों से सर्वश्रेष्ठ शासकों का फैसला करने के लिए कहते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ सौ साल का अनुभव और दूसरी तरफ 10 साल का विनाश है। तय करें कि आप बड़ी परियोजनाओं के निर्माण में कालेश्वरम को रोल मॉडल मानते हैं या नागार्जुन सागर को। सेवा में शामिल होने के दिन से लेकर सेवानिवृत्ति तक जिम्मेदार बनें। आप सभी पर लोगों का विश्वास जीतने की जिम्मेदारी है।

पुलिस ने बाइक चोरों को पकड़ा, चोरी की नौ मोटरसाइकिलें जब्त

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाचुपल्ली पुलिस के जासूसों ने महंगी मोटरसाइकिलों की चोरी में शामिल बाइक अपराधियों के एक समूह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 19 वर्षीय श्रीनिवास का बेटा पामर्थी हिमांशु, निवासी निज़ामपेट, बाचुपल्ली , मूल रूप से आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के अकीवेदु गांव का रहने वाले 19 वर्षीय रामराज का बेटा बी. अनिल उर्फ बागेली अनिल, जो बाचुपल्ली में रहता है, मूल रूप से मध्य प्रदेश के सीदी जिले के बागवोन गांव का रहने वाला है, साथ ही एक नाबालिग भी शामिल है, जो कानून के साथ संघर्ष कर रहा है। आरोपी बाचुपल्ली पुलिस स्टेशन, केपीएचबी पुलिस स्टेशन और आरसी पुरम पुलिस स्टेशन सहित विभिन्न पुलिस थानों की सीमाओं से केटीएम और आर15 सहित नौ मोटरसाइकिलों की चोरी में शामिल थे। आरोपियों पर चोरी के आठ मामलों में आरोप लगाए गए हैं और उन्हें 5 अक्टूबर, 2024 को बाचुपल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से कुल नौ चोरी की मोटरसाइकिलें जब्त की गईं, जिनकी कीमत 12 लाख रुपये है। कानून के साथ संघर्ष करने वाले दो आरोपियों और एक किशोर को अदालत में पेश किया जा रहा है। यह सफल ऑपरेशन बाचुपल्ली पीएस की क्राइम टीम द्वारा पुलिस निरीक्षक जे. उपेंद्र और डिटेक्टिव इंस्पेक्टर जी. थिम्मप्पा की देखरेख में कुकटपल्ली डिवीजन के एसीपी श्रीनिवास राव और साइबराबाद कमिश्नरेट के बालानगर जोन के पुलिस उपायुक्त के. सुरेश कुमार के मार्गदर्शन में किया गया।

केंद्र से चावल निर्यात शुल्क में 10 प्रतिशत छूट मांगेगी तेलंगाना सरकार

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिलीपींस सरकार द्वारा तेलंगाना से 3 लाख टन चावल के निर्यात की मांग के मद्देनजर, राज्य सरकार ने केंद्र से शिपमेंट पर निर्यात शुल्क माफ करने का अनुरोध करने का निर्णय लिया है चूंकि तेलंगाना नागरिक आपूर्ति निगम (टीजीसीएससी) एक सरकारी संस्था है, इसलिए राज्य सरकार को उम्मीद है कि छूट प्रदान की जाएगी।

रविवार को नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने स्थानीय स्तर पर उगाए गए चावल के निर्यात की संभावनाओं पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए फिलीपींस के खाद्य एवं कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। फिलीपींस के खाद्य एवं कृषि मंत्री रोजर्स वी नवारो ने अपने नागरिकों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तेलंगाना से चावल आयात करने की अपनी सरकार की मंशा जाहिर की। इससे पहले फिलीपींस के एक प्रतिनिधिमंडल ने इसी मुद्दे पर उत्तम कुमार से मुलाकात की थी।

चावल पर वर्तमान निर्यात शुल्क 10 प्रतिशत है, इसलिए राज्य सरकार केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय से नागरिक आपूर्ति निगम के माध्यम से निर्यात को निर्यात शुल्क से छूट देने का अनुरोध करने पर विचार कर रही है। चावल निर्यात के लिए अगले दौर की बातचीत के लिए उत्तम कुमार जल्द ही फिलीपींस का दौरा करेंगे। नागरिक आपूर्ति अधिकारियों के अनुसार, उनके दौरे के बाद ही निर्यात मूल्य पर कोई निर्णय लिया जाएगा।

कई हिस्सों में बारिश से यातायात बाधित

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को हैदराबाद में भारी बारिश हुई, जिससे शहर के विभिन्न इलाकों में काफी व्यवधान उत्पन्न हो गया। बहादुरपल्ली, सुरराम, जीडीमेटला, कुकटपल्ली, मेडचल और डुंडीगल जैसे क्षेत्रों में मध्यम बारिश हुई, जिससे यात्रियों को यातायात संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। कई सड़कें जलमग्न हो गईं, जिसके परिणामस्वरूप यातायात ठप्प हो गया और यात्रियों को काफी असुविधा हुई।

करीब 32 प्रतिशत छात्र मध्याह्न भोजन से करते हैं परहेज

अनुमोदन बोर्ड की बैठक में हुआ खुलासा

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में लगभग 32 प्रतिशत छात्र मध्याह्न भोजन से दूर पाए गए। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए मिड-डे मील की कार्यक्रम अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) की बैठक में यह खुलासा हुआ है। प्राथमिक विद्यालयों में 11,96,559 छात्र नामांकित थे, जिनमें से 11,24,244 के लिए योजना स्वीकृत की गई और शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान कुल नामांकित छात्रों में से औसतन 69 प्रतिशत छात्रों ने भोजन प्राप्त किया। इसी प्रकार, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कुल 6,92,429 नामांकन में से 5,44,348 के लिए योजना स्वीकृत की गई तथा कुल नामांकितों में से औसतन 68 प्रतिशत ने भोजन का लाभ उठाया। बैठक के दौरान, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव और पीएबी के अध्यक्ष संजय कुमार ने पाया कि पीएम पोषण योजना के तहत छात्रों की औसत कवरेज 2022-23 से 2023-24 तक लगभग 3.71 लाख छात्रों की कमी आई है और इसे चिंताजनक बताया।

रिपोर्ट में हैदराबाद और मुलुगु जिलों में प्राथमिक कक्षाओं में नामांकित छात्रों के 60 प्रतिशत से भी कम कवरेज तथा हैदराबाद, पेडापल्ली, मंचेरियल, भद्राद्री और मेडचल जिलों में उच्च प्राथमिक कक्षाओं में नामांकित छात्रों के 60 प्रतिशत से भी कम कवरेज पर प्रकाश डाला गया है।

वीएचपी ने डांडिया कार्यक्रमों के लिए की आधार कार्ड की मांग

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की राज्य इकाई ने रविवार को एक आदेश जारी कर राज्य में नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव के दौरान गरबा और डांडिया उत्सव में भाग लेने वालों के लिए आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया। वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर शशिधर ने एक बयान में कहा कि महोत्सव आयोजकों को प्रतिभागियों की पहचान सत्यापित करने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें माथे पर तिलक (लाल सिंदूर) लगाना चाहिए और कलाई पर कलावा (लाल धागा) बांधना चाहिए। शहर की पुलिस द्वारा गैर-हिंदुओं को डांडिया में भाग लेने से रोकने के लिए कदम नहीं उठाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना के लिए पुलिस और सरकार जिम्मेदार होगी।

दुर्गा पंडाल ने नशीली दवाओं के खतरे पर फैलाया संदेश

सिद्दीपेट, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बाक में नवरात्रि उत्सव के आयोजकों ने एक नया रास्ता अपनाया है, क्योंकि उन्होंने अपने इलाके में दशहरा उत्सव के आयोजन के अलावा नशीली दवाओं के खतरे के बारे में जागरूकता फैलाने का निर्णय लिया है। युवाओं में बढ़ती नशीली दवाओं की खपत के मद्देनजर, युवा किरणम खेल संघ, जो पिछले 35 वर्षों से 20वें वार्ड में गणेश प्रतिमा स्थापित कर रहा है, ने युवाओं, अभिभावकों और विभिन्न वर्गों के लोगों को नशीली दवाओं के सेवन के प्रभावों के बारे में शिक्षित करने का निर्णय लिया।

उन्होंने देवी दुर्गा पंडाल के एक तरफ नशा विरोधी नारे लिखे और पंडाल पर नशीली दवाओं के खतरे पर प्रकाशित विभिन्न समाचार रिपोर्टें छापीं।

आयोजकों ने 2023 में गणेश उत्सव के दौरान यह चलन शुरू किया है। उन्होंने चुनाव के दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग करने के महत्व पर अपने पंडाल में आने वाले आगंतुकों को शिक्षित करने के अलावा मतदाता के रूप में नामांकन के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई थी।

एसोसिएशन के अध्यक्ष माचा शिव कुमार ने कहा कि उन्होंने लोगों को मतदान के महत्व के बारे में शिक्षित करने का फैसला किया है क्योंकि यह त्योहार विधानसभा चुनावों से ठीक पहले आता है।

शिव ने कहा कि 2024 के गणेश उत्सव के दौरान उन्होंने पंडाल को साइबर अपराध पर नारे और समाचार क्लिप से सजाया है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने इस साल पहली बार देवी दुर्गा की मूर्ति स्थापित करने का फैसला किया और कुछ सामाजिक मुद्दों पर लोगों को शिक्षित करने का सिलसिला जारी रखा। उनके अनोखे प्रयासों के बारे में पता चलने के बाद पिछले तीन दिनों से पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

पिछले साल एसोसिएशन ने संदेश के साथ उत्सव का आयोजन करके एक नया चलन शुरू किया। एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य गव्वाला श्रीनिवास, गव्वाला श्रीधर, लोनका नरेंद्र, गुंडाबोयिना सत्यनारायण, बेठी प्रभाकर, श्रीनिवास और अन्य थे।

टीजेयूडीए ने बंगाल के डॉक्टरों की भूख हड़ताल को दिया समर्थन

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) ने रविवार को पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों द्वारा शुरू की गई भूख हड़ताल के साथ एकजुटता व्यक्त की। टीजेयूडीए ने एक घोषणा में कहा कि तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) की ओर से, हम पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फेडरेशन (डब्ल्यूबीजेडीएफ) के साथ उनकी चल रही भूख हड़ताल में अपनी अटूट एकजुटता व्यक्त करते हैं, न्याय की मांग करते हैं और पश्चिम बंगाल में डॉक्टरों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए तत्काल सुधारों की मांग करते हैं।

हम डब्ल्यूबीजेडीएफ द्वारा रखी गई सभी मांगों का पूर्ण समर्थन करते हैं और पश्चिम बंगाल सरकार से आग्रह करते हैं कि वह बिना देरी के उन्हें संबोधित करे।

टीजेयूडीए ने आगे कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए व्यवस्थागत बदलावों की महत्वपूर्ण आवश्यकता को उजागर किया है और डब्ल्यूबीजेडीएफ को अपना समर्थन दोहराया है। एसोसिएशन ने भूख हड़ताल को प्रेरणादायक और सरकार के ध्यान में उनके मुद्दों को लाने के लिए आवश्यक बताया है।

कवाल टाइगर रिजर्व में साइक्लोथॉन

मंचेरियल, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन विभाग ने रविवार को जन्नारम मंडल के तड़लापेट रेंज में कवाल टाइगर रिजर्व में विश्व वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर टिकाऊ जीवन शैली, साइकिलिंग को बढ़ावा देने और लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए एक साइक्लोथॉन का आयोजन किया। सुरक्षा उपकरण पहने हुए, मंचेरियल, निर्मल और करीमनगर के कई इलाकों से 25 साइकिल चालकों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने सुबह 7 बजे से 10 बजे तक जंगल में 25 किलोमीटर की दूरी तय की।

निर्मल के एक साइकिल चालक राकेश रेड्डी ने कहा कि रिजर्व का उतार-चढ़ाव भरा इलाका बाइकर्स के लिए सुखद सवारी थी। जंगल में साइकिल चलाना एक अनूठा अनुभव था। हैदराबाद और अन्य शहरों में साइकिल चलाने के विपरीत, यह सिर्फ़ बाहरी गतिविधि नहीं थी, बल्कि एक साहसिक गतिविधि थी। साइक्लोथॉन अलाद्री, दांडेपल्ली, लिंगापुर, पथमामिदिपल्ली और मकुलपेट बीट से होते हुए तड़लापेट वन रेंज कार्यालय में समाप्त हुआ। साइकिल सवारों को फल, ओआरएस के पैकेट दिए गए और नाश्ता भी दिया गया।

साइकिल सवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग के अधिकारियों का एक वाहन उनके पीछे-पीछे चल रहा था। इस अवसर पर जन्नाराम प्रभारी वन रेंज अधिकारी सुषमा राव, इंदनपल्ली वन रेंज अधिकारी हफीजुद्दीन सहित अन्य वन अधिकारी उपस्थित थे।

।। श्री आई माताय नमः ।।
श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) ट्रस्ट
मनीकोण्डा, नारसिंगी
(रजि. सं. 43/2024)
एक शाम माताजी के नाम
दूसरा भव्य जागरण एवं नवरात्री महोत्सव
गरबा डांडिया
गुरुवार, 03-10-2024 से
शुक्रवार, 11-10-2024 तक
रात्रि 7-30 बजे से 11-00 बजे तक
जागरण
सोमवार, 07-10-2024 तक
रात्रि 9-15 बजे से
कन्हैयालाल कुमावत, निम्बाज
सीरवी भेराराम सैणचा, बगड़ीनगर
शुभस्थल : वीराप्पा मल्लन्ना टेंपल, मर्रिचेट्टु, मनीकोण्डा
निवेदन : समाज के सभी बन्धुओं से निवेदन है कि नवरात्रि महोत्सव में सपरिवार पधारकर माँ जगदम्बा के दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लेवे
आयोजनकर्ता : मनीकोण्डा, नारसिंगी, दरगाह टोली चौकी, शेकपेट, कोकापेट, नानकरामगुड़ा, फिल्म नगर सीरवी परिवार
निवेदक : सीरवी समाज
श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) ट्रस्ट मनीकोण्डा-नारसिंगी
अध्यक्ष: बाबुलाल भायल 9948651925
सचिव : मोतीलाल मादावत 8919254912
AAI MAA ADS

ये कहीं रेल की पटरियां ना बेच दें

लालू ने रेलवे पर मोदी सरकार को घेरा

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल पार्टी के अध्यक्ष लालू यादव ने एक बार फिर भारतीय रेल को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला किया है। लालू यादव साल 2004 से लेकर 2009 तक देश के रेल मंत्री भी रहे हैं। आरजेडी प्रमुख ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर बीजेपी पर हमला करते हुए कहा, अब ये कहीं रेल की पटरियां ना बेच दें। लालू प्रसाद यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, 10 बरसों में मोदी की एनडीए सरकार ने, रेल का किराया-भाड़ा बढ़ा दिया है। प्लेटफार्म टिकट का दाम बढ़ा दिया है। स्टेशन बेच दिए, जनरल बोगियां घटा दी, बुजुर्गों को मिलने वाला लाभ खत्म कर दिया, सेफ्टी-सिक्योंरिटी घटाने पर रोज हादसे हो रहे हैं। फिर भी कहते है रेलवे घाटे में है, अब ये कहीं रेल की पटरियां ना बेच दें।

रेल दुर्घटनाओं को लेकर हमला

इससे पहले भी भारतीय रेलवे को लेकर लालू यादव ने बीजेपी को घेरा है। आरजेडी प्रमुख ने 30 जुलाई को बीजेपी पर तीखा तंज करते हुए कहा था, 13 दिनों में 7 रेल दुर्घटनाएं। लगातार होती रेल दुर्घटनाएं बेहद चिंताजनक है। साथ ही उन्होंने कहा था, भारतीय रेलवे इतनी असुरक्षित हो चुकी है कि ट्रेनों पर चढ़ने से पहले यात्री प्रार्थना करते हैं।

जाति जनगणना को लेकर बीजेपी को घेरा

इससे पहले भी लालू यादव लगातार समय-समय पर बीजेपी पर हमला करते रहे हैं। लालू यादव ने जाति जनगणना को लेकर भी बीजेपी पर हमला किया था। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था, आरएसएस और बीजेपी वालों का कान पकड़, दंड बैठक करा इनसे जातिगत जनगणना कराएंगे। उन्होंने आगे बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था, इनका क्या औकात है जो ये जातिगत जनगणना नहीं करायेंगे?

"रेलवे के निजीकरण का सवाल ही नहीं"

इस समय देश के रेल मंत्री की कमान बीजेपी सरकार में अश्विनी वैष्णव ने संभाल रखी है। रेल मंत्री वैष्णव ने 4 अक्टूबर को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया था। उस समय उन्होंने कहा था कि यह रेलवे के परिवर्तन का समय है। आने वाले पांच साल में रेलवे का पूरी तरह से कायाकल्प होगा। इस दौरान उन्होंने रेलवे के निजीकरण को लेकर भी टिप्पणी की थी और कहा था कि रेलवे और डिफेंस भारत की दो रीढ़ हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे के निजीकरण का कोई सवाल ही नहीं है।

गैंगरेप केस में नाबालिग को उम्रकैद

फिरोजाबाद, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में गैंगरेप केस में अहम फैसला आया है। जिला अदालत ने 20 साल के नाबालिग लड़के को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उसके खिलाफ एडल्ट की तरह केस चलाया गया और गवाहों के बयानों के आधार पर उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। विशेष लोक अभियोजक संजीव कुमार शर्मा ने मामले की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि युवक के खिलाफ 9 लोगों ने गवाही दी। फोरेंसिक और मेडिकल रिपोर्ट भी पेश की गई। गवाहों के बयानों और रिपोर्ट के आधार पर विशेष न्यायाधीश मुमताज अली ने युवक को आईपीसी की धारा 376डीए (16 साल से कम उम्र की महिलाओं के साथ गैंगरेप) और पोक्सो एक्ट की धारा 5किमी/6 के तहत दोषी करार दिया। दोनों धाराओं के तहत उसे उम्रकैद की सजा सुनाई और 20 हजार रुपये जुर्माना लगाया, जो पीड़िता को दिया जाएगा।

आदमखोर भेडिये को ग्रामीणों ने पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

बहराइच, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले की महसी तहसील के करीब 50 गांव में आतंक का पर्याय बने आदमखोर भेड़ियों के झुंड के छठे और आखिरी सदस्य को रामगांव थानांतर्गत तमाचपुर गांव में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात ग्रामीणों ने पीट-पीट कर मार डाला। बहराइच के प्रभागीय वन अधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने रविवार सुबह इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मारा गया भेड़िया आदमखोर भेड़ियों के झुंड का वही छठा और अंतिम सदस्य है जिसकी वन विभाग को तलाश थी। उन्होंने बताया कि भेड़िए के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

क्या बोले अधिकारी

सिंह ने बताया, '' शनिवार देर रात हमें जानकारी मिली कि महसी तहसील के रामगांव थानांतर्गत तमाचपुर गांव में एक भेड़िए को लोगों ने मार डाला है। हम लोग वहां पहुंचे तो हमें मृत भेड़िया तथा एक बकरी का शव बरामद हुआ। भेड़िए के शरीर पर चोट के निशान थे और खून बह रहा था।

नजदीक से देखने पर पाया गया कि मृत भेड़िया एक वयस्क मादा थी।''उन्होंने कहा, '' भेड़िया आबादी वाले इलाके में घुसा था और एक बकरी को उठाकर ले जा रहा था। रास्ते में गांव वालों ने उसे घेरकर मार डाला। मृत भेड़िए को पोस्टमार्टम के लिए रेंज कार्यालय लाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यदि कोई विशेष अतिरिक्त जानकारी सामने आई तो उसे साझा किया जाएगा।''

सम्राट चौधरी अपने सरकारी आवास में विजयादशमी को करेंगे गृह प्रवेश

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राज्य के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने पटना के 5, देशरत्न मार्ग स्थित सरकारी आवास को अब खाली कर दिया है। इस आवास को उन्होंने भवन निर्माण विभाग को सौंप दिया है। अब मौजूदा डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी इसमें विजयादशमी के दिन गृह प्रवेश करेंगे। बता दें कि बिहार में इस साल हुए सत्ता परिवर्तन के बाद विभाग की ओर से इस आवास को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सौंपा गया है।

तेजस्वी के हाउस गार्ड हटे, सम्राट के गार्डों ने अपने कब्जे में लिया

सम्राट चौधरी के इस घर में प्रवेश करने से पहले उनके हाउस गार्ड और अन्य कर्मियों द्वारा इसे अपने कब्जे में ले लिया गया है। वहीं, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के हाउस गार्ड वहां से अब हट गए हैं। बीते 25 सितंबर से ही तेजस्वी की ओर से इस आवास को खाली करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी।

कार्यालय क्षेत्र एवं आउटहाउस में नए सिरे से रंग-रोगन

5, देशरत्न मार्ग स्थित इस सरकारी आवास में उपमुख्यमंत्री के कार्यालय क्षेत्र एवं आउटहाउस आदि में नए सिरे से रंग-रोगन एवं सफाई का काम कराया गया है। वहीं अंदर के कमरों का रंग-रोगन सम्राट चौधरी के प्रवेश के बाद उनकी सहमति के अनुसार किया जाएगा।

ये है तेजस्वी का नया पता

अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का नया पता 1, पोलो रोड पर स्थित आवास हो गया है।। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा इस आवास को खाली करने के बाद 3, स्ट्रेंड रोड स्थित आवास में रह रहे हैं।

सांसद इकरा हसन बोलीं

यति नरसिंहानंद पर हो यूएपीए के तहत कार्रवाई नबी की शान में गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं

शामली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पैगंबर मोहम्मद साहब सल्लल्लाहूअलैहीवसल्लम की शान में गुस्ताखी करने वाले यति नरसिंहानंद पर सपा की लोकप्रिय सांसद इकरा हसन ने नफरती बीज बौने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकारों से नरसिंहानंद पर यूएपीए व एनएसए की गंभीर धाराओं में कार्यवाही करने की मांग की है। गाजियाबाद के डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद द्वारा पैगम्बर मोहम्मद साहब की शान में गुस्ताखी करने पर देशभर में उनके खिलाफ गुस्सा जाहिर किया जा रहा है। कैराना लोकसभा से सपा सांसद इकरा हसन ने वीडियो जारी कर विरोध दर्ज कराया है।

सांसद ने कहा कि यति नरसिंहानंद जैसे ढोंगी, पाखंडी लोगों ने एक बार फिर अपनी गंदी जुबान से नफरत का जहर उगला है और हमारे प्यारे नबी की शान में गुस्ताखी की है, जो हम सबके लिए नाकाबिले बर्दाश्त है। प्यारे नबी जो पूरी दुनिया के लिए रहमत और शांति का पैगाम लेकर आए थे, उनकी शान में यह अपनी गंदी जुबान से गुस्ताखी कर रहा है। जो हर अमन पसंद हिन्दुस्तानी चाहे वो हिंदू हो या मुसलमान, सब के लिए नाकाबिले बर्दाश्त है। उन्होंने कहा कि यह हर बार अपनी जुबान से नफरत का बीज बोकर कानून से बच जाता है, क्योंकि राज्य सरकारें ईमानदारी से अपना फर्ज नहीं निभा पा रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं केंद्र व राज्य सरकारों के जिम्मेदारों से यह कहना चाहती हूं कि अब उनका ढुलमुल रवैया नहीं चलेगा।

यति नरसिंहानंद और इन जैसे झूठे पाखंडियों के खिलाफ दिखावटी कार्यवाही ना की जाए, बल्कि हेट स्पीच, यूएपीए व एनएसए की गंभीर धाराओं में कार्रवाई हो, ताकि कोई भी भविष्य में ऐसी जुर्रत ना कर सकें। हम संसद व सुप्रीम कोर्ट में हर मुमकिन कार्यवाही करेंगे। अपना विरोध दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि संविधान ने जो हमें सिर उठाकर जीने का अधिकार दिया है, उसे हम लेकर रहेंगे, चुप नहीं बैठेंगे।

महिला ने प्रेमी को मिलने बुलाया और फेंक दिया तेजाब, बोली- 12 साल से ब्लैकमेल कर रहा था

अलीगढ़, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक युवक पर तेजाब फेंके जाने का मामला सामने आया है। यह तेजाब उसकी प्रेमिका ने भी फेंका है। प्रेमिका ने आरोप लगाया कि उसका प्रेमी उसे 12 साल से ब्लैकमेल कर रहा था। इसलिए उसने यह कदम उठाया। अब तक आपने किसी लड़के द्वारा लड़की पर तेजाब फेंकने की घटनाएं बहुत सुनी होंगी। इस घटना में महिला ने युवक के ऊपर तेजाब फेंक दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार युवती ने अपने प्रेमी को रेस्टोरेंट में मिलने के लिए बुलाया था।

दोनों एक टेबल पर बैठ बातचीत कर रहे थे कि अचानक महिला ने बैग से तेजाब भरी बोतल निकाली और लड़के पर तेजाब फेंक दिया। इस घटना में युवक के साथ एक रेस्टोरेंट का कर्मचारी भी झुलस गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को इलाज के लिए ले गई है। घटना के बाद युवक मौके से फरार हो गया है। पुलिस जिसकी तलाश कर रही है। महिला का नाम वर्षा है जबकि युवक का नाम विवेक है। बताया जा रहा है कि युवक और महिला की पिछले 12 साल से संबंध थे। पुलिस अब मामले में जांच कर रही है।

डोरीगंज थाने का पूरा स्टाफ सस्पेंड

थानेदार से लेकर चौकीदार तक नहीं उठाते अपना वेतन, डीएम-एसपी पर भी हो चुका है एक्शन

छपरा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के सारण जिले के डोरीगंज में बालू का अवैध कारोबार पुलिस संरक्षण में चल रहा था। एडिशनल एसपी राजकिशोर सिंह की जांच रिपोर्ट में इसको लेकर अब बड़ा खुलासा हुआ है। इस खुलासे के बाद एसपी ने डोरीगंज थाने के सभी पुलिसकर्मियों को एक साथ निलंबित कर दिया है। निलंबित को पुलिसकर्मियों में थानेदार से लेकर चौकीदार तक शामिल हैं, जिनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई तक के अनुशंसा की गई है। बता दें कि सारण जिले में बालू को लेकर कार्रवाई की जद में डीएम एसपी तक आ चुके हैं। इस इलाके (डोरीगंज थाना क्षेत्र) में आम तौर पर कहा जाता है कि यहां थानेदारी करने वाले थानेदार अपना वेतन कभी अकाउंट से नहीं निकालते क्योंकि अलग से ही इतनी काली कमाई कर लेते हैं कि इसकी कभी जरूरत नहीं होती।

गौरतलब है कि वर्ष 2016 में डोरीगंज से सोनपुर तक बालू के अवैध धंधा का खुलासा डीएम और एसपी ने आधी रात को छापेमारी कर 800 बालू लदे ट्रकों को जब्त किया था। इसमें 10 और 20 के नोट सीरिज से बालू का ट्रक पासिंग कराया जाता था। इसमें तत्कालीन एसपी की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी बाद में राज्य स्तर की टीम जांच की और निगरानी भी जांच की। जिसमें डीएम और एसपी पर कार्रवाई हुई।

यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार का बड़ा फैसला, पुलिसकर्मियों की छुट्टी पर लगाई एक माह की रोक

लखनऊ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दशहरा, दीपावली व छठ पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस अधिकारियों व कर्मियों की छुट्टियां एक माह के लिए रद कर दी गई हैं। डीजीपी प्रशांत कुमार ने आठ अक्टूबर से आठ नवंबर तक पुलिसकर्मियों के अवकाश पर रोक लगाए जाने का आदेश दिया है। विशेष परिस्थितियों में केवल वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति पर ही किसी को छुट्टी दी जाएगी। आने वाले त्योहारों के दौरान बाजारों से लेकर अन्य स्थानों पर कड़े सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। लखनऊः पुलिसकर्मियों को भी ई-पेंशन प्रणाली का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका निर्देश दिया है। मानव संपदा पोर्टल से जुड़ने के बाद सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को पेंशन के संदर्भ में विभागीय कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। योगी ने सिपाही के 60,244 पदों पर भर्ती के लिए हुई लिखित परीक्षा का परिणाम माह अंत तक घोषित करने की तैयारी किए जाने का निर्देश भी दिया है। मुख्यमंत्री ने एडीजी स्तर के अधिकारियों के साथ विशेष बैठक में अलग-अलग इकाइयों की समीक्षा की।

सपा और कांग्रेस के बीच कैसे होगा सीटों का बंटवारा

डिंपल यादव ने दिया जवाब

मैनपुरी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी एक्शन मोड में है। सपा सांसद डिंपल यादव ने जीत का दावा करते हुए कहा कि लोगों ने मुद्दों के आधार पर परिवर्तन का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है। हमें बहुत अच्छा परिणाम मिलने वाला है। पार्टी के वरिष्ठ नेता तय करेंगे कि किस पार्टी के हिस्से में कौन सी सीट जाएगी। अयोध्या में जनता ने समाजवादी पार्टी जो जिताने का काम किया है। ऐसे में मुझे लगता है कि लोग धर्म को राजनीति से दूर रखते हुए आम मुद्दों पर परिवर्तन चाहते हैं।

डिंपल यादव ने लगाए गंभीर आरोप

सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी और महिला सुरक्षा बड़ा मुद्दा है। साथ ही सूबे में कानून अपना इकबाल खो चुका है। समाज के निचले तबकों के लोगों पर अपराध के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश का पूरा शासन और प्रशासन भ्रष्टाचार में लिप्त है। जो इस सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, उसे जेल का रास्ता दिखाया जाता है। सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा,मैं समझती हूं कि बीजेपी सरकार को आरक्षण, बेरोजगारी और नौकरियों की बात करनी चाहिए। दस साल बीजेपी को सरकार में आए हो गए, लेकिन युवाओं को नौकरियां नहीं मिल पा रही हैं। हम जातिगत जनगणना की जो बात करते आ रहे हैं। मैं समझती हूं उनको मुहर लगाने का कम करना चाहिए।

'अयोध्या में बीजेपी को हार की टीस'

दूसरी तरफ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने एक कार्यक्रम में कहा है कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या की हार की टीस मुझे भी है। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में टिकट चाहे जिसे मिले, लेकिन जीत बीजेपी की होगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा, सपा इन दिनों मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रही है। जब आंख खुलेगी, तो हकीकत कुछ ओर दिखेगा। सपा इस प्रदेश के लिए खतरा बन चुकी है। ऐसे में मैं जनता से इसे समाप्तवादी पार्टी बनाने की अपील करता हूं।

इस सीटों पर होगा उपचुनाव

आपको बता दें कि गाजियाबाद, खैर, मीरापुर, कुंदरकी, करहल, कटेहरी, मिल्कीपुर, सीसामऊ, मझवां और फूलपुर सीट पर उपचुनाव होने हैं। इनमें से नौ सीटें विधायकों के सांसद बनने से खाली हुई हैं। एक सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा मिलने के कारण खाली हुई है।

13 साल की नाबालिग रेप के बाद प्रेग्नेंट,कुवैत भागा आरोपी

पूर्णिया, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्णिया में 6 महीने पहले 13 साल की एक नाबालिग लड़की के साथ रेप का मामला सामने आया था। आरोपी ने न सिर्फ रेप किया बल्कि अपनी दरिंदगी पर पर्दा डालने के लिए पीड़िता को शादी का झांसा भी दिया। परिजनों का आरोप है कि शादी का झांसा देकर आरोपी 4 महीने तक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करता रहा। जिसके बाद वह प्रेग्नेंट हो गई। दो महीने पहले जब आरोपी को पता चला कि पीड़िता 4 महीने की प्रेग्नेंट है तो उसने अबॉर्शन का दबाव बनाया। पीड़िता ने मना किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपी का नाम मो। तौसिम (26) है।

जानकारी के मुताबिक, एक हफ्ते पहले वह कुवैत भाग गया। उसके विदेश भागने के बाद दो बार पंचायत भी हुई। पंचायत ने परिवार को मो। तौसिम को विदेश से बुलाने का फरमान सुनाया, लेकिन वो नहीं लौटा। पीड़िता के परिवार का कहना है कि आरोपी के खिलाफ शिकायत लेकर पिछले 29 सितंबर से जलालगढ़ थाने के चक्कर काट रहे हैं, मगर मामला दर्ज नहीं किया जा रहा। जिसके बाद एसपी कार्तिकेय शर्मा को आवेदन सौंपा है। मामला जलालगढ़ थाना क्षेत्र का है।

आप के वॉकओवर देने से कार्यकर्ताओं में निराशा बना रहे पार्टी से दूरी, दो बार स्थगित हो चुका है सम्मेलन

लखनऊ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) लोकसभा के बाद प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव में भी मैदान में नहीं उतरेगी। एक के बाद एक चुनाव से पार्टी का दूरी बनाना, कार्यकर्ताओं में निराशा बढ़ा रहा है। पार्टी के पदाधिकारी भी इसकी वजह से अब पार्टी से दूरी बनाने लगे हैं। वहीं लंबे समय से पार्टी प्रदेश अध्यक्ष भी नहीं तय कर पा रही है। इसका भी असर पड़ रहा है। आप प्रदेश में पिछले कुछ महीनों से लगभग निष्क्रिय सी है। पिछले लोकसभा चुनाव में भी पार्टी के नेताओं ने इंडी गठबंधन को समर्थन किया। इसकी वजह से इनके नेताओं की सभाएं भी कम हुईं। वहीं पार्टी हरियाणा, दिल्ली आदि प्रदेश में तो जोर-शोर से चुनाव में उतरी व प्रचार-प्रसार भी कर रही है, किंतु उत्तर प्रदेश में दो बार तिथि तय होने के बाद प्रदेश स्तरीय सम्मेलन तक नहीं हो पा रहा है। अब पार्टी की ओर से 13 अक्तूबर को प्रदेश स्तरीय सम्मेलन के आयोजन की घोषणा की गई है।

काशी विश्वनाथ धाम

सरस्वती फाटक पर लगाया जाएगा बड़ा गेट, सिल्को गली समेत इन स्थानों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

वाराणसी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्री काशी विश्वनाथ धाम में बनाए गए वैदिक केंद्र का संचालन जल्द शुरू होगा। वैदिक केंद्र का एमओयू के आधार पर आवंटन किया जाएगा। जल्द ही इसकी निविदा भी जारी की जाएगी। इसके साथ ही सरस्वती फाटक गेट नंबर दो को सीएसआर फंड से बड़ा कराया जाएगा। श्री काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद की 13वीं बैठक अध्यक्ष व मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा की अध्यक्षता में मंडलायुक्त सभागार में हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 का वास्तविक व वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रस्तावित बजट पर चर्चा हुई। इसके साथ ही सिल्को गली स्थित नवीन द्वार व उसके निर्माण के साथ ही गेट नंबर चार व गेट नंबर चार बी से मंदिर प्रवेश द्वार तक और अन्य जगहों पर सीसी कैमरा लगाने के संबंध में विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने पर चर्चा हुई। धाम स्थित कैफे बिल्डिंग के संचालन के लिए पुनः ई-निविदा की जाएगी। धाम में स्थापित किए गए वर्चुअल रियलिटी सेवा के संचालन और वैदिक केंद्र को एमओयू के आधार पर आवंटन किए जाने पर विचार हुआ। इसके साथ ही ललिता घाट (राज राजेश्वरी मंदिर) की सीढ़ियों के दोनों किनारों पर बने बरामदे में दुकान (कैफे) के निर्माण व संचालन करने पर चर्चा हुई। मल्टी-परपज हाल के बगल में खुले स्थान पर दो मंजिला शौचालय व किचन का निर्माण किया जाएगा। धाम स्थित टीएफसी बिल्डिंग के अवशेष भाग को पहले-आओ, पहले-पाओ योजना के अंतर्गत किसी अन्य बैंक को आवंटित किये जाने का अनुमोदन हुआ। इस दौरान सदस्य सचिव मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण, नगर आयुक्त, अधीक्षण अभियंता सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शिवहर में दुर्दांत अपराध मजदूर की आंखें फोड़ी; 3 दिन बाद तालाब से शव मिलने के बाद मचा बवाल

शिवहर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर से सटे तरियानी थाना क्षेत्र के कुशहर गांव में आंख फोड़कर मजदूर की हत्या करने का मामला सामने आया है। शव को गांव स्थित तालाब में फेंक दिया गया था। तीन दिन से लापता कुशहर वार्ड नौ निवासी सुरेश पासवान का शव तालाब से रविवार को बरामद किया गया। शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की आंख फोड़ दी गई थी, जिसे देखकर लोगों का आक्रोश भड़क गया। स्वजन और ग्रामीणों ने हत्या का आरोप लगाते हुए शिवहर-तरियानी स्टेट हाइवे को कुशहर चौक के पास जाम कर दिया। वहीं, कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर शव के साथ उग्र प्रदर्शन किया। नाराज लोगों ने तकरीबन चार घंटे तक स्टेट हाइवे को जाम रखा।

'सपा मतलब समाप्त वादी पार्टी, राहुल देश के पहले गैर जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष', केशव प्रसाद मौर्य ने साधा निशाना

मुजफ्फरनगर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में पहली बार देश में गैर जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष हैं, जो प्रधानमंत्री के बारे में अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वहीं सपा के बारे में कहा कि गुंडों, माफिया और दुष्कर्मियों का संरक्षण करने वालों को अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई से दर्द होता है। सपा और कांग्रेस के झूठ को जनता समझ चुकी है। सपा को समाप्तवादी पार्टी जनता बना देगी। आगामी उपचुनाव में सभी दस सीटों पर उपचुनाव में भाजपा और सहयोगी दल विजयी होंगे। यह विचार उन्होंने शनिवार को शुकतीर्थ के पंजाबी आश्रम में भाजपा युवा मोर्चा की ओर से आयोजित युवा सम्मेलन एवं ग्राम चौपाल कार्यक्रम में व्यक्त किए। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम संविधान के रक्षक हैं, पुजारी हैं और बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के अनुयायी हैं। केशव प्रसाद ने कहा, कि विपक्ष ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भ्रम फैलाकर लोगों को बरगालाने का प्रयास किया था, लेकिन इनका झूठ उजागर हो चुका है, जनता सब समझ गई है। जनता को मालूम है कि वर्ष 2013 में मुजफ्फरनगर में सांप्रदायिक दंगा किसकी सरकार में हुआ था। कहा कि दुष्कर्मी, भूमाफिया और गुंडों का संरक्षण सपा करती रही है, अब अपराधियों पर कार्रवाई हो रही है तो अखिलेश यादव को दर्द होता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी जिस तरह की अमर्यादित भाषा प्रधानमंत्री के बार में प्रयोग करते हैं, वह 140 करोड़ देशवासियों का अपमान है, यह भाषा बर्दाश्त करने लायक नहीं है। कहा कि जब राहुल गांधी के बारे में कोई सवाल उठता है तो अखिलेश को भी दर्द होता है। डिप्टी सीएम ने कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मुजफ्फरनगर से विजय यात्रा आरंभ हुई थी, लेकिन 2024 के चुनाव में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साजिश रची गईं, ताकि गरीब मां का बेटा तीसरी बार प्रधानमंत्री न बनने पाए, लेकिन जनता ने विपक्षी दलों को करारा सबक सिखाया और भाजपा नेतृत्व की सरकार बनवाई।

केजरीवाल बोले-हिम्मत है तो नवंबर में दिल्ली चुनाव कराएं

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि हिम्मत है तो नवंबर में महाराष्ट्र और झारखंड के साथ दिल्ली में भी विधानसभा चुनाव करके दिखाएं। हम चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। नहीं तो मान लें कि वे हार गए, डर गए। केजरीवाल ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री दिल्ली चुनाव से पहले एनडीए शासित 22 राज्यों में मुफ्त बिजली देने की घोषणा करेंगे तो मैं भाजपा के लिए प्रचार करूंगा। केजरीवाल ने दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में 'जनता की अदालत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। केजरीवाल ने कहा, 'मैंने कल टीवी पर एग्जिट पोल देखा। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भाजपा की डबल इंजन सरकारें खत्म हो रही हैं। पहला इंजन जून में फेल हुआ था, जब उन्हें 240 सीटें मिलीं। झारखंड और महाराष्ट्र में भी यही होगा। तब दूसरा इंजन भी फेल हो जाएगा। डबल इंजन सरकार का मतलब महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार है। दिल्ली में चुनाव आने वाले हैं। दिल्ली में आकर ये (भाजपा) कहेंगे कि डबल इंजन सरकार बना लो। आप तब पूछना कि 10 साल हरियाणा में डबल इंजन सरकार रही। उन्होंने ऐसा क्या किया है कि लोग उनके नेताओं को अपने गांवों में नहीं जाने दे रहे हैं।' केजरीवाल ने कहा, 'यूपी में पिछले 7 साल से डबल इंजन की सरकार है। लोकसभा चुनाव में उनकी सीटें आधी हो गईं। मणिपुर में भी 7 साल से डबल इंजन की सरकार है। मणिपुर दो साल से जल रहा है।' केजरीवाल ने कहा कि भाजपा गरीब विरोधी है। उन्होंने दिल्ली में बस मार्शलों, डेटा एंट्री ऑपरेटरों को हटा दिया। होम गार्डों का वेतन रोक दिया। दिल्ली में लोकतंत्र नहीं है, एलजी राज है। हम दिल्ली को एलजी राज से मुक्त कराएंगे और पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाएंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली को 6 रेवड़ियां दीं- बिजली, पानी, महिलाओं के लिए बस यात्रा, बुजुर्गों को तीर्थयात्रा, स्वास्थ्य और शिक्षा। भाजपा सत्ता में आई तो सब छीन लेगी। केजरीवाल ने केंद्र पर जेल में इंसुलिन सप्लाई रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मेरी इंसुलिन सप्लाई रोक दी गई। मेरी किडनी फेल हो सकती थी। मेरी मौत हो सकती थी।

आरजी कर में बड़ा खुलासा, अस्पताल में पहले भी कई मेडिकल छात्राएं हुईं यौन शोषण की शिकार

कोलकाता, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डाक्टर के साथ हुई दरिंदगी की वारदात के पहले कई मेडिकल छात्राएं यौन शोषण की शिकार हुई हैं। अस्पताल में जूनियर डाक्टरों को धमकी देने के आरोपों की जांच के लिए गठित आंतरिक जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह विस्फोटक दावा किया है।

अस्पताल में ड्रग आपूर्ति गिरोह भी सक्रिय

आरोप अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी जूनियर चिकित्सकों पर लगा है। इतना ही नहीं समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अस्पताल में काफी दिनों से ड्रग आपूर्ति गिरोह सक्रिय है। इससे भी संदीप घोष के करीबी जूनियर चिकित्सक जुड़े हैं। करीब 80 जूनियर डाक्टरों ने गवाही दी है। जांच कमेटी ने अस्पताल प्रशासन से आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है। कालेज काउंसिल ने अपनी मंजूरी की मुहर लगा दी है।

बंगाल में नर्स से दुष्कर्म, आरोपित डाक्टर फरार

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डाक्टर के साथ हुई दरिंदगी की वारदात के खिलाफ चल रहे भारी विरोध प्रदर्शन के बीच राज्य के बीरभूम जिले के रामपुरहाट इलाके के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नर्स के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप वहां के एक डाक्टर पर लगा है। नर्स ने थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। घटना के सामने आने के बाद से चयन मुखोपाध्याय नामक वह डाक्टर फरार है। पुलिस उसे तलाश रही है।

छात्रा के बाद अब गृहवधू से दुष्कर्म के बाद हत्या

दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर में छात्रा से दुष्कर्म व हत्या के बाद अब पूर्व मेदिनीपुर जिले के पटाशपुर में ऐसी ही वारदात सामने आई है। वहां एक गृहवधू से दुष्कर्म के बाद उसे जबरन कीटनाशक पिलाकर मार डाला गया। आरोप पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर लगा है। स्थानीय लोगों ने आरोपित की सामूहिक पिटाई और उसके घर में तोड़फोड़ की। पता चला है कि मृतका का पति काम के सिलसिले में बाहर रहता है। इसी का फायदा उठाकर युवक गृहवधू को उसके घर से उठाकर ले गया और दुष्कर्म किया। वह किसी को कुछ बता न सके, इसलिए उसे जबरन कीटनाशक पिलाकर मार डाला।

'बीजेपी के खिलाफ सरकार बनाने की तैयारी

जनता गैर-भाजपा सरकार चाहती', बोले सीपीआईएम नेता तारिगामी

श्रीनगर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। कुलगाम विधानसभा क्षेत्र से सीपीआईएम के उम्मीदवार मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने एग्जिट पोल्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर की जनता एक गैर-भाजपा सरकार की स्थापना की इच्छा रखती है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि लोग एक ऐसी सरकार का चुनाव करना चाहते हैं जो उनकी आवाज़ को उठाएगी और उनकी समस्याओं का समाधान करेगी। तारिगामी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भाजपा की नीतियों ने लोगों में असंतोष पैदा किया है, और अब समय आ गया है कि जनता बदलाव की ओर बढ़े। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव परिणाम जनता की इच्छाओं के अनुरूप होंगे और एक नई राजनीतिक दिशा स्थापित करेंगे। साथ ही, उन्होंने विदेश मंत्री एस। जयशंकर द्वारा पाकिस्तान में होने वाली एससीओ बैठक में भाग लेने के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छा है कि विदेश मंत्री पाकिस्तान जा रहे हैं। दोनों देशों को एक-दूसरे के साथ बातचीत करके तनाव को कम करने की कोशिश करनी चाहिए। तारिगामी ने यह भी कहा कि संवाद का रास्ता ही स्थायी शांति की ओर ले जा सकता है। उन्होंने यह विश्वास व्यक्त किया कि अगर दोनों देश ईमानदारी से बातचीत करें, तो उन्हें एक-दूसरे के साथ समस्याओं को सुलझाने के लिए रास्ते मिल सकते हैं। उनके बयान ने जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक वातावरण में नई ऊर्जा भर दी है, जहां विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रहे हैं। तारिगामी की यह टिप्पणी जनता की आवाज़ को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

गलत वैक्सीन से नहीं, फेफड़ों में दूध फंसने से हुई थी डेढ़ माह के मासूम की मौत

दमोह, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक अंतर्गत आने वाले झलोंन गांव निवासी रमेश आदिवासी के डेढ़ माह के बेटे की मौत एक सप्ताह पहले हो गई थी। परिजनों ने गलत वैक्सीन लगाने से बेटे की मौत होने का आरोप लगाया था। जब पीएम रिपोर्ट आई तो उसमें खुलासा हुआ बच्चे के फेफड़े में मां द्वारा पिलाया गया दूध चला गया था जिससे उसकी मौत हुई थी। इसके बाद एएनएम ने भी राहत की सांस ली है। बता दें रमेश आदिवासी के डेढ़ माह के हर्ष को 27 सितंबर को एएनएम द्वारा स्वास्थ्य केंद्र में वैक्सीन लगाई गई थी। सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में बच्चे की मौत हो गई थी। परिजनों ने एएनएम पर गलत तरीके से वैक्सीन लगाने का आरोप लगाया था और एएनएम मंजू पटेल को ही दोषी ठहराया था। बच्चे का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसकी शॉर्ट पीएम रिपोर्ट आ गई है। रविवार को तेंदूखेड़ा बीएमओ डॉ। आरआर बागरी ने बताया कि बच्चे की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साफ हुआ है कि मौत का कारण वैक्सीन नहीं बल्कि मां द्वारा पिलाया हुआ दूध है, जो बच्चे के फेफड़ों में फंस गया और सांस न निकलने के कारण बच्चे की मौत हो गई थी। बीएमओ डॉक्टर बागरी ने बताया 27 सितंबर रात्रि दो बजे के करीब मां ने दूसरी बार बच्चे को दूध पिलाया था। उसके कुछ ही समय बाद बच्चे की मौत हो गई। क्योंकि उसके फेफड़ों मे दूध फ़ंस जाने के कारण श्वास नली बंद हो गई थी। परिवार के लोग समझे बच्चा सो गया है, लेकिन ज़ब उसे चार बजे के करीब उठाया तो वह नहीं उठा। उसके बाद परिजनों को पता चला कि बच्चे की मौत हो गई और उन्होंने वैक्सीन लगाने के बाद तबीयत बिगड़ने की बात कही थी। बीएमओ बागरी ने बताया कि वैक्सीन से बच्चे की मौत होना कारण नहीं है। क्योंकि वैक्सीन बच्चे को दोपहर में लगी थी और उसके साथ चार अन्य बच्चों को वैक्सीन का टीका लगा था। वैक्सीन से यदि कभी इनफेक्शन बनता है तो वैक्सीन लगाने के आधे घंटे के अंदर शुरू हो जाता है, लेकिन बच्चे का स्वास्थ्य रात्रि दो बजे के बाद बिगड़ा है। ज़ब उसकी मां ने उसको लिटाते समय दूध पिलाया है। वह उसके फेफड़ों में फ़ंस गया था उसके बाद बच्चे की श्वास नली बंद हुई और बच्चे की मौत हो गई।

देवास जिले की सहकारी साख संस्था में 86 लाख का घोटाला

पद के हिसाब से पैसों का हुआ बंटवारा, एफआईआर दर्ज

देवास, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मप्र के देवास जिले के सोनवानी गोपाल की साख सहकारी संस्था में 86 लाख रुपये से अधिक का घोटाला सामने आया है। इस मामले में चपरासी से लेकर शाखा प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। इस मामले में अभी गिरफ्तारी नहीं हुई है। देवास कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि विजयगंज मंडी थाना क्षेत्र में आने वाली साख सहकारी संस्था सुनवानी गोपाल में 86 लाख 21,632 रुपये की गड़बड़ी का मामला सामने आया था। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद प्रकरण की जांच की गई। शिकायत पूरी तरह सही पाई गई, जिसके बाद विजयगंज मंडी थाने में तीन लोगों के खिलाफ आर्थिक अनियमितता करने का अपराध दर्ज करवाया गया है। पूरे मामले में संस्था के सहायक प्रबंधक माखनलाल पिता गेंदालाल, सेल्समैन राजेश पिता सिद्धनाथ और भृत्य लक्ष्मी नारायण पिता हीरालाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। तीनों ने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के साथ धोखाधड़ी करते हुए संस्था को 86 लाख 21 हजार से अधिक का नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने केस दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

किसने कितनी राशि की हजम?

राष्ट्रीयकृत बैंक से संबद्ध सोनवानी गोपाल की सहकारी साख संस्था में हुए घोटाले की राशि को गड़बड़ी करने वालों ने अपने पद के मुताबिक बांट लिया। पुलिस के मुताबिक जांच रिपोर्ट के दौरान यह पाया गया कि सहायक प्रबंधक माखनलाल ने 77 लाख 7641, राजेश ने 3 लाख 218 रुपये और चपरासी लक्ष्मी नारायण ने चार लाख 11 हजार 873 की राशि की गड़बड़ी की है। इसके अलावा राजेश और लक्ष्मी नारायण ने मिलकर 50 हजार रुपये हजम कर लिए। इस प्रकार यह गड़बड़ी 86 लाख 21 हजार रुपये से अधिक की पाई गई।

'हरियाणा पर बोलना मना है', एग्जिट पोल के आंकड़ों पर बोले बीजेपी नेता बृजभूषण सिंह

चंडीगढ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव समपन्न हो चुके हैं। अब आठ चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे। लेकिन उससे पहले तमाम एग्जिट पोल जम्म-कश्मीर में कांग्रेस-एनसी गठबंधन और हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने का दावा कर रहे हैं। इसको लेकर तमाम राजनीतिक पार्टियों के नेताओं की प्रतिक्रिया आ रही है। इसी कड़ी में भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख व बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह का भी बयान सामने आया है। उनके पूछा गया कि क्या लगता है हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में कौन सरकार बनाएगा?इसपर उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में तो हमें दिखाई पड़ रहा है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाएगी। वहीं, हरियाणा को लेकर कहा कि हरियाणा पर बोलना मना है।

बृजभूषण ने विनेश और बजरंग पर बोला था हमला

दरअसल, बीजेपी ने बृजभूषण शरण सिंह को पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के खिलाफ बयानबाजी से दूर रहने की सलाह दी थी। क्योंकि उन्होंने दोनों पहलवानों के खिलाफ कांग्रेस में शामिल होने पर निशाना साधा था। पूर्व डब्ल्यूएफआई चीफ ने कहा कि विनेश और बजरंग ने कुश्ती में नाम कमाया, उसी से मशहूर हुए, लेकिन अब कांग्रेस में शामिल होने से उनका नाम मिट जाएगा। इसके साथ ही बृजभूषण ने विनेश पर कुश्ती को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विनेश और बजरंग ने कुश्ती के माहौल का खराब किया है। वहीं कांग्रेस पर विनेश को इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, साथ ही कहा कि हरियाणा चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस विनेश और बजरंग को मोहरे के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। बता दें कि विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया उन पहलवानों में शामिल थे जिन्होंने बृजभूषण शरण सिंह पर कई जूनियर महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाते हुए पिछले साल दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर धरना दिया था। इस घटना के बाद भारतीय कुश्ती जगत में उथल-पुथल मच गई थी।

गोवा आरएसएस के पूर्व प्रमुख की गिरफ्तारी के विरोध में हंगामा

मडगांव, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण गोवा के मडगांव में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के एक समूह पर लाठीचार्ज किया, साथ ही पांच प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

दरअसल प्रदर्शनकारियों ने गोवा आरएसएस के पूर्व प्रमुख सुभाष वेलिंगकर की गिरफ्तारी की मांग करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। पुलिस ने बताया कि विरोध प्रदर्शन शनिवार सुबह शुरू हुआ था और पुलिस के समझाने के बाद भी प्रदर्शनकारी सड़क को खाली नहीं कर रहे थे। जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। दरअसल आरएसएस नेता सुभाष वेलिंगकर ने राज्य के संरक्षक माने जाने वाले संत सेंट फ्रांसिस जेवियर के खिलाफ कथित तौर पर बयान दिया था। ऐसे में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में वेलिंगकर के खिलाफ एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। बिचोलिम पुलिस ने वेलिंगकर के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

दिल्ली कांग्रेस का बीजेपी पर बड़ा हमला

मतदाता सूची से केंद्रीय कर्मचारियों के नाम कटवाने का आरोप

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर मतदाता सूची से केंद्रीय कर्मचारियों के नाम कटवाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में दिल्ली कांग्रेस के बूथ मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन राजेश गर्ग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखा है। उन्होंने चुनाव आयोग से इस बाबत जरूरी कदम उठाने की भी अपील की है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि नियमानुसार ही मतदाताओं के नाम हटाएं जाएं। देवेंद्र यादव के मुताबिक इस बाबत दिल्ली कांग्रेस बूथ मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन राजेश गर्ग ने अपने पत्र में लिखा है कि पिछले महीने निर्वाचन अधिकारी ने अपने कार्यालय में राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की थी। उस मीटिंग में बीजेपी नेता और पूर्व विधायक सुभाष सचदेवा ने दिल्ली में रह रहे केंद्र सरकार के उन 41 हजार कर्मचारियों के वोट काटने की मांग की थी, जो अपने पते से कहीं और शिफ्ट हो गए हैं। देवेंद्र यादव ने ये भी कहा कि दिल्ली कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि नियम के अनुसार सिर्फ स्थायी रूप से दूसरी जगह शिफ्ट होने वाले कर्मचारियों और मृत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि ये नियम दिल्ली के सभी मतदाताओं पर लागू होता है, लेकिन बीजेपी ने सिर्फ केंद्र सरकार के कर्मचारियों के परिवारों वोट काटने की बात इसलिए कर रही है कि जब भी बीजेपी केंद्र में सरकार रही है, उन्होंने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के हितों की अनदेखी की है। उनके मुताबिक केंद्र सरकार के कर्मचारी बीजेपी की नीतियों से त्रस्त हैं। इससे बीजेपी को लगता है कि आने वाले विधानसभा चुनावों में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के परिवारों के वोट उनके खिलाफ पड़ेंगे। यादव ने कहा शिफ्ट होने वाले कर्मचारी सैटल होकर ही अपना नाम नए स्थान पर मतदाता सूची या अन्य कागजों में जुड़वा पाते हैं। इसलिए उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से अनुरोध किया है कि इन पहलुओं को ध्यान में रखते हुए करवाई नियमों के तहत हो, ना कि सत्ता में बैठे दलों की सहूलियत के अनुसार।

नवरात्रि पर देवी की ही नहीं, बल्कि रावेन की प्रतिमा भी स्थापित

छिंदवाड़ा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवरात्रि के पावन पर्व पर गांव के एक छोर पर स्थित टंकी मोहल्ला में मां अम्बे की प्रतिमा के पंडाल में भजन कीर्तन चल रहा है। गांव वाले मां शक्ति की भक्ति में लीन हैं और पंडाल के पास ही जोरों से भक्तिमय संगीत बज रहा है, तो इसी पंडाल से महज 100 मीटर की दूरी पर एक और पंडाल सजा हुआ है, जहां देवी की नहीं बल्कि रावेन की पूजा चल रही है। यहां भी बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग जुटे रहे हैं। ये नजारा शहर से महज 16 किलोमीटर दूर नरसिंहपुर रोड स्थित ग्राम जमुनिया का है। जहां आदिवासी समाज के कुछ ग्रामीणों ने मिलकर इस बार नवरात्रि के दौरान ही रावेन की प्रतिमा भी स्थापित की है। हिंदुओं के पावन पर्व नवरात्रि में ऐसी प्रतिमा किसी एक गांव में नहीं बल्कि जिले के कई गांवों में स्थापित की गई है। जिस प्रकार सुबह-शाम एक तरफ मां दुर्गा की आरती-पूजा पंडालों में होती है, वैसे ही दूसरी ओर रावेन की पूजा आदिवासी समाज के लोग कर रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां आरती की बजाय समरणी की जाती है। आदिवासी समाज के लोगों द्वारा बैठाई गई रावेन पेन की प्रतिमा को भगवान शिव की पूजा करते दिखाया गया है।

पांच कलश की स्थापना, दशहरा के दिन विसर्जन

जिस प्रकार हिंदू समाज में मां दुर्गा की स्थापना के साथ ही कलश स्थापित किए जाते हैं, वैसे ही इस बार आदिवासी समुदाय के लोगों ने पंडाल में पांच कलश की स्थापना की है। जिसे प्रतिमा के ठीक सामने स्थापित किया गया है। जिस प्रकार हिंदू समाज नौ दिन पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन करता है। वैसे ही आदिवासी समाज के लोगों ने भी 9 दिन प्रतिमा बैठाने के बाद दशहरा पर विसर्जन का फैसला किया है।

पंडाल में पूजा कर रहे पंडा सुमित कुमार सल्लाम ने बताया कि हमने जिस प्रतिमा की स्थापना की है वे रामायण के रावण नहीं, बल्कि हमारे पूर्वजों द्वारा पूजे जाने वाले रावेन पेन हैं। पिछले कई सालों से हमारे पूर्वज इनकी पूजा करते आ रहे हैं। हमें किसी धर्म से बैर नहीं है, दुर्गा पंडाल में पूजा होती है, हम उसके बाद ही हमारे पंडाल में समरणी करते हैं। भगवान शिव हमारे आदिवासी समाज के आराध्य हैं।

रावण को आराध्य मानता है आदिवासी समाज

जिले के आदिवासी अंचल में रावण को आराध्य माना जाता है। छिंदवाड़ा जिले के ग्राम रावणवाड़ा में रावण का मंदिर कई वर्षों से स्थापित है। जहां पर पूजा पाठ आदिवासी समाज करता है। गांव का नाम भी रावण के नाम पर है। जिले में कई जगह रावण के पुत्र मेघनाथ की पूजा भी आदिवासी समाज के लोग करते हैं। सालों से ये लोग रावण दहण पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते आ रहे हैं। आदिवासी समाज के लोगों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराया है। वे रावण दहण को रोकने की मांग कर रहे हैं। गोंडवाना महासभा ने मांग की है कि समाज खंडराई पेन एवं महिषासुर पेन की पूजा करता है अतः उनका पुतला देवी की प्रतिमा के साथ विसर्जित नहीं किया जाए एवं गांवों में रावेन की प्रतिमा हमारे समाज ने स्थापित की है उसे प्रशासन संरक्षण और अनुमति दे और रोक न लगाए।

कहां-कहां बैठाई गई प्रतिमा

शहर के आसपास के क्षेत्र जैसे नेर जमुनिया, मेघा सिवनी, लालू पिपरिया, राजाखोह में रावेन की प्रतिमा बैठाई गई है। वहीं हर्रई और अमरवाड़ा के आदिवासी अंचल में भी आदिवासी समाज के लोग प्रतिमा स्थापित किए हैं। पुलिस इस बात पर नजर रखी है कि इसको लेकर कहीं तनाव की स्थिति न बने।

पुनेम प्रचारक देवरावेन भलावी ने कहा कि ये दस सिर वाले रावण की नहीं, बल्कि एक सिर वाले रावेन की पूजा की जा रही है। ये हमारे आराध्य है। आदिवासी समाज में 22 से ज्यादा रावेन की मान्यता है। पातालकोट में एक रावेन है जिसे अहिरावेन के रूप में पूजते हैं। पं. श्रवण शर्मा, जिला अध्यक्ष संत विप्र पुरोहित सेवा संगठन ने कहा कि आदिवासी समाज हमारे सनातन परंपरा का हिस्सा है। हमारे सनातन धर्म का अभिन्न अंग है।

पूर्व सांसद जगदीश शर्मा की जाति भूमिहार से हो गई यादव

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार जमीन सर्वे में जहानाबाद के पूर्व सांसद जगदीश शर्मा को जाति में भूमिहार की जगह यादव बना दिया गया है। इसके साथ कई तरह को गड़बड़ियां की गई हैं। जमीन सर्वे में हुई गड़बड़ियों को लेकर पूर्व सांसद ने सीएम को पत्र लिख इसकी शिकायत की है। शिकायत के बाद शुक्रवार को सीएम सचिवालय हरकत में आया है और राजस्व और भूमि सुधार विभाग को इसमें सुधार का निर्देश दिया है। दरअसल, जहानाबाद के पूर्व सांसद जगदीश शर्मा घोसी प्रखंड के कोर्रा गांव के रहने वाले हैं। जगदीश शर्मा घोसी से 6 बार विधायक और जहानाबाद से एक बार सांसद रह चुके हैं। उनकी पत्नी शांति शर्मा और पुत्र राहुल शर्मा भी घोसी से एमएलए रह चुके हैं। राजनीतिक दिग्गज के साथ भी जमीन सर्वे में बड़ी गलती की गई है। सर्वे के अभिलेख में रैयत जगदीश शर्मा पिता स्व। कमाता शर्मा की जाति ग्वाला (यादव) दर्शाया गया है जबकि पूर्व सांसद भूमिहार जाति से आते हैं। वहीं, सर्वे के अभिलेख में जिले के नामचीन राजनीतिक हस्ती की गलती चर्चा का विषय बन गया है। इधर, पूर्व सांसद जगदीश शर्मा ने सीएम को पत्र लिखकर जमीन सर्वे में कई खामियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पत्र में कहा है कि सर्वे के प्रथम चरण में अमीन ग्राम में जाकर एक-एक परिवार के साथ मिलकर उसके जमीन पर जाकर प्लॉट खाता की पहचान कर जमीन मालिक का नाम उसके समक्ष दर्ज करता तो गड़बड़ी की संभावना नहीं होती। उन्होंने पत्र में बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि जहानाबाद के हुलासगंज प्रखंड में नरमा, किसुनपुर, बिसुनपुर सहित कई गांवों में जमीन बकाश्त बताकर उसे रैयतों से छिनने का प्रयास चल रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 7 अक्टूबर- 2024

ड्रोन हमले का जिम्मेदार कौन?

दो दिन पहले इजराइल के गोलान हाइट्स के एक सैन्य बैस पर जो ड्रोन हमला हुआ था अब उसमें खुलासा हुआ है कि इस हमले का जिम्मेदार इजराइल खुद है। इस हमले में दो इजराइली सैनिकों की मौत भी हो गई थी। अब जब इस मामले में नया खुलासा हुआ है तो इराक में मौजूद ईरान के प्राक्सी समूहों और अधिकारियों ने इसे इजराइल की मनगढ़ंत कहानी बताना शुरू कर दिया है। अरबी मीडिया आउटलेट मिडल ईस्ट आई (एमईई) को बताया ईरान समूह ने बताया है कि उनकी तरफ से इजरायल पर कई हमले किए गए हैं, लेकिन शुक्रवार को गोलान हाइट्स पर हुए हमले से उनका कोई लेना-देना नहीं है। इराकी कमांडरों ने भी बताया कि देश के राजनीतिक और सशस्त्र ताकतों ने पिछले सप्ताह ही ये फैसला लिया था कि वे इजरायल और लेबनान के हिजबुल्लाह की लड़ाई से खुद को दूर रखेंगे। यही नहीं, वे लेबनान और फिलिस्तीन में इजरायली हमलों से प्रभावित लोगों को मानवीय और वित्तीय सहायता पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इसके बावजूद 'इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक' (ईरान के प्रॉक्सी) गठबंधन के दो आतंकवादी समूह कताएब हिजबुल्लाह और हरकत हिजबुल्लाह अल-नुजाबा ने दावा किया है कि वे इजरायल के अंदर हमले जारी रखे हैं। बहरहाल, समूह का एक छोटा गुट कताएब सैय्यद अल-शुहादा भी जरूरत पर ऑपरेशन के लिए सहायता देने का दावा करता है। शुक्रवार को इजरायली सेना ने कहा कि सुबह गोलान में विस्फोटक से लदे दो ड्रोन ने उसके जवानों को निशाना बनाया। इसमें गोलानी ब्रिगेड को 2 अधिकारी मारे गए और 24 अन्य घायल हो गए हैं। इजरायली सेना ने ईरान समर्थित इराकी सशस्त्र गुट को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि ड्रोन इराक से लॉन्च किए गए थे। अब इराक में मौजूद ईरान के तीनों प्रॉक्सी ने इजरायल के दावे को चुनौती दी है और कहा कि उस दिन उन्होंने हमला नहीं किया था। यदि उसके पास कोई सबूत है तो वह सामने लाए। कताएब सैय्यद अल-शुहादा के नेता और समूह के प्रवक्ता कदीम अल-फरतूसी ने कहा कि 'रेजिस्टेंस अपने ऑपरेशन की तुरंत घोषणा कर देता है। लेकिन जब उस दिन कोई ड्रोन हमला हुआ ही नहीं तो उस पर यह इल्जाम कैसे लगाया जा सकता है? उन्होंने यह भी दावा किया कि रेजिस्टेंस ने इस ऑपरेशन की घोषणा भी नहीं की या इसकी जिम्मेदारी भी नहीं ली, तो कुछ रिपोर्ट में जो कुछ कहा जा रहा है वह सब काल्पनिक मात्र है। अगर हमने इसे अंजाम दिया होता तो हम डंके की चोट पर इसकी घोषणा करते। इराकी सशस्त्र गुटों की निगरानी करने वाले पॉपुलर मोबलाइजेशन अथॉरिटी के एक वरिष्ठ अधिकारी का भी कहना है कि इजरायल के आरोपों के बाद शुक्रवार को एक बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में कताएब हिजबुल्लाह, हरकत हिजबुल्लाह अल-नुजाबा और कताएब सैय्यद अल-शुहादा के प्रतिनिधि भी शामिल थे। अधिकारी के अनुसार तीनों गुटों ने गोलान हाइट्स पर हुए ड्रोन हमले से इनकार कर दिया है। बैठक में शामिल हुए अधिकारी ने बताया, इस तरह के ऑपरेशन को अंजाम देने की क्षमता केवल कताएब हिजबुल्लाह के पास है और उन्होंने साफ कहा है कि इस हमले के पीछे उनका व उनके किसी गुट का हाथ नहीं है।

क्या धर्मनिरपेक्षता का आधार जनसंख्या बल है?

मुनीष त्रिपाठी

बीते 30 सितंबर को अमरोहा से विधायक महबूब अली ने बिजनौर में समाजवादी पार्टी की संविधान सम्मान सभा को संबोधित किया 1 उत्तर प्रदेश के बिजनौर में सपा विधायक महबूब अली ने बीजेपी सरकार को चेतावनी देते हुए बड़ा बयान दे दिया है 1 सपा विधायक ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि अब मुस्लिम आबादी बढ़ गयी है, तुम्हारा राज खत्म हो जाएगा 1 विधायक यहीं नहीं रूके, उन्होंने आगे कहा कि मुगलों ने देश में 800 साल राज किया है 1 अमरोहा से सपा विधायक महबूब अली ने कहा कि अब बीजेपी की सरकार बनने वाली नहीं है 1 दरअसल विधायक महबूब अली बिजनौर में समाजवादी पार्टी की संविधान सम्मान सभा को संबोधित करते हुए बीजेपी की केंद्र में मोदी और प्रदेश में योगी सरकार पर जमकर हमला बोला 1 उन्होंने स्पष्ट रूप से माना कि भारत में मुस्लिम जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है 1 जिसके बलबूते पर भाजपा को सत्ता से बाहर करेंगे 1 निश्चित तौर पर उनका यह बयान जनसंख्या बल के प्रभाव को दर्शाता है 1 महबूब के बयान का क्या यह मतलब निकाला जाए कि भारत में धर्मनिरपेक्ष राज्य तब तक रह सकता है जब तक हिंदू बहुलता में है 1 जिस प्रकार भारत से अलग हुए हिंदू अल्पसंख्यक और मुस्लिम बहुसंख्यक वाले देश पाकिस्तान और बांग्लादेश अब धर्मनिरपेक्ष देश न होकर इस्लामी राष्ट्र है 1 ऐसा कैसे हुआ क्या इसके पीछे मुस्लिम जनसंख्या का बाहुल्य होना नहीं है 1 विधायक महबूब अली इसी मंशा के तहत ऐसी बातें कर रहे हैं 1 भारत ने अपने संविधान द्वारा अपना धर्मनिरपेक्ष स्वरूप अपनी स्वाधीनता के बाद से ही बनाए रखा है इसमें किसी समुदाय को भी कोई दिक्कत नहीं है 1 इसके लिए भारतीय संविधान में राज्य द्वारा किसी भी विशेष समुदाय की धार्मिक शिक्षा पर निषेध किया गया है । राज्य पंथ निरपेक्ष शिक्षा की वकालत करता है हालाकि धार्मिक समुदायों को ऐसी निजी शिक्षण संस्थाएं खोल सकती है जिसमें वे अपनी धर्म, संस्कृति, लिपि को बढ़ावा दे सकती है । भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों में वर्णित अनुच्छेद 30 में प्रावधान दिया गया है कि अल्पसंख्यक धर्म या भाषा के अनुसार शिक्षण संस्थाओं की स्थापना कर सकते है। अनुच्छेद 29(1) के अनुसार अल्पसंख्यकों को अपने निवास क्षेत्र में भाषा, लिपि, संस्कृति को सरंक्षित करने का अधिकार है । परन्तु यह अधिकार शर्तों के साथ है । परन्तु अनुच्छेद 28 में राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अवयस्क छात्रों को तब तक धार्मिक शिक्षा लेने के लिये बाध्य नही किया जा सकता है जब तक कि उनके अभिभावक इसकी अनुमति न दे । अब सवाल उठता है कि ऐसा बयान विधायक महबूब अली ने क्यों दिया। क्या भारत में धर्म निरपेक्ष स्वरूप हिंदू बाहुल्य क्षेत्रों में ही रह सकता है मुस्लिम और ईसाई इलाकों में नहीं। क्या भारतीय ढांचे का धर्म निरपेक्ष स्वरूप बनाये रखने की जिम्मेदारी केवल हिंदुओं पर है ? फिर क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित अन्य हिंदूवादी संगठनों की उस अवधारणा को सही माना जाए जिसमें वे कहते है - हिंदू घटा और देश बटा । इसके लिये वे कश्मीर से लेकर अरुणांचल, नागालैंड, असम, बंगाल सहित उन मुस्लिम और ईसाई बाहुल्य जिलों के आंकड़े भी देते है जहाँ हिंदुओ की संख्या घटी है और आतंकवाद , अलगाववाद के मामले बढ़े है। आंकड़े कभी झूठ नही बोलते है । आंकड़ो के आधार पर संघ परिवार के दावे की पुष्टि होती है। इतना ही नही इस आशय की सूचना कई बार पूर्व में भारत सरकार और राज्य सरकारों के खुफिया विभाग ने भी की है।

आर.जी.कर जैसी घटनाएं कब रुकेंगी?

रघु ठाकुर

पश्चिम बंगाल में पिछले दिनों जो आर जी कर अस्पताल में एक डॉक्टर बेटी के साथ बलात्कार और हत्या हुई, उसकी निंदा हम सभी और समूचे देश ने की। एक डॉक्टर ड्यूटी पर हो और अपराधियों के मनोबल इतने बढ़े हों कि वे अस्पताल क्षेत्र में जाकर डॉक्टर के साथ बलात्कार करें और हत्या करें, इसकी यह निसंदेह प्रशासनिक व्यवस्था की असफलता है। यह समूची राजनीतिक व्यवस्था और व्यापक अर्थ में संपूर्ण समाज के लिए एक चुनौती है। इस घटना के बाद जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू की। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी इस कांड के विरोध में समूचे देश में हड़ताल रखी। कई दिन तक सारे देश के सरकारी अस्पतालों में मरीज भटकते रहे और इलाज के लिए वे परेशान होते रहे। कितने ही लोगों की मृत्यु इलाज के अभाव में हो गई। हालांकि तीन चार दिन बाद आईएमए ने हड़ताल वापस ले ली। परंतु पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल 19 सितंबर 42 दिन तक चलती रही। इस बीच कई ऐसी घटनाएँ हुई थीं जिनको लेकर आमजन की यह समझ बनी कि अब जूनियर डॉक्टर हड़ताल वापस ले लेंगे। इस कांड की जांच कोलकाता हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपी। यह सुविदित तथ्य है कि सीबीआई पर कोई नियंत्रण ममता बनर्जी सरकार का नहीं है। अगर सुप्रीम कोर्ट की मानें तो स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सीबीआई को तोते की भूमिका से बाहर निकलना चाहिए। यह भी सब जानते हैं कि सीबीआई के तोते का पिंजड़ा केंद्र सरकार के पास है। यानी अगर सीबीआई कोई पक्षपात करेगी तो भाजपा के पक्ष में हो सकता है। और यह सिद्ध भी हुआ, जब सीबीआई ने मुकदमे को बंगाल राज्य से बाहर सुनवाई हेतु भेजने का आवेदन लगाया, जिसे न केवल सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया बल्कि सीबीआई को फटकार भी लगाई कि यह तो देश की पूरी न्यायपालिकाओं को आरोपित करने जैसा है। स्वाभाविक है कि, यह आवेदन सीबीआई अपने आप तो नहीं लगा सकती। कहीं न कहीं किसी न किसी का इशारा होगा। सीबीआई की जांच के बाद, जब मामला सुप्रीम कोर्ट में गया तब कोर्ट की ओर से दो निर्देश दिए गए। पहला तो यह कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जूनियर डॉक्टरों से बात करें। दूसरा यह कि अगर दस सितंबर की शाम तक जूनियर डॉक्टर काम पर लौट आते हैं तो उन पर कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई न हो। यह आम उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद जूनियर डॉक्टर काम पर लौट आयेंगे। परंतु उन्होंने काम पर लौटने से इनकार कर दिया। चूंकि सुप्रीम कोर्ट का आदेश बहुत स्पष्ट नहीं था और एक प्रकार से गेंद को ममता बनर्जी के पाले में फेंकने वाला था। अगर ममता बनर्जी दस सितंबर को हड़ताप वापस कर न आने वाले जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करती तो न केवल आंदोलनकारियों को शिकायत का अवसर मिलता बल्कि यह आग में घी डालने जैसा होता। अच्छा तो यह होता कि सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट आदेश देता कि जब डॉक्टरों की सारी मांगें मान ली गयी हैं या मानने को सरकार तैयार है तो फिर हड़ताल का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए डॉक्टरों को काम पर वापस आना चाहिए। दूसरे निर्देश के परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जूनियर डॉक्टरों को बातचीत के लिए एक 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बुलाया। इस पर भी जूनियर डॉक्टरों का रवैया तार्किक नहीं था। एक तो पहले उन्होंने कहा कि संख्या निर्धारित नहीं की जाये, सभी लोग आयेंगे तथा बातचीत का लाइव टेलीकास्ट हो। ये दोनों ही शर्तें न केवल आश्चर्यजनक थीं बल्कि ऐसा प्रतीत होता है कि शायद बातचीत न करने का बहाना खोजने की थीं। बाद में तीस की संख्या पर वे सहमत हुए, परंतु लाइव टेलीकास्ट की मांग पर अड़े रहे। आपसी बातचीत की चर्चा के लाइव टेलीकास्ट का क्या औचित्य था? ऐसा लगता है कि यह भी एक योजना थी कि कुछ उत्तेजक और अपमानजनक बातें कही जायें जो देश में प्रचारित हों। सारे देश ने मीडिया में ममता बनर्जी की वह फोटो देखी है जहां वे खाली कुर्सियों के सामने अकेले बैठी, तीन घंटे तक इंतजार करती रहीं, पर डॉक्टर नहीं आये। मुख्य सचिव और डीजीपी ने भी डॉक्टरों को बातचीत के लिए प्रेरित करने के प्रयास किये परंतु वे सफल नहीं हुए। चूंकि आमतौर पर आम लोग बगैर कानूनी प्रक्रिया को समझे यह मांग करते हैं कि बलात्कारी को फाँसी दी जाये। ऐसे समाचार जब मीडिया में आते हैं तो आमजन को खुशी भी होती है। वे भूल जाते हैं कि दंड देने की एक वैधानिक प्रक्रिया है। बलात्कार या हत्या करने वाले को मृत्युदंड देने का अधिकार न्यायपालिका के पास है, परंतु न्यायपालिका ने फांसी के लिए यह सिद्धांत तय किया है कि बलात्कारी या हत्यारे को तभी फाँसी दी जाये जब यह घटना श्रेयर आफ द रेयरेस्ट्य हो। आमजन को यह भी पता नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा मृत्युदंड दिए जाने पर भी राष्ट्रपति के पास क्षमादान का अधिकार है। इस अधिकार का प्रयोग कई बार राष्ट्रपतियों ने किया भी है। भारत रत्न प्रणब मुखर्जी जब राष्ट्रपति बने तब उन्होंने क्षमादान याचिकाओं को बड़ी संख्या में निरस्त किया था। लंबे समय से प्रतीक्षारत अपराधियों को फांसी दिलाई थी। हालांकि एक प्रकरण तब भी आश्चर्यजनक था।

पश्चिम बंगाल में एक नाबलिग की बलात्कार के बाद क्रूर हत्या हुई थी। उसे स्व. प्रणब मुखर्जी ने क्षमादान दिया था। अनेक लोगों ने यह संदेह व्यक्त किया था कि चूंकि वह बंगाली ब्राह्मण था इसलिए क्षमादान दिया गया। अब इस पर मैं कोई टिप्पणी नहीं कर सकता। प्रणब बाबू ने अपनी छवि को बचाने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव लाकर यह कानून पारित कराया था कि हत्यारे बलात्कारी को फांसी का ही दंड दिया जायेगा। यह आश्चर्यजनक सत्य है कि केंद्र सरकार द्वारा नामित पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव को स्वीद्धति देने के बजाय राष्ट्रपति को प्रेषित किया है। इसका क्या औचित्य है, यह आम समझ से परे है। इस पर भी जन-चर्चा यही है कि यदि राज्यपाल महोदय स्वीद्धति देते तो यह ममता बनर्जी के पक्ष में होता। अगर अस्वीद्धत करते तो भाजपा के खिलाफ जाता। इसलिए प्रस्ताव राष्ट्रपति के पास भेजकर अपने आपको जिम्मेदारी से मुक्त कर लिया। राष्ट्रपति महोदय ने इस कानून के प्रस्ताव पर अभी तक कोई निर्णय नहीं दिया, परंतु सार्वजनिक रूप से यह बयान जरूर दिया कि वे बहुत व्यथित हैं। राष्ट्रपति भारतीय गणराज्य के शीर्ष पद पर हैं, महिला हैं, माँ हैं, इसलिए व्यथित होना स्वाभाविक है। परंतु आम जनमानस में यह प्रश्न तैर रहा है कि बिहार में बलात्कार की कई घटनाएँ हुईं, महाराष्ट्र में हुईं, उज्जैन के महाकाल लोक में वे पूजा-अर्चना करने गयी थीं, वहां सार्वजनिक स्थल पर बलात्कार की घटना हुई।

भोपाल में एक महिला मरीज के साथ ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने छेड़खानी की। उड़ीसा में, हरियाणा में, महाराष्ट्र में बेटियों के साथ घटनायें हुई हैं और ऐसी अनेक घटनाएं हाल में घटी हैं, उन पर राष्ट्रपति जी ने व्यथित होने का बयान क्यों नहीं दिया? मैं मानता हूँ कि राष्ट्रपति जी की कोई दुर्भावना नहीं रही होगी बल्कि शायद भारत सरकार के गृहमंत्रालय ने विधिवत प्रक्रिया से इस घटनाओं से उन्हें अवगत नहीं कराया होगा। जूनियर डॉक्टरों की इस लंबी हड़ताल के दौरान मीडिया के अनुसार लगभग 27 मरीजों की मौत हो गई। हो सकता है कि यह संख्या ज्यादा भी हो, क्योंकि अमूमन कस्बाई घटनाएं मीडिया में स्थान नहीं पा पाती है। जनमानस में एक प्रश्न और भी है कि आईएमए ने उन घटनाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की जिनमें महिलाओं के साथ छेड़छाड़ या आपराधिक द्धत्यों में डॉक्टरों के नाम आये। अपवाद को यदि छोड़ दें तो नियमों के बावजूद सारे देश में अधिकांश डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं और अथाह पैसा कमा रहे हैं।

मैरिटल रेप को अपराध बनाने के खिलाफ क्यों है केंद्र सरकार

राजेश कुमार पासी

कर्नाटक और दिल्ली हाईकोर्ट के दो फैसलों के खिलाफ मैरिटल रेप को अपराध की श्रेणी में लाने की मांग का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है । केन्द्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल करके मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने वाली याचिकाओं का विरोध किया है । ऐसा नहीं है कि यह पहली बार हो रहा है बल्कि इससे पहले 2016 में भी इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हो चुकी है और तब भी केन्द्र सरकार ने इसका विरोध किया था । इससे पहले भी कई बार ऐसी मांग सुप्रीम कोर्ट में पहुंच चुकी है और तत्कालीन सरकारों ने इसका विरोध ही किया है । मोदी सरकार ने कहा है कि मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की जरूरत नहीं है क्योंकि इसके लिए अन्य सजाएं पहले ही भारतीय कानून में मौजूद हैं । सरकार का कहना है कि यह कानूनी नहीं बल्कि एक सामाजिक मुद्दा है और अगर इसे अपराध घोषित करना भी है तो यह सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है । सरकार ने कहा है कि वो सभी पक्षों से बात करके इस पर फैसला लेगी । सरकार का कहना है कि संसद ने पहले ही विवाह के अंदर विवाहित महिला की सहमति की सुरक्षा करने के लिए कई उपाय किये हुए हैं । विवाहित महिला से क्रूरता, महिला की अस्मिता का उल्लंघन करने के खिलाफ कानून और घरेलू हिंसा से बचाव का कानून मौजूद है । केन्द्र सरकार ने स्वीकार किया है कि शादी के बाद भी महिला की सहमति का महत्व खत्म नहीं हो जाता है और महिला की गरिमा के किसी तरह के उल्लंघन पर आरोपी को सजा दी जानी चाहिए । इसके साथ-साथ केन्द्र का यह भी कहना है कि शादी से बाहर अगर इस तरह की घटना होती है तो उसका नतीजा शादी के रिश्ते में होने वाले उल्लंघन से अलग होता है । शादी का मतलब यह नहीं है कि पति को पत्नी से जबरदस्ती करने का अधिकार दे दिया जाए लेकिन किसी पति को एंटी-रेप कानून के तहत सजा देना गैर जरूरी कार्यवाही हो सकती है । अपनी पत्नी की इजाजत के बिना पति द्वारा जबरन संबंध बनाने को मैरिटल रेप कहा जाता है और भारत में मैरिटल रेप को पत्नी के खिलाफ एक तरह की घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न माना जाता है लेकिन भारत में मैरिटल रेप को अपराध नहीं माना गया है । वास्तव में भारत में मैरिटल रेप को दंडनीय अपराध बनाने की कोशिश वर्षों से चल रही है । नारीवादी संगठन इसको अपराध की श्रेणी में लाने के लिए वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं । ये संगठन अदालतों के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाना चाहते हैं कि वो मैरिटल रेप को कानून बनाकर अपराध घोषित कर दे । केन्द्र सरकार का कहना है कि विवाह एक पवित्र संस्था है और वैवाहिक दुष्कर्म को दंडनीय अपराध घोषित करने पर वैवाहिक संस्था खतरे में पड़ जाएगी और हमारा सामाजिक ताना-बाना बिगड़ सकता है । सरकार का मानना है कि मैरिटल रेप को दंडनीय अपराध बनाने पर ये पति से बदला लेने का हथियार बन सकता है । देखा जाये तो सरकार का कहना सही है लेकिन वैवाहिक दुष्कर्म हमारे समाज की कड़वी सच्चाई है । हम इससे आंखें नहीं चुरा सकते, इसलिए इसे यूं ही खुला छोड़ देना समस्या का कोई हल नहीं है । सरकार भी मानती है कि वैवाहिक दुष्कर्म होता है लेकिन वो इस पर कानून नहीं बनाना चाहती । अब सवाल उठता है कि जो अपराध बड़े स्तर पर हमारे समाज में हो रहा है, उसको रोकने की कोशिश क्यों नहीं होनी चाहिए । दूसरा सवाल यह है कि क्या कानून बनाने से समस्या का हल हो जाएगा । मेरा स्पष्ट रूप से मानना है कि इस समस्या का समाधान कानून बनाकर नहीं किया जा सकता बल्कि कानून बनाकर हम ऐसी समस्याएं खड़ी कर लेंगे जिनका हमारे पास कोई समाधान नहीं होगा । एक अनुमान के अनुसार 30 प्रतिशत महिलाएं वैवाहिक दुष्कर्म का शिकार होती हैं लेकिन वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा है । देखा जाए तो ज्यादातर महिलाएं कभी न कभी मैरिटल रेप का शिकार होती हैं । इस पर कानून बनाने की मांग करने वालों का कहना है कि रेप तो रेप होता है, चाहे वो पति ही क्यों न करे । मैरिटल रेप को लेकर उनका तर्क है कि विवाह से किसी पुरुष को यह लाइसेंस नहीं मिल जाता कि वो अपनी पत्नी के साथ उसकी मर्जी के बिना संबंध बनाए । मैरिटल रेप को दंडनीय अपराध बनाने पर वैवाहिक संस्था को होने वाले नुकसान को लेकर उनका कहना है कि वैवाहिक संस्था को बचाने के लिए मैरिटल रेप की छूट नहीं दी जा सकती । दूसरी तरफ सरकार का कहना है कि इससे फर्जी शिकायतों की संख्या बढ़ जायेगी । नारीवादी संगठन इस कानून को लेकर पश्चिमी देशों का उदाहरण देते हैं क्योंकि कई देशों में यह कानून मौजूद है । उनकी बात सही है लेकिन विदेशों में परिवार कहां बचे हैं जिन्हें बचाने की कोशिश की जाये । हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ऐसी मूर्खताओं के कारण ही पश्चिमी देशों से पारिवारिक संस्था गायब हो गई है और कुछ लोगों की कोशिश है इसे हमारे देश से भी गायब कर दिया जाए । आज पूरा पश्चिमी जगत परिवार को ढूंढता फिर रहा है लेकिन परिवार नहीं मिल रहा है । वास्तव में ऐसे कानूनों के कारण ही वहां से पारिवारिक संस्था गायब हो गई है और अब उसकी वापसी असंभव है । वास्तव में ऐसे कानून एक बार आ जाते हैं तो वापिस नहीं किये जाते और ऐसे कानून सामाजिक ताना-बाना बिगाड़ देते हैं ।

अगर यह कानून बन जाता है तो पति-पत्नी अपने बेडरूम की सभी बातें सार्वजनिक करने पर मजबूर होंगे । इस कानून के बनने के बाद जज किस प्रकार ये निर्णय लेगा कि एक बंद कमरे में दो लोगों के बीच बना संबंध सहमति से बना या असहमति से । इस बारे में नारीवादी संगठन कहते हैं कि महिला को समानता का अधिकार है और अगर वो कहती है कि उसके साथ रेप हुआ है तो उसकी बात मानी जानी चाहिए और पुरुष यह सिद्ध करे कि उसने रेप नहीं किया है । दुष्कर्म कानून में भी यह प्रावधान है कि पुरुष को सिद्ध करना है कि उसने रेप नहीं किया है । नारीवादियों को बताना चाहिए कि यह कैसी समानता है, जहां महिला कहे कि दुष्कर्म हुआ है तो मान लिया जाए लेकिन जब पुरुष कहे कि नहीं हुआ है तो उसे सिद्ध करने को कहा जाए । सच्चाई यह है कि आप कितने भी तर्क दे दें लेकिन एक बंद कमरे में पति-पत्नी के बीच बने संबंध में कौन सच कह रहा है, कभी नहीं जान सकते ।

इस मामले में कोई भी वैज्ञानिक सबूत आपकी मदद नहीं कर सकता क्योंकि यहां ये नहीं साबित करना है कि सेक्स हुआ है या नहीं बल्कि यह साबित करना है कि सेक्स मर्जी से हुआ है या नहीं ।

'कार्बन खेती' में छोटे और सीमांत किसानों के लिए लाभ का द्वार

प्रियंका सौरभ

छोटे पैमाने के किसानों के लिए, कार्बन बाज़ार खेती के तरीकों को बेहतर बनाने, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने और वैश्विक जलवायु समाधानों में उनके योगदान का अवसर प्रदान करते हैं। कई कार्बन परियोजनाओं का उद्देश्य वनों, आर्द्रभूमि और अन्य पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा और उन्हें बहाल करना है। ये पारिस्थितिकी तंत्र जैव विविधता के महत्वपूर्ण स्रोत हैं और छोटे किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका के अवसर प्रदान कर सकते हैं। देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पिछले छह दशकों से भारतीय कृषि में गहन खेती की प्रथाएँ अपनाई गई हैं।

इसके परिणामस्वरूप देश भर में प्रमुख खेती योग्य भूमि में मिट्टी के कार्बनिक कार्बन में महत्वपूर्ण कमी, मिट्टी की उर्वरता में गिरावट और रासायनिक प्रदूषण हुआ है। इसके अलावा, प्रमुख अनाजों की एकल-फसल खेती के साथ गहन खेती ने जैव विविधता को नुकसान पहुँचाया और भूजल संसाधनों की कमी हुई। इन खेती प्रथाओं ने ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में भी वृद्धि की है जो ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन में योगदान करती है। भारत का कृषि वानिकी क्षेत्र कार्बन वित्त परियोजनाओं के साथ एकीकरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है, विशेष रूप से वनरोपण, पुनर्वनरोपण और पुनर्वनीकरण पहलों के माध्यम से। कार्बन वित्त परियोजनाओं के माध्यम से कार्बन पृथक्करण कार्बन को अलग करने की कृषि वानिकी की क्षमता इसे कार्बन वित्त पहलों का एक केंद्रीय घटक बनाती है। कार्बन वित्त परियोजनाओं में पेड़ लगाना या कृषि परिदृश्य में वृक्ष आवरण को बढ़ाना शामिल है, जिससे किसान कार्बन पृथक्करण गतिविधियों के माध्यम से कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। 2050 तक कृषि वानिकी क्षेत्र को 53 मिलियन हेक्टेयर तक विस्तारित करना बड़े पैमाने पर कार्बन पृथक्करण और वैश्विक कार्बन बाजारों में भागीदारी का अवसर प्रस्तुत करता है। कार्बन वित्त परियोजना पहल आय विविधीकरण की क्षमता भी प्रदान करती है, विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए। हालांकि, छोटे किसानों को अभी भी कार्बन बाजारों से बड़े पैमाने पर लाभ नहीं मिला है - मुख्य रूप से कम कीमतों की पेशकश और व्यापार योग्य, अद्वितीय और सत्यापन योग्य कार्बन क्रेडिट बनाने की उच्च लागत के कारण। इसके अलावा, कार्बन बाजारों में भाग लेने के लिए समय और संसाधनों के महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि कार्बन बाजार कार्बन पृथक्करण के लिए वित्तीय लाभ प्रदान कर सकते हैं, लेकिन किसानों द्वारा वहन की जाने वाली लागतों को कवर करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन अपर्याप्त हो सकते हैं। फिर भी, बाजार तेजी से बदल रहा है, और नई प्रौद्योगिकियां जो संभव है उसकी सीमा का विस्तार कर रही हैं।

कार्बन पृथक्करण से परे, कार्बन वित्त परियोजनाओं के तहत कृषि वानिकी मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है, जल प्रतिधारण में सुधार करती है और कटाव को कम करती है, जिससे कृषि उत्पादकता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, यह क्षरित भूमि को बहाल करके तथा जलवायु संबंधी जोखिमों के विरुद्ध एक बफर प्रदान करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है। कृषि वानिकी का समर्थन करने वाली सरकारी नीतियाँ जैसे राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति, 2014 भारत में कृषि वानिकी के विस्तार के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। कार्बन वित्त के साथ आगे एकीकरण के लिए, इस नीति को कार्बन वित्त परियोजनाओं पहलों का स्पष्ट रूप से समर्थन करने तथा कार्बन बाजारों तक पहुँच को सुगम बनाने के लिए संशोधित किया जाना चाहिए। कार्बन पृथक्करण के लिए सब्सिडी और वित्तीय सहायता, वित्तीय प्रोत्साहन, जैसे कि पेड़ लगाने या वन आवरण को बनाए रखने के लिए सब्सिडी, छोटे किसानों को व्यवस्थित रूप से कृषि वानिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। क्षमता निर्माण और जागरूकता अभियान कृषि वानिकी और कार्बन वित्त के लाभों के बारे में किसानों को शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। विस्तार सेवाएँ और गैर सरकारी संगठन सूचना प्रसारित करने और तकनीकी सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जिससे छोटे और सीमांत किसान कार्बन वित्त पहलों में भाग ले सकें। निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जैसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और अंतर्राष्ट्रीय कार्बन वित्त प्लेटफार्मों के साथ जुड़ना कृषि वानिकी-आधारित कार्बन वित्त परियोजनाओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण होगा। वेरा और गोल्ड स्टैंडर्ड जैसे वैश्विक प्लेटफार्मों को भारत-केंद्रित मानकों की आवश्यकता को पहचानने की आवश्यकता है जो छोटे किसानों की कृषि की अनूठी चुनौतियों को ध्यान में रखते हैं।

बहरों का दिन

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक समय की बात है, सुनौदी नाम के एक छोटे से शहर में, जो सुनने की कला में बेजोड़ था—यहां तक कि नाम भी इसके विपरीत था। सितंबर 24 नजदीक आ रहा था, और यह कोई साधारण दिन नहीं था; यह बहरों का विश्व दिवस था! एक ऐसा दिन, जब बहरों को श्रद्धांजलि देने के लिए उत्सव मनाया जाने वाला था, जिसमें सभी सुनने वाले लोग भी उत्सुकता से शामिल होने वाले थे—बस आत्मा से, क्योंकि वास्तविकता में तो सबकी सुनने की स्थिति अलग थी।सुबह होते ही, जब सूरज ने धूल भरी गलियों पर सुनहरा प्रकाश बिखेरा, नगरवासी उत्सव की योजनाएं बनाने में जुट गए। मेयर तकलीफ, जो ऐसी गहरी समझ के लिए जाने जाते थे कि वे अक्सर अदृश्य चीजें भी देख लेते थे, ने ऐलान किया, "आज हम अपने बहरों के समुदाय को सम्मानित करने के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित करेंगे, जिसमें सबसे तेज शोर मचाने वाले को इनाम दिया जाएगा—बिना आवाज किए!" उनकी घोषणा पर जोरदार तालियां बजीं, या शायद बजी होतीं सुनने के लिए कान की मदद की जरूरत थी लेकिन जिन्होंने सुनने से इनकार कर दिया, अपनी कलम लेकर तैयार बैठे थे, चुप्पी के इस समारोह का मूल्यांकन करने के लिए। उन्होंने आपस में फुसफुसाते हुए कहा, "क्या अद्भुत आयोजन है! आइए, सुनने के बजाय कुछ न सुनें!"पहले दौर में प्रतियोगियों को केवल इशारों के जरिए अपने सबसे तेज भावनाओं को व्यक्त करना था। एक युवा लड़का, जो उत्साह से भरा था, अपने हाथ उठाकर और अपने चेहरे को विकृत कर के यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि उसने अपने कछुए को खो दिया। न्यायाधीश समझदारी से सिर हिलाते रहे, उसके विकृत इशारों को जीवन की तात्कालिकता के गहरे दार्शनिक विमर्श के रूप में समझते रहे। "वास्तव में गहन!" एक ने कहा, और उन्होंने एक आंसू पोंछा, जो कभी गिरा ही नहीं। जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ी, हर प्रदर्शन और भी अधिक हास्यास्पद होता गया। एक प्रतियोगी ने एक काल्पनिक दोस्त के साथ विवाद को माइम करके प्रस्तुत किया। भीड़ हंसने लगी—ओह, उन्हें यह हास्य इतना पसंद आया कि जैसे सब अचानक दार्शनिक बन गए हों, यह सोचते हुए कि बेवकूफी का क्या मतलब है!

माउंट आबू के अर्बुदा मंदिर में गिरे थे माता सती के होंठ

सबसे ऊंची पहाड़ी पर विराजमान हैं मां कात्यायनी नवरात्रि में लगती है भीड़

अर्बुदा देवी मंदिर, माउंट आबू

अर्बुदा देवी को कात्यायनी माता का स्वरूप माना जाता है। मंदिर का नाम अधर देवी पड़ने के पीछे एक मान्यता है कि यहां माता सती के अधर (होंठ) गिरे थे। इस मंदिर का गुजरात के शक्तिपीठ अम्बाजी से संबंध है। स्कंद पुराण के अनुसार, माता इस गुफा में छठे स्वरूप कात्यायनी के रूप में विराजमान हैं। मंदिर की स्थापना करीब पांच हजार वर्ष पूर्व होने का बताया जाता है।नवरात्रि में यहां दूरदराज से भक्त दर्शन करने आते हैं।

350 सीढ़ियां चढ़कर पहुंचते हैं भक्त

भक्त निखिल बंजारा ने बताया कि आधार देवी उनकी कुलदेवी हैं।माउंट आबू आने वाले भक्त यहां 350 सीढ़ियां चढ़कर मंदिर तक पहुंचते हैं। मंदिर में प्रवेश करते ही विशाल पहाड़ी में बनी गुफा में प्रवेश के लिए झुककर जाना पड़ता है, जहां भक्त माता के दर्शन करते हैं। पास में ही एक प्राचीन बावड़ी बनी हुई है, जिसे 'दूध बावड़ी' कहा जाता है।परमार राजपूतों की कुलदेवी अर्बुदा देवी का अक्षय तृतीया को वार्षिकोत्सव मनाया जाता है।यहां पर साल के चार नवरात्रों में अखंड चंडी पाठ, नवचंडी यज्ञ और चैत्रीय पूनम पर ध्वजादंड कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

बासकली राक्षस का किया था वध

मंदिर के पास ही अर्बुदा देवी की चरण पादुका मंदिर है। यहां माता की चरण पादुकाओं की पूजा-अर्चना की जाती है। इन चरण पादुकाओं को लेकर एक पौराणिक कथा भी प्रसिद्ध है। इसके अनुसार, बासकली नामक दानव ने कई वर्षों तक तपस्या कर भगवान शिव से अजय होने का वरदान प्राप्त किया था। वरदान मिलने के बाद राक्षस ने देवलोक में देवताओं को परेशान करना शुरू कर दिया। उसके उत्पात से दुखी देवताओं ने मां अर्बुदा देवी को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की। जिसके बाद मां प्रकट हुईं और बासकली राक्षस को अपने चरणों के नीचे दबाकर उसका संहार कर दिया। तब से यहां उनकी चरण पादुकाओं की पूजा की जाती है।

अधर देवी मंदिर

अधर देवी मंदिर अरावली की पहाड़ियों पर खूबसूरत गुफाओं के बीच स्थित है। यह मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है। मंदिर का नाम देवी दुर्गा के 'अधार' के नाम पर रखा गया है, जो इस स्थान पर गिर गया था और हवा में लटका हुआ पाया गया था। मंदिर में उत्तम मूर्तियां और शिल्प मौजूद हैं, जो इसे देखने लायक बनाते हैं।

तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध है बिहार में स्थित मां बगलामुखी पीतांबरी सिद्धपीठ

मां बगलामुखी पीतांबरी सिद्धपीठ दस महाविद्या में मां का आठवां रूप है। इस मंदिर की एक खासियत यह भी है कि मंदिर में स्थापित माता की प्रतिमा अष्टधातु की बनी हैं, जिसका अनुपम सौंदर्य बस देखते ही बनता है। यहां पर आने वाले भक्तगण माता की पूजा हल्दी व दूब से करते हैं।

यूं तो देशभर में माता का पूजन किया जाता है और कई स्थानों पर उनके मंदिर स्थित हैं। लेकिन बिहार के मुजफ्फरपुर शहर में स्थित मां बगलामुखी पीतांबरी सिद्धपीठ कई मायनों में बेहद ही विशिष्ट है। यह मुजफ्फरपुर शहर के कच्ची सराय रोड पर स्थित है और मुख्य रूप से तान्त्रिक पूजा के लिए प्रसिद्ध है। ऐसा कहा जाता है कि जो भी श्रद्धालु सच्चे मन व पूरी श्रद्धा से यहां पर माता के समक्ष अपनी कोई मनोकामना रखते हैं, तो वह अवश्य पूरी होती है। यह एक बेहद प्राचीन मंदिर हैं, जहां पर केवल स्थानीय या राज्य के लोग ही दर्शन हेतु नहीं आते हैं, बल्कि देश के कोने-कोने से भक्तगण यहां पर माता के दर्शन करते हैं। नवरात्रि के शुभ अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस अति विशिष्ट मंदिर के बारे में बता रहे हैं-

मां बगलामुखी पीतांबरी सिद्धपीठ एक बेहद ही प्रसिद्ध मंदिर है, जो बिहार के मुजफ्फरपुर शहर के कच्ची सराय रोड पर स्थित है। इस मंदिर को तांत्रिक सिद्धि का मुख्य केंद्र माना जाता है। नवरात्रि के पावन दिनों में लोग यहां पर विशेष पूजा के माध्यम से अपनी इच्छापूर्ति की कामना करते हैं। नवरात्रि के नौ दिनों तक यहां पर अखंड हवन किया जाता है।

मंदिर में स्थित है अष्टधातु की प्रतिमा

बता दें कि मां बगलामुखी पीतांबरी सिद्धपीठ दस महाविद्या में मां का आठवां रूप है। इस मंदिर की एक खासियत यह भी है कि मंदिर में स्थापित माता की प्रतिमा अष्टधातु की बनी हैं, जिसका अनुपम सौंदर्य बस देखते ही बनता है। यहां पर आने वाले भक्तगण माता की पूजा हल्दी व दूब से करते हैं।

नवरात्रि में होती है विशिष्ट पूजा

यूं तो माता की भक्ति लोग वर्षभर करते हैं, लेकिन नवरात्रि के दिनों में यहां पर अनूठी पूजा की जाती है, जिसमें मंदिर में स्थापित सहस्त्र दल यंत्र का दुग्धाभिषेक किया जाता है। मंदिर में स्थापित सहस्त्र दल यंत्र भी अति विशिष्ट है। यह मंदिर के ठीक नीचे स्थित है और इसे एक सर्व मनोकामना सिद्ध महायंत्र माना गया है। जिसका सीधा तात्पर्य यह है कि यहां आने वाले हर व्यक्ति की मुराद अवश्य पूरी होगी। हालांकि, इसके लिए भक्त को 21 दिन नियमित दर्शन करने होंगे।

इस खास समय महिलाओं का प्रवेश है वर्जित

यूं तो यह माता का मंदिर है और इसलिए महिलाओं के यहां आने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। लेकिन नवरात्रि के दिनों में जब देश के कोने-कोने से लोग अघोर तांत्रिक साधना के लिए जुटते हैं, तो वे मंदिर के पीछे स्थित परिसर के हवन कुंड में तांत्रिक तंत्र क्रियाओं को पूरा करते हैं। यह तंत्र क्रियाएं रात में की जाती है और इस दौरान यहां पर महिलाओं के आने पर प्रतिबंध रहता है।

आस्था के शीर्ष पर विरार का जीवदानी माता मंदिर

ऊंचे पहाड़ों पर विराजमान हैं कृपालु जीवदानी माता मंदिर वैतरणा नदी के किनारे और सातपुरा पहाड़ी क्षेत्र में बसा हुआ है

पालघर जिले विरार के पूर्व में आस्था के शीर्ष पर जीवदानी माता का मंदिर विराजमान है। कभी इस शहर का नाम एक-वीरा था। इसी वजह से इस मंदिर को भी एकविरा देवी के नाम से जाना जाता था, परन्तु मुगलों और पुर्तगालियों के हमले में मंदिर जीर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंच गया था। तब कुछ स्थानीय लोग माता के दर्शन करने आते थे, उन्हीं सभी श्रद्धालुओं की आस्था की लौ आज प्रज्जवलित होती चली गई। मंदिर वैतरणा नदी के किनारे और सातपुरा पहाड़ी क्षेत्र में बसा हुआ है। वर्तमान में लोग जीवदानी माता के नाम से जानते हैं।

जीवदानी का अर्थ है जीवन देने वाली माता होता है। जानकारों के मुताबिक इस सतपुरा पहाडियों की श्रृंखला में पहले जीवन दायी औषधियां मिलती थी। इन औषधियों से लोगों की प्राण रक्षा होती थी, इसलिए एक मान्यता यह भी है कि इसी वजह से माता का नाम जीवदानी पड़ा गया। तब से लोग इन्हें जीवदानी माता कहने लगे।

पुराणों के अनुसार इस मंदिर को पांडवों ने अपने वनवास के समय बनवाया। उन्होंने सतपुरा पर्वतों में एकवीरा माता को एक गुफा में स्थापना की थी। वे इन्हें भगवती जीवदानी कहते थे। पांडवों ने उस समय इस मंदिर के आसपास संतो, ऋषियों और मुनियों के लिए कई गुफाओं का निर्माण किया था। तब से इस क्षेत्र को पांडव डोंगरी के नाम से भी जाना जाता हैं। इस मंदिर से कई और भी किदवंतियां जुड़ी हुई हैं। पौराणिक कथाओं में उल्लेख मिलता है कि आदिशक्ति ने राजा दक्ष की पूजा में भगवान शिव के अपमान पर अपने शरीर को हवन की अग्नि में तर्पण कर दिया था।

भगवान शिव आदिशक्ति के शरीर को लेकर जा रहे थे, तब भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से 51 हिस्सों में विभाजन कर दिए थे। माता आदिशक्ति के टुकड़े जहां गिरे थे वह जगह शक्ति पीठ बन गई। जीवदानी माता भी महाराष्ट्र के 18 शक्ति पीठों में से एक हैं। स्थानीय लोग एक और मंदिर से जुड़ी कहानी का जिक्र करते हैं। गांव का एक महार था जो अछूत कहलाता था। महार इसी पहाड़ी के नीचे अपनी गाय चराता था।

महार की गायों के साथ एक और भी गाय घास चरने आती थी लेकिन शाम होते ही गायब हो जाती थी। एक दिन महार ने गाय के मालिक को ढूंढते हुए गाय के पीछे पहाड़ पर चला गया। गाय पहाड़ पर चढ़ते ही गायब हो गई। तभी वहां एक देवी प्रकट हुई, महार ने देवी से रोज गाय चराने पर पैसे मांगे। महार की बात सुन देवी ने उसे दान में कोयला दिया। महार ने नाराज होकर कोयले को जमीन पर फेंक दिया। महार ने जब यह बात गांव के लोगों को बताया तो लोगों ने कहा कोयला शुभ होता है। देवी मां ने उसे मोक्ष प्रदान किया और बताया की वह गाय कामधेनु है जो उसे मोक्ष प्रदान करेगी।

17 सदी से जुड़ा है मंदिर

स्थानीय लोगों के मुताबिक पहले इस क्षेत्र में 17 सदी में जीवदानी किले का निर्माण किया गया था। उस समय किले में अनेकों पानी के कुंड हुआ करते थे। वर्तमान में अधिकतम कुंड अभी सुख गए हैं। इसी किले के एक हिस्से में जीवदानी माता का मंदिर स्थापित किया गया था। मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों को करीब 13 सौ सीढियां चढनी पड़ती है। सीढ़ी न चढ़ पाने वाले भक्तों के लिए मंदिर तक पहुंचने के लिए एक रोपवे लगाया गया है। जीवदानी माता मंदिर परिसर में कई देवी देवताओं के मंदिरों की स्थापना की गई है। नवरात्र और दशहरा यहां के मुख्य समारोह हैं। भक्त मन्नत पर सीढ़ी पर दीपक या मोमबत्ती जलाकर पूजा करते हैं। भक्त देवी को मिठाई, कंगन, सिन्दूर, नारियल चढ़ाते हैं। मनोकामना पूर्ण करने के लिए भक्त सीढियों पर नंगे पैर चढ़ते हैं। रविवार का दिन जीवदानी माता का विशेष दिन माना जाता है।

नवरात्रि पांचवां दिन

माता स्कंदमाता

रंग : सफेद

देवी भागवत में कहा गया है कि माता स्कंदमाता का प्राकट्य मां गौरी से ही हुआ है, इसलिए उनका रंग धवल यानी सफेद है।

नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा की जाती है। स्कंदमाता भक्तों को सुख-शांति प्रदान करने वाली हैं। देवासुर संग्राम के सेनापति भगवान स्कंद की माता होने के कारण मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप को स्कंदमाता के नाम से जाना जाता है।

शिव और पार्वती के दूसरे और षडानन (छह मुख वाले) पुत्र कार्तिकेय का एक नाम स्कंद है क्योंकि यह सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी हैं, इसलिये इनके चारों ओर सूर्य जैसा अलौकिक तेजोमय मंडल दिखाई देता है। स्कंदमाता की उपासना से भगवान स्कंद के बाल रूप की भी पूजा होती है।

स्वरूप मां के इस रूप की चार भुजाएं हैं। इन्होंने अपनी दाएं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद अर्थात कार्तिकेय को पकड़ा हुआ है। निचली दाएं भुजा के हाथ में कमल का फूल है। बायीं ओर की ऊपरी भुजा में वरद मुद्रा है और नीचे दूसरे हाथ में सफेद कमल का फूल है। सिंह इनका वाहन है।

महत्त्व नवरात्रि की पंचमी तिथि को स्कंदमाता की पूजा विशेष फलदायी होती है। इस दिन साधक का मन विशुद्ध चक्र में अवस्थित होना चाहिए, जिससे कि ध्यान वृत्ति एकाग्र हो सके। यह शक्ति परम शांति और सुख का अनुभव कराती है। मां की कृपा से बुद्धि में वृद्धि होती और ज्ञान रूपी आशीर्वाद मिलता है। सभी तरह की व्याधियों का भी अंत हो जाता है।

॥स्तुति मंत्र॥

सिंहासनगता नित्यं, पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी, स्कंदमाता यशस्विनी॥

(सिंह पर सवार रहने वाली और अपने दोनों हाथों में कमल का फूल धारण करने वाली यशस्विनी स्कंदमाता हमारे लिए शुभदायी हों)

भोग: दिन में उपवास के बाद माता को केले का भोग लगाया जाता है, इससे शरीर स्वस्थ रहता है।

महालक्ष्मी मंदिर पुणे

श्री महालक्ष्मी मंदिर में माँ के तीन रूप श्री महासरस्वती विद्या की देवी, समृद्धि की देवी माँ महालक्ष्मी और समय और मृत्यु से मुक्ति देने वाली देवी श्री महाकाली विराजमान हैं।

महालक्ष्मी मंदिर का शिखर 55 फीट ऊँचा, 24 फीट चौड़ा और छत 54 फीट लंबी है। मंदिर बहुत ही बारीक नक्कासी के साथ द्रविड़ शैली में बनाया गया है।

मंदिर में स्थापित तीनों ही देवियों के विग्रह छः-छः फीट ऊँचे प्राचीन संगमरमर से तराशे गये है। मंदिर की संपूर्ण रचना जयपुर कला केंद्र से सम्बन्धित विशेषज्ञ मूर्तिकारों के मार्गदर्शन में की गई थी। जिनमें से सुमेरपुर के हेमराज सोमपुरा शिल्पकार अत्यधिक प्रसिद्ध थे। मंदिर को पूर्ण होने में 12 बर्ष का समय लगा, और यह पुण्य कार्य 15 फरवरी 1984 को तीर्थ स्वरूप स्वामी श्री घनश्यामजी आचार्य के हाथों से तीनों देवियों की प्राण प्रतिष्ठा पूजन के साथ संपन्न हुआ।

मंदिर के चारों ओर परिक्रमा मार्ग में बारह संतों के चित्र दीवारों पर अंकित किए गये हैं जो क्रमशः संत दानेश्वर, संत तुकाराम, संत तुलसीदास, संत जलाराम, संत चैतन्य महाप्रभु, संत कबीर दास, संत सुर दास, संत सूरदास, श्री रामदास स्वामी, संत गुरु नानक, संत रामकृष्ण परमहंस, संत बसवेश्वर, तथा मीराबाई हैं। जिससे भक्तों को माँ के आशीर्वाद के साथ-साथ इन महान गुरुओं द्वारा दी गई शिक्षाओं का भी ज्ञान मिल सके।

मंदिर के निर्माण का पूर्ण श्रेय स्वर्गीय श्री बंसीलाल रामनाथ अग्रवाल तथा माता शुशीलदेवी बंसीलाल अग्रवाल को ही जाता है, इनके अथक प्रयाशो और पुरुषार्थ का ही यह जीता जागता उदाहरण है।

कन्या पूजन का माहौल शुभ बनाने के लिए वास्तु का ध्यान जरूरी

कन्या पूजन के समय वास्तु के कुछ महत्वपूर्ण नियमों का ध्यान रखना विशेष लाभकारी होता है। ये नियम न केवल पूजा के वातावरण को सकारात्मक बनाते हैं, बल्कि कन्या पूजा की समृद्धि और फलदायी परिणामों में भी योगदान करते हैं।

पूजन स्थल का चयन: पूजा का स्थान हमेशा घर के पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए। ये दिशाएं सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं।

स्वच्छता: पूजा स्थल को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखें। स्वच्छता का ध्यान रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आसनों का प्रयोग: कन्याओं को बैठाने के लिए हल्के और सुंदर आसन का प्रयोग करें। आसन को लाल या पीले रंग का बनाना शुभ माना जाता है।

दीपक और अगरबत्ती: पूजा स्थल पर दीपक और अगरबत्ती अवश्य रखें। ये नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं और वातावरण को शुद्ध करते हैं।

सुखदायक रंग: पूजा में रंगों का भी ध्यान रखें। फूल, सजावट और अन्य सामग्री में हल्के और सुखदायक रंगों का प्रयोग करें।

दक्षिण दिशा से बचें: कन्या पूजा करते समय दक्षिण दिशा में बैठने से बचें क्योंकि इसे नकारात्मक ऊर्जा का स्थान माना जाता है।

खाना परोसना: कन्याओं को खाने के लिए स्वच्छ और ताजा भोजन परोसें। भोजन में मिठाई, चने और पूड़ी शामिल करें।

आशीर्वाद लेना: पूजा के बाद कन्याओं से आशीर्वाद लेना न भूलें, इससे आपके घर में सुख-शांति बनी रहेगी।

इन वास्तु नियमों का पालन करने से कन्या पूजन का माहौल शुभ और सकारात्मक बनता है, जिससे पूजा का फल भी अधिक मिलता है।

'इमरजेंसी' की नई डेट का किसी भी समय एलान कंगना को खुश करने को हुई सेंसर बोर्ड अफसर की छुट्टी

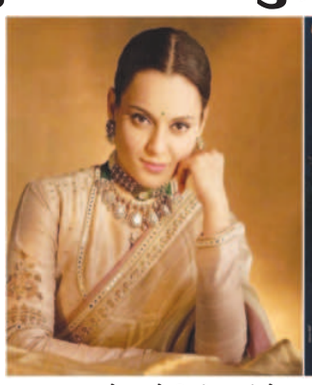

भारतीय जनता पार्टी फिल्म 'इमरजेंसी' के हरियाणा विधानसभा चुनाव पर पड़ने वाले असर को लेकर हलकान रही। पार्टी की मुंबई इकाई को ये भी लगता रहा कि जी एंटरटेनमेंट के कर्ताधर्ता सुभाष चंद्रा की इसे शह मिली हुई है। सेंसर बोर्ड को फिल्म की कायदे से 'जांच पड़ताल' का काम मिला और इसके मुंबई दफ्तर के क्षेत्रीय अधिकारी (रीजनल ऑफिसर) ने पूरी मुस्तैदी के साथ इसकी 'जांच' करवा भी दी। हरियाणा में मतदान के बाद एग्जिट पोल के नतीजे आ चुके हैं और इधर खबर है कि फिल्म 'इमरजेंसी' की नई रिलीज डेट इसी हफ्ते किसी भी दिन घोषित हो सकती है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के तकरीबन सभी एग्जिट पोल में कांग्रेस को बहुमत मिलता दिख रहा है। इस एग्जिट पोल के बाद से जी एंटरटेनमेंट में भी अलग सा माहौल दिख रहा है। जी की फिल्म निर्माण कंपनी जी स्टूडियोज में बीती शाम से ही 'इमरजेंसी' की रिलीज का काउंटडाउन शुरू करने के मौखिक संकेत भी दे दिए गए हैं। महाराष्ट्र और हरियाणा में सत्तासीन बीजेपी के कुछ नेताओं ने ऊपर तक संकेत यही पहुंचाया था कि 'इमरजेंसी' अगर चुनाव से पहले रिलीज हुई तो इससे पार्टी को नुकसान हो सकता है लेकिन ये नुकसान बिना फिल्म की रिलीज के भी हो चुका दिखता है।

सेंसर बोर्ड के मुंबई दफ्तर में बताते हैं जब से आरओ यानी रीजनल ऑफिसर (क्षेत्रीय अधिकारी) पद पर सैयद रबीहाशमी की नियुक्ति हुई, तभी से उन सारी फिल्मों को खासतौर से निशाने पर रखा गया जिनके बनाने वाले बीजेपी के नेता या बीजेपी नेताओं के करीबी रहे हैं। फिल्म निर्माता के सी बोकाडिया की फिल्म 'तीसरी बेगम' से जय श्री राम शब्द हटाने का मामला बहुत ज्यादा चर्चित रहा। भोजपुरी फिल्म 'जया' में एक ब्राह्मण युवक का एक दलित युवती से प्रेम सेंसर बोर्ड की आंखों में खटका और फिर 'इमरजेंसी'। फिल्म की निर्देशक व मुख्य अभिनेत्री कंगना रनौत हैं, इसके बावजूद बताते हैं कि सैयद रबीहाशमी ने ही इस फिल्म को देखने वाले पैनल संग सबसे ज्यादा बैठकें कीं।

ये बात बाहर आई तो जी एंटरटेनमेंट ने बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया। वहां भी शुरू में सेंसर बोर्ड अपने रुख पर ही अड़ा रहा। सेंसर बोर्ड के नए सीईओ राजेंद्र सिंह की भी सैयद रबीहाशमी ने नहीं सुनी तो मामला संगीन मोड़ लेने लगा। उच्च न्यायालय के सामने सेंसर बोर्ड का पक्ष रखने वाले वकीलों को दोनों की तरफ से विरोधाभासी संकेत मिलने लगे तो इस मामले को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के उच्च अधिकारों के संज्ञान में लाना गया। बीते शुक्रवार को इस मामले को लेकर उच्च न्यायालय में निर्णायक पेशी थी और उसके ठीक पहले सैयद रबीहाशमी को चलता कर दिया गया। उन्हें पद से हटाकर एक तो सेंसर बोर्ड ने उच्च न्यायालय में ये बात रखने में कामयाबी पाई कि इस फिल्म को रिलीज करने के लिए उसका फिल्म के निर्माताओं के साथ संवाद अंतिम चरण में है, वहीं कंगना रनौत को भी इस बात से संतोष हुआ कि सेंसर बोर्ड में उन्हें सबसे ज्यादा परेशान करने वाले अधिकारी की इस विभाग से विदाई ही हो गई।

जी एंटरटेनमेंट और जी स्टूडियोज के सूत्रों की मानें तो फिल्म 'इमरजेंसी' अब इसी महीने रिलीज हो सकती है। 11 अक्तूबर को बॉक्स ऑफिस पर हिंदी की दो बड़ी फिल्में 'जिगरा' और 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' रिलीज होने वाली हैं। इसके बाद 18 और 25 अक्तूबर को कोई बड़ी हिंदी फिल्म रिलीज की कतार में नहीं है। सब कुछ ठीक रहा तो फिल्म 'इमरजेंसी' इन्हीं दो मे से किसी एक तारीख को रिलीज हो सकती है।

कभी क्रिकेटर- कभी एक्टर संग जुड़ा नाम, बार-बार टूटा दिल

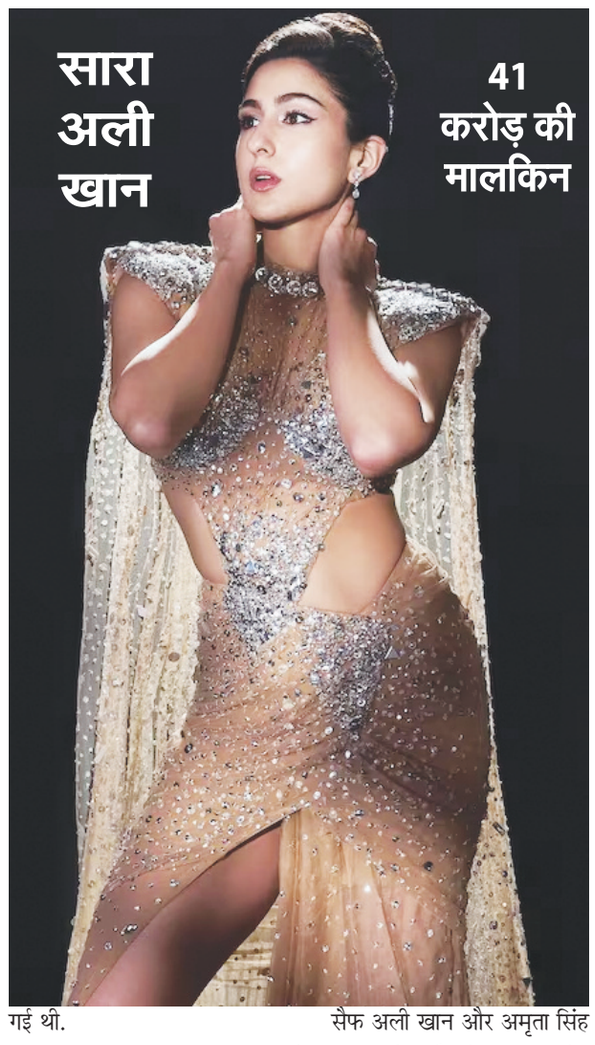

सैफ अली खान और अमृता सिंह की लाडली ने 'कॉफी विद करण' पर शिरकत करने के दौरान नेशनल टीवी पर ऐलान किया था कि वो कार्तिक आर्यन को डेट करना चाहती हैं. दोनों ने साल 2020 में आई फिल्म 'लव आज कल 2' में काम किया था. 'लव आज कल 2' की शूटिंग के दौरान दोनों डेट कर रहे थे. एक्स-कपल को कई मौकों पर साथ स्पॉट किया गया था. कुछ समय तक डेट करने के बाद दोनों ने अपनी राहें अलग कर लीं.

सारा अली खान और क्रिकेटर शुभमन गिल का रिलेशनशिप काफी लंबे समय तक टॉक ऑफ द टाउन बना हुआ था. दोनों के रिश्ते की खूब चर्चा हुई थी. हालांकि, एक्ट्रेस ने इस लिंकअप के बारे में बात करते हुए इसे महज अफवाह करार दिया था.

'केदारनाथ' फेम एक्ट्रेस ने करीना कपूर के टॉक शो 'व्हाट वुमन वॉन्ट' पर शिरकत करने के दौरान मॉडर्न लव पर बात की थी. बेबो ने उनसे बदलते मॉडर्न लव के कांसेप्ट पर उनसे उनकी राय मांगते हुए पूछा था कि वो अपनी लव लाइफ से क्या चाहती हैं. सारा ने बेबो को बताया था कि वो ओल्ड स्कूल लव में यकीन करती हैं. वो आज भी चीटिंग और वन नाइट स्टैंड जैसे कॉन्सेप्ट से काफी दूर हैं. सारा अली खान आज भी पुराने दौर के प्यार की तलाश में हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेसेस का अक्सर किसी न किसी के साथ नाम जुड़ता रहता है. कभी किसी हीरो तो कभी क्रिकेटर और कभी बिजनेसमैन संग उनके रिलेशनशिप की खबरें सामने आती रहती हैं. बॉलीवुड की शहजादी सारा अली खान का नाम उनके हीरो से लेकर भारतीय टीम के क्रिकेटर के साथ भी जुड़ चुका है. सारा अली खान वर्क फ्रंट पर काफी सफलता हासिल कर चुकी हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 29 साल की एक्ट्रेस 41 करोड़ की मालकिन हैं, लेकिन निजी जिंदगी में उन्हें आज भी प्यार की तलाश है.

सारा अली खान ने साल 2018 में अभिषेक कपूर के निर्देशन में बनी फिल्म 'केदारनाथ' से डेब्यू किया था. केदारनाथ में आई प्राकृतिक आपदा (नेचुरल डिजास्टर) पर बनी इस फिल्म में सारा अली खान ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था.

फिल्म 'केदारनाथ' में सारा अली खान के अपोजिट सुशांत सिंह राजपूत दिखे थे. दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था. फिल्म की रिलीज के बाद बॉलीवुड के गलियारों में सुशांत सिंह राजपूत और सारा अली खान की डेटिंग की ख़बरों ने भी खूब जोर पकड़ा था. हालांकि कपल की तरफ से इसपर कभी कोई टिप्पणी नहीं की गई थी.

स्त्री-2 के कोरियोग्राफर जानी मास्टर से नेशनल अवॉर्ड छीना गया

नाबालिग असिस्टेंट से रेप के आरोपी जानी मास्टर से बेस्ट कोरियोग्राफर का नेशनल अवॉर्ड छीन लिया गया है। मिनिस्ट्री ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग ने रविवार को इसकी जानकारी दी। जानी के खिलाफ उनकी असिस्टेंट रही लड़की ने 15 सितंबर को तेलंगाना के साइबराबाद रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज करवाई थी।

जानी मास्टर को साल 2022 में रिलीज हुई धनुष की फिल्म 'तिरुचित्रम्बालम' के गाने 'मेघम करुकथा' का डांस कोरियोग्राफ करने के लिए नेशनल अवॉर्ड दिया गया था। इस गाने को उन्होंने सतीश कृष्णन के साथ कोरियोग्राफ किया था। उन्होंने स्त्री-2 के गाने 'आई नहीं' और पुष्पा के गाने 'श्रीवल्ली' को भी कोरियाग्राफ किया है।

असिस्टेंट का आरोप- जब 16 साल की थी, तब से यौन शोषण कर रहे

जानी मास्टर के खिलाफ केस दर्ज कराने वाली लड़की का आरोप कि उन्होंने चेन्नई, मुंबई और हैदराबाद में अलग-अलग प्रोजेक्ट्स की शूटिंग के दौरान उसका यौन शोषण किया। साथ ही हैदराबाद स्थित अपने घर पर भी उसे कई बार एब्यूज किया। लड़की ने अपनी शिकायत में बताया कि साल 2017 में एक इवेंट में उसकी मुलाकात जानी मास्टर से हुई थी। दो साल बाद जानी ने उसे अपनी असिस्टेंट कोरियोग्राफर की जॉब ऑफर की, जो उसने मंजूर कर ली। इसके बाद मुंबई में हुए एक शो के दौरान जानी ने होटल में उसे सेक्शुअली हैरेस किया। लड़की का आरोप है कि इसके बाद जानी लगातार डरा-धमकाकर उसका शोषण करते रहे। वे उस पर लगातार शादी का दबाव बना रहे थे। इतना ही नहीं, वे एक बार उसे अपने घर भी ले गए जहां जानी और उनकी पत्नी (आयशा) ने उसके साथ मारपीट की।

जानी ने 8 अक्टूबर को होने वाली नेशनल अवॉर्ड सेरेमनी के लिए बेल मांगी थी। कोर्ट ने कोरियोग्राफर को 6 से 10 अक्टूबर तक की बेल दी है। इसी बीच मिनिस्ट्री ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग के नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेल ने जानी का अवॉर्ड सेरेमनी में इन्विटेशन सस्पेंड करने का ऐलान कर दिया।

पुलिस पूछताछ में जानी ने कबूला था गुनाह

जानी पर इसी साल सितंबर में उनकी ही 21 साल की असिस्टेंट कोरियोग्राफर ने सेक्शुअल हैरेसमेंट का केस दर्ज करवाया था। असिस्टेंट का आरोप था कि जानी बीते कई सालों से उसका शोषण कर रहे हैं। इसके बाद 19 सितंबर को साइबराबाद पुलिस ने जानी को गोवा से गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान जानी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया था।

सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोप लगने के बाद जानी को तेलुगु फिल्म चेंबर ऑफ कॉमर्स से सस्पेंड कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें वर्कर्स यूनियन से भी हटा दिया गया है।

हार्दिक से तलाक के बाद काम पर लौटीं नताशा स्टेनकोविक

एक्स हसबैंड और क्रिकेटर हार्दिक पांड्या से अलग होने के बाद एक्ट्रेस और मॉडल नताशा स्टेनकोविक काम पर लौट आई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने नए गाने 'तेरे करके' की अनाउंसमेंट की है। अपने इस अपकमिंग ट्रैक का पोस्टर शेयर करते हुए नताशा ने कैप्शन में लिखा, धुन पर थिरकने के लिए तैयार हो जाइए।'

नताशा के कमबैक पर खुश हुए फैंस

नताशा के इस कमबैक पोस्ट पर यूजर्स ने खूब कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा, 'नताशा अपने बच्चे के लिए काम पर लौटी हैं। स्ट्रॉन्ग वुमन।' वहीं एक और यूजर ने लिखा, 'मां मातृत्व है।'

क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविक ने 18 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपना सेपरेशन अनाउंस किया था। कपल ने ज्वॉइंट स्टेटमेंट जारी कर बताया था कि वो आपसी सहमति से अलग हो रहे हैं और ये फैसला उनके लिए बेहतर होगा।

तलाक की अनाउंसमेंट करने के बाद नताशा अपने होमटाउन सर्बिया चली गई थीं और हार्दिक क्रिकेट में बिजी हो गए थे। कपल अलग होने के बाद भी मिलकर अपने बेटे अगस्त्य की परवरिश कर रहे हैं।

मामा गोविंदा के कैरेक्टर में दिखे कृष्णा अभिषेक कपिल शर्मा से कही ये बात

फेमस कॉमेडियन कपिल शर्मा के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का दूसरा सीजन ओटीटी पर धमाल मचा रहा है. कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, सुनील ग्रोवर, अर्चना पूरन सिंह और राजीव ठाकुर भी शो का हिस्सा हैं. बीते शनिवार को शो का लेटेस्ट एपिसोड रिलीज हुआ और अब अगले एपिसोड में कपूर सिस्टर्स यानी करीना कपूर और करिश्मा कपूर मेहमान बनकर पहुंचेंगी. वहीं, इस बार शो में कृष्णा अभिषेक मामा गोविंदा के कैरेक्टर में नजर आएंगे, जिसकी झलक प्रोमो में देखने को मिली.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का प्रोमो वायरल है, जिसमें कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक मामा गोविंदा के 'राजा बाबू' वाले लुक में नजर आ रहे हैं. कपिल कहते हैं, 'ध्यान सेकहीं ओरिजनल वाले न देख लें'. इस पर कृष्णा कहते हैं, 'मैं गाली खाऊंगा घर में आज.' ये सुनकर करिश्मा कपूर हंसने लगती हैं.

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में नजर नहीं आईं सुनीता?

कृष्णा अभिषेक और गोविंदा के बीच रिश्ता पिछले कई सालों से ठीक नहीं है. हाल ही में एक इंटरव्यू में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने खुलासा किया कि उनकी कृष्णा और कश्मीरा शाह के साथ अच्छी बनती नहीं है. सुनीता ने बताया कि पारिवारिक झगड़ा ही एक बड़ा कारण है कि वह 'द कपिल शर्मा शो' के नेटफ्लिक्स वर्जन में नजर नहीं आईं.

मामी सुनीता के बयान पर कृष्णा ने किया था रिएक्ट

इसके बाद कृष्णा अभिषेक ने एचटी को दिए इंटरव्यू में मामी सुनीता के बयान पर रिएक्ट किया. उन्होंने कहा कि वह अपनी मामी से बहुत प्यार करते हैं और उनसे सुलह कर लेंगे. कृष्णा अभिषेक ने कहा, 'मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं. मामी ने हमेशा मुझे अपने बच्चे की तरह प्यार किया है. उन्होंने मेरे लिए बहुत कुछ किया है. उन्हें मुझसे नाराज होने का पूरा हक है. मुझे पता है कि वह गुस्से में सब कुछ कहती हैं. मैं उन्हें मना लूंगा, वह मेरी मामी हैं.'

मामा गोविंदा से मिलने नहीं पहुंचे कृष्णा अभिषेक

मालूम हो कि हाल ही में गोविंदा अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से गलती से गोली चलने की वजह से घायल हो गए थे. उन्हें मुंबई में एक हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था. गोविंदा के घुटने के नीचे चोट लगी थी. उस दौरान कश्मीरा शाह ने पारिवारिक मतभेद को भुलाकर पति कृष्णा अभिषेक के मामा गोविंदा से अस्पताल में मुलाकात की थी. हालांकि, कृष्णा अपने मामा गोविंदा से नहीं मिल पाए थे क्योंकि वह उस वक्त वह विदेश में थे. बहरहाल, गोविंदा अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अपने घर पहुंच गए हैं.

अंधाधुन क्राइम थ्रिलर का सीक्वल बनेगा?

फिल्म इंडस्ट्री में सीक्वल और रीमेक फिल्मों का दौर चल रहा है. कोई भी फिल्म सुपरहिट या ब्लॉकबस्टर हो रही है, मेकर्स तुरंत उस पर दांव लगा रहे हैं. बीते कुछ दिनों से साल 2018 की क्राइम थ्रिलर 'अंधाधुन' के सीक्वल की चर्चा चल रही है. यह एक कल्ट क्राइम थ्रिलर फिल्म है.

'अंधाधुन' के हाल में ही 6 साल पूरे हुए हैं. निर्देशक श्रीराम राघवन से पूछा गया कि क्या वह इसका सीक्वल बनाने का प्लान कर रहे है. उन्होंने टाइम्स नाउ को बताया कि उन्हें पता है कि ऑडियंस को यह फिल्म पसंद है और वे इससे जुड़े हुए हैं.

अंधाधुन सीक्वल के बारे में आगे बात करते हुए श्रीराम राघवन ने कहा कि वह 'अंधाधुन' बनाने की संभावना से इनकार नहीं कर रहे हैं. उन्होंने कहा, "आज, जब यह 6 साल पूरे कर रही है, तो 'अंधाधुन' टीम के दोबारा साथ काम करने का सही समय होगा. अगर हमें सीक्वल के लिए सही कहानी मिल जाती है, तो क्यों नहीं बना सकते?"

श्रीराम राघवन 'अंधाधुन' के सीक्वल में नहीं करना चाहते जल्दबाजी

श्रीराम रामघवन ने आगे कहा, "हालांकि, हम सिर्फ़ काम चलाने के लिए सीक्वल नहीं बना सकते. अगर हम ऐसा करते हैं, तो जो फैंस अब सीक्वल की मांग कर रहे हैं, वे हमें निराश करने के लिए दोषी ठहराएंगे. 'अंधाधुन' अब एक कल्ट फ़िल्म बन चुकी है. हमें इसकी रिस्पेक्ट करनी चाहिए और 'अंधाधुन का बाप' या ऐसा कुछ भी करने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए." श्रीराम राघवन से यह भी पूछा गया कि 'अंधाधुन' उनकी सिग्नेचर मूवी बन गई है या नहीं. निर्देशक ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई है, लेकिन उन्हें अपनी 2024 में रिलीज होने वाली फिल्म 'मेरी क्रिसमस' पर भी गर्व है, जिसमें कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं. उन्हें उम्मीद है कि उनकी अगली रिलीज 'इक्कीस' को भी उतना ही प्यार मिलेगा. इस फिल्म में 'द आर्चीज' स्टार अगस्त्य नंदा हैं.

श्रद्धा कपूर जरा भी नहीं संभाल पाईं भारी-भरकम लहंगा, रैंप पर चलते हुए लड़खड़ाए पांव

श्रद्धा कपूर ने शनिवार को रैंप वॉक किया, जिसका वीडियो हर तरफ तेजी से वायरल हो गया है। श्रद्धा के रैंप वॉक ने हर किसी का ध्यान खींचा लेकिन उनकी चाल से फैंस को ऐतराज भी हुआ। एक्ट्रेस अपनी ड्रेस में ठीक से चल नहीं पा रही थीं और लोगों को ये बाद पसंद नहीं आई।

श्रद्धा कपूर ने शनिवार को नई दिल्ली में रैंप वॉक किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके कई वीडियोज और फोटोज सामने आईं। हालांकि, फैंस ने देखा कि भले ही वह खूबसूरत लग रही थीं, लेकिन वह रैंप पर ठीक से नहीं चल पा रही थीं। इस दौरान श्रद्धा ने बीडवर्क और कढ़ाई वाला क्रीम कलर का लहंगा पहना था। एक पपाराजी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें श्रद्धा रैंप वॉक कर रही हैं, फिर वो मुस्कुराती हैं और अलग-अलग पोज देती हैं लेकिन जिस बाक पर लोगों ने ध्यान दिया वो कुछ और ही थी।

श्रद्धा कपूर वॉक करते वक्त लड़खड़ा रही थीं और साफ दिख रहा है कि उन्हें चलने में दिक्कत हो रही है। इस पर रिएक्शन देते हुए एक यूजर ने कहा- वह हमेशा की तरह शानदार लग रही हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्हें उस लहंगे में चलने में दिक्कत हो रही है। एक ने लिखा- उस ड्रेस में या शायद उनके जूते में कुछ अजीब है। वो चल नहीं पा रहीं। एक फैन ने कहा- जिस तरह से उन्होंने 20 किलो का लहंगा संभाला है, वो कमाल है।

लोगों को श्रद्धा के लिए लगा बुरा

एक इंस्टाग्राम यूजर ने कहा- वह आराम से चल नहीं पा रहीं, उनके चेहरे के हाव-भाव सब कुछ बयां कर रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा- उन्होंने रैंप पर डांस किया था लेकिन समस्या लहंगे में है, यह नीचे से भारी है और उन्होंने इसके लिए प्रैक्टिस नहीं की। एक फैन ने कहा- मुझे लगता है कि उनका लहंगा भारी है इसलिए वह ठीक से चल नहीं पा रहीं लेकिन वो खूबसूरत लग रही हैं।

'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस

श्रद्धा फिलहाल 'स्त्री 2' की सफलता को एंजॉय कर रही हैं, जिसमें राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और पंकज त्रिपाठी भी हैं। इस फिल्म ने शाहरुख खान की फिल्म जवान के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ते हुए भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनकर इतिहास रच दिया।

'तनु वेड्स मनु-3' में ट्रिपल रोल कर सकती हैं कंगना

कंगना रनोट और आर माधवन की फिल्म 'तनु वेड्स मनु' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' को लोगों ने खूब पसंद किया था। फैंस को इस फिल्म के तीसरे पार्ट का काफी बेसब्री से इंतजार है। अब खबर है कि डायरेक्टर आनंद एल राय ने राइटर हिमांशु शर्मा के साथ मिलकर फिल्म की स्क्रिप्ट को पूरा कर लिया है। खास बात यह है कि फिल्म में इस बार कंगना रनोट ट्रिपल रोल में नजर आ सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'फिल्म के पहले और दूसरे पार्ट के एंड से 'तनु वेड्स मनु 3' की शुरुआत होगी। लोगों को इस बार फिल्म में रोमांस और ड्रामा के साथ-साथ ह्यूमर भी भरपूर देखने को मिलेगा। इसके अलावा मेकर्स ने जो कहानी लिखी है उसमें पहले और दूसरे पार्ट का सही मतलब समझाया जाएगा।

ट्रिपल रोल में नजर आएंगी कंगना रनोट!

खबरों की मानें तो इस फिल्म में कंगना रनोट ट्रिपल रोल में नजर आ सकती हैं। एक बार फिर आर माधवन संग इनकी जोड़ी बनती दिखेगी। अगर ऐसा हुआ तो ये कंगना के करियर की ऐसी पहली फिल्म होगी जिसमें वो ट्रिपल रोल में दिखेंगी। जबकि 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' में कंगना डबल रोल में नजर आई थीं।

2025 में फिल्म की शूटिंग होगी शुरू

कहा जा रहा है कि 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग 2025 के मिड से शुरू हो सकती है। जबकि इसे 2026 में रिलीज करने की प्लानिंग है।

फिर से नहीं बनना मनु- आर माधवन

साल 2022 में एक इंटरव्यू के दौरान आर माधवन ने 'तनु वेड्स मनु' की अगली फिल्म का हिस्सा बनने से इनकार किया था। एक्टर का कहना था कि इस फिल्म को लेकर उन्हें जो करना था वह कर चुके हैं और अब फिर से मनु बनना नहीं चाहते।

बता दें, आनंद एल राय के निर्देशन में बनी फिल्म 'तनु वेड्स मनु' साल 2011 में रिलीज हुई थी। चार साल बाद यानी 2015 में फिल्म का दूसरा पार्ट आया था, जिसका नाम 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' था। ये दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

बिग बॉस 18' का हिस्सा नहीं होंगी निया शर्मा

निया ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'सॉरी उन सभी फैंस और शुभचिंतकों को जिन्हें मैंने निराश किया। आपका सपोर्ट देखकर मुझे हमेशा खुशी मिलती है। आपके प्यार और पागलपन ने मुझे लगभग घर के अंदर जाने के लिए मजबूर कर दिया था।

आपने मुझे महसूस करवाया कि मैंने बीते 14 साल में क्या कमाया है। मैं नहीं कहूंगी कि मैंने इस अटेंशन को एंजॉय नहीं किया पर प्लीज मुझे दोष मत दीजिए। यह मैं नहीं थी।' हालांकि, अभी इस मामले में एक और ट्विस्ट है। जहां निया ने BB18 का हिस्सा ना होना कन्फर्म किया है। वहीं बिग बॉस तक के मुताबिक, निया शो में कुछ दिनों के लिए बतौर गेस्ट एंट्री लेंगी। इन दोनों ही खबरों के सामने आने के बाद कुछ यूजर्स ने जहां निया को ट्रोल किया, वहीं कुछ ने एक्ट्रेस को समझदार बताया है।

'गरबा' के लिए स्टाइल टिप्स

आइडियाज बताने जा रहे हैं जो आपकी लुक को चार चांद तो लगाएंगे ही, साथ ही इनमें सज कर आप आरामदायक भी महसूस करेंगी।

अनारकली कुर्ती विद स्कर्ट यह परिधान एक एलिगेंट और कम्फर्टेबल ऑप्शन है। भारी लहंगे के बजाय आप एक डिजाइनर स्कर्ट के साथ लंबी अनारकली कुर्ती पहन सकती हैं। अनारकली कुर्ती में गोल्डन या सिल्वर जरी वर्क का चुनाव करें, जो आपको रॉयल लुक देगी। स्कर्ट का रंग कंट्रास्ट रखें ताकि परिधान ज्यादा आकर्षक लगे।

प्लाजो विद लॉन्ग जैकेट

फ्री मूवमेंट के लिए प्लाजो के साथ लॉन्ग जैकेट पहन सकती हैं, जो आपको आराम के साथ-साथ स्टाइलिश लुक देगी। जैकेट में मिरर वर्क या कढ़ाई चुनें ताकि आपकी लुक गरबा के थीम से मेल खाए। प्लाजो को थोड़ा फ्लोई रखें ताकि आप आसानी से डांस कर सकें। एक्सेसरीज में ऑक्सीडाइज्ड ज्यूलरी और चाद बाली पहनें।

कुर्ती विद पैचवर्क जैकेट

सिम्पल कुर्ती के साथ अगर आप पैचवर्क या मिरर वर्क जैकेट पहनती हैं, तो आपकी लुक पारम्परिक और मॉडर्न दोनों होगी। कुर्ती और जैकेट में कन्ट्रास्टिंग कलर का चुनाव करें। जैकेट को स्लीवलैस रखें और कुती को फ्लोई ताकि यह मूवमेंट में आरामदायक रहे।

घाघरा चोली घाघरा चोली गरबा और डांडिया का सबसे पारंपरिक परिधान है। आप ब्राइट और वाइब्रेंट रंगों जैसे पीला, नारंगी, गुलाबी और लाल चुन सकती है।

हैवी एम्ब्रॉइडरी या मिरर वर्क वाले घाघरे चोली का चुनाव करें, जो फैस्टिव लुक देगी।

डांस के दौरान आराम के लिए हल्का, फ्लोई फैब्रिक चुनें, जैसे कॉटन, सिल्क, या जॉर्जेट। ब्लाऊज को डीप नैक या बैकलैस डिजाइन में ट्राई करें, जिससे एक ट्रेंडी लुक मिलेगी।

धोती पैंट विद शॉर्ट कुर्ती धोती पैंट और शॉर्ट कुर्ती का कॉम्बिनेशन ट्रैडिशनल के साथ-साथ मॉडर्न लुक देता है। कुर्ती में हल्का मिरर वर्क या गोटा पट्टी वर्क चुनें।धोती पैंट के साथ भारी एम्ब्रॉइडरी बैल्ट लगाएं, ताकि फैस्टिव लुक निखरकर आए। इसके साथ स्टाइलिश जूतियां या कोल्हापुरी चप्पल ही बैस्ट रहेगी।

एक्सैसरीज के लिए टिप्स

- बड़े झुमके और चूड़ियों के बिना गरबा लुक अधूरी है। ब्राइट और शाइनी झुमके तथा चूड़ियां पहनें।
- पारम्परिक मांग टीका या माथा पट्टी आपकी लुक को निखार देगी।
- एथनिक पायल और कमरबंद पहनकर लुक को कम्प्लीट करें।
- गरबा और डांडिया के दौरान ऑक्सी डाइज्ड ज्यूलरी सबसे ज्यादा चलन में रहती है।

शरारा सूट

शरारा सूट गरबा के लिए एक शानदार और ट्रेंडी परिधान हो सकता है। यह आरामदायक होते हुए भी ग्लैमरस दिखता है। शरारा सूट में मल्टीकलर या फिर मिरर वर्क चुनें। टॉप को थोड़ा हैवी रखें और शरारा पैंट को फ्लोई ताकि आपकी लुक बैलेंस्ड रहे। इसके साथ झुमके या चांद बाली पहनें ताकि लुक में ट्रैडिशनल टच आए।

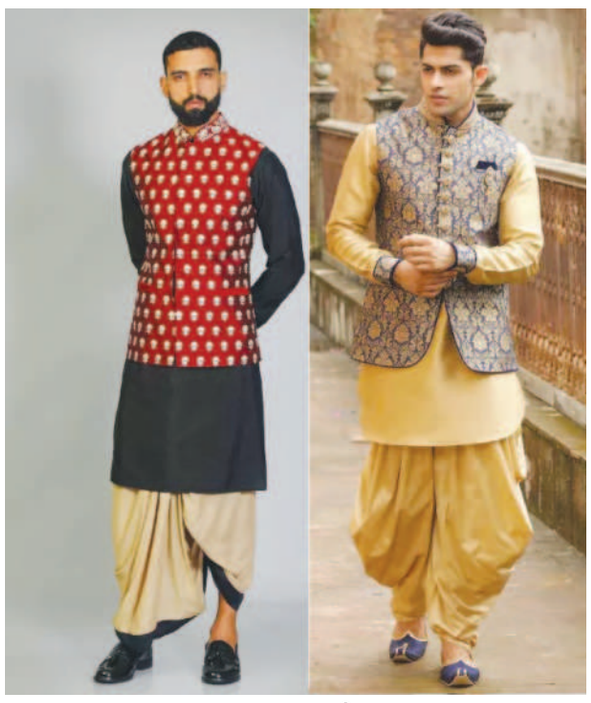

फ्यूजन आऊटफिट

आप फ्यूजन लुक में वैस्टर्न और ट्रैडिशनल को मिक्स करके पहन सकती हैं। जैसे क्रॉप टॉप के साथ लॉन्ग स्कर्ट या प्लाजो पैंट। इंडो-वैस्टर्न टॉप के साथ सिल्क या कॉटन की स्कर्ट पहनें। वैस्टर्न आऊटफिट में थोडा ट्रैडिशनल एक्सेसरीज जैसे बड़े झुमके, मांग टीका और बैंगल्स ऐड करें।

ओएनजीसी में अपरेंटिस के 2236 पदों पर भर्ती

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अपरेंटिस पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक उम्मीदवार ओएनजीसी की आधिकारिक वेबसाइट ongcindia.com. के माध्यम से इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

नोट कर लें ये तिथियां

इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 25 अक्तूबर तक अपना आवेदन पत्र भरकर जमा कर सकते हैं। परिणाम 15 नवंबर को घोषित किया जाएगा।

आवेदन आरंभ होने की तिथिः 5 अक्तूबर, 2024
आवेदन की अंतिम तिथिः 25 अक्तूबर, 2024
परिणाम तिथि/ चयनः 15 नवंबर, 2024

ओएनजीसी इस भर्ती अभियान के माध्यम से ट्रेड और ग्रेजुएट अपरेंटिस के 2237 पदों को भरेगा। क्षेत्रवार रिक्ति विवरण निम्न प्रकार है:

उत्तरी क्षेत्रः 161 पद
मुंबई सेक्टरः 310 पद
पश्चिमी क्षेत्रः 547 पद
पूर्वी क्षेत्रः 583 पद
दक्षिणी क्षेत्रः 335 पद
केंद्रीय क्षेत्रः 249 पद

पात्रता मानदंड

अभ्यर्थी की आयु सीमा 25.10.2024 तक 18 से 24 वर्ष के मध्य होनी चाहिए, अर्थात अभ्यर्थी/आवेदक की जन्मतिथि 25.10.2000 से 25.10.2006 के मध्य होनी चाहिए। आवेदन करने के लिए उम्मीदवार के पास संबंधित ट्रेड में आईटीआई, संबंधित स्ट्रीम में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। विस्तृत विवरण के लिए आधिकारिक अधिसूचना देखें।

चयन प्रक्रिया

चयन विज्ञापन में निर्धारित योग्यता परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की गई मेरिट के आधार पर होगा। समान संख्या में मेरिट होने पर, अधिक आयु वाले व्यक्ति पर विचार किया जाएगा। एक निश्चित तिथि पर ज्वाइन करने से पहले मूल दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा।

गरबा नाइट में पसीना भी खराब नहीं कर पाएगा मेकअप, फॉलो करें टिप्स

शारदीय नवरात्रि में माता के आगमन से तो श्रद्धालुओं के मन में उत्साह बना ही हुआ है, साथ ही साथ डांडिया और गरबा नाइट को लेकर भी लोग काफी उत्साहित हैं। नवरात्रि के शुरू होने से पहले ही लोग गरबा और डांडिया नाइट की तैयारियां शुरू कर देते हैं।

अगर आप भी गरबा नाइट का हिस्सा बनने जा रही हैं, तो हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ अलग खास टिप्स, जिससे आप अपने गरबा लुक को और भी आकर्षक बना सकती हैं। इन टिप्स को फॉलो करके आप चाहे जितना डांस करें, पसीना भी आपके मेकअप का कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। आइए आपको भी इन 7 मेकअप टिप्स के बारे में बताते हैं।

प्राइमर का करें इस्तेमाल

डांस करते समय पसीना आना तो आम बात है। हम पसीने को नहीं रोक सकते और न ही डांस करना बंद कर सकते हैं। तो इसके लिए मेकअप करने से पहले अपनी स्किन पर प्राइमर का इस्तेमाल जरूर करें। ताकि डांस करते समय आपका पसीना आपके फाउंडेशन से मिक्स होकर उसको ग्रे न करे।

लाइट बेस का इस्तेमाल करें

अगर आप उन लोगों मे से हैं जिनको पसीना ज्यादा आता है तो इसके लिए आप लाइट बेस का इस्तेमाल करें इससे आपका मेकअप लम्बे समय तक टिका रहेगा।

वाटर प्रूफ काजल

आंखों के लिए वाटर प्रूफ काजल, मस्कारा और लाइनर का इस्तेमाल करें। इससे काजल मस्कारा और लाइनर के फैलने की संभावना कम हो जाती हैं।

मैट लिपस्टिक

मैट लिपस्टिक का इस्तेमाल करें। एक तो यह फैलती नहीं है और दूसरा यह लंबे समय तक टिकी रहती है। मैट लिपस्टिक में काफी ज्यादा समय तक शाइन बनी रहती है, ऐसे में इसी का इस्तेमाल गरबा नाइट के दौरान करें।

ऑयल फ्री मेकअप

मेकअप के लिए आप जिन भी प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर रहे हैं, ध्यान रखें कि वो सभी ऑयल फ्री और वॉटर प्रूफ हों। ऑयल फ्री और वाटर प्रूफ प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है।

सेटिंग पाउडर

पसीने को रोकने के लिए आप सेटिंग पाउडर का इस्तेमाल करें। इससे मेकअप लंबे समय तक जस का तस बना रहता है और मेकअप केकी भी नहीं लगता।

शीर आईशैडो

शीर आईशैडो आपके आई लुक को और निखारेगा। इससे आपका आईशैडो पैची भी नहीं होगा और आपकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे।

सेटिंग स्प्रे

मेकअप होने के बाद अंतिम में सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करना ना भूलें। यह आपके मेकअप को फिक्स कर देगा, जिससे मेकअप ज्यादा समय तक टिका रहेगा।

आज मां स्कंदमाता को भोग में अर्पित करें केले की खीर

शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई है, जिसकी धूम आपको लोगों के घरों से लेकर बाजारों तक में दिखाई दे रही है। नवरात्रि के नौ दिन लोग मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करते हैं और उन्हें प्रसन्न करने के लिए उनका पसंदीदा भोग लगाते हैं।

ऐसी मान्यता है कि यदि आप माता रानी के प्रिय पकवान को भोग उन्हें लगाएंगे, तो आपकी हर मनोकामना पूरी होगी। ऐसे में आज हम आपको मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप मां स्कंदमाता के पसंदीदा भोग के बारे में बताने जा रहे हैं। मां स्कंदमाता को केले से बने पकवानों का भोग लगाना काफी शुभ माना जाता है। ऐसे में आज हम आपको केले की खीर बनाना सिखाएंगे, ताकि आप भी माता रानी को प्रसन्न कर सकें।

केले की खीर बनाने का सामान
4 पके हुए केले
1 लीटर दूध
1/2 कप चीनी
1/4 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
10-12 काजू (बारीक कटे हुए)
10-12 बादाम (बारीक कटे हुए)
1 चम्मच घी

विधि : केले की खीर बनाने के लिए सबसे पहले केले को छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें। आप चाहें केले को मैश भी सकते हैं, ताकि खीर में मलाईदार टेक्सचर आए। केले को मैश करने के बाद एक गहरे पैन में दूध डालकर उसे मध्यम आंच पर गरम करें।

जब दूध में उबाल आ जाए तो उसमें एक चुटकी इलायची पाउडर डाल दें। इसके बाद एक छोटे पैन में घी गरम करें और उसमें काजू और बादाम को हल्का सुनहरा होने तक भून लें। मेवा को अलग रख दें, इसका इस्तेमाल आखिर में करना है।

अब जो दूध उबल रहा है उसमें मैश किए हुए केले डालें और इसे धीमी आंच पर पकाएं। इसे लगातार चलाते रहें ताकि केले और दूध अच्छी तरह मिल जाएं। जब केले अच्छी तरह पक जाएं, तब उसमें चीनी डालकर उसे घुलने दें। फिर भुने हुए ड्राई फ्रूट्स डालें और थोड़ी देर और पकाएं। खीर गाढ़ी होने पर गैस बंद कर दें। अब आप इसका भोग लगा सकते हैं।

आरआरबी तकनीशियन भर्ती के लिए फिर से खुल गई पंजीकरण विंडो, 16 अक्तूबर से पहले करें आवेदन

रेलवे भर्ती बोर्ड ने आज, 2 अक्तूबर को आरआरबी तकनीशियन भर्ती के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को फिर से शुरू कर दिया। भर्ती बोर्ड ने आरआरबी तकनीशियन भर्ती के लिए पंजीकरण विंडो फिर से खोल दी है। जो उम्मीदवार तकनीशियन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं, वे आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट rrbapply.gov.in. पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

इतने पदों पर होनी है भर्ती

इस भर्ती अभियान के तहत संगठन में 14,298 तकनीशियन पदों को भरा जाएगा। इससे पहले, ओपन लाइन (17 श्रेणियों) के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या 9144 थी, जिसे क्षेत्रीय रेलवे/उत्पादन इकाइयों से अतिरिक्त मांग प्राप्त होने के बाद आरआरबी ने बढ़ाकर 14298 कर दिया था।

तकनीशियन पदों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 अक्तूबर, 2024 तक है। संशोधन विंडो 17 अक्तूबर को खुलेगी और 21 अक्तूबर, 2024 को बंद होगी।

उम्मीदवार प्रत्येक संशोधन के लिए 250 रुपये का भुगतान करके आवेदन पत्र में बदलाव कर सकते हैं। मौजूदा और नए उम्मीदवारों दोनों के लिए मौजूदा आवेदन डेटा/नए आवेदन प्रस्तुत करने के तौर-तरीकों/प्रक्रियाओं के बारे में एक अलग नोटिस प्रकाशित किया जाएगा। मौजूदा उम्मीदवारों को आरआरबी का विकल्प बदलने, क्षेत्रीय रेलवे/पीयू के लिए वरीयता और सभी लागू तकनीशियन ग्रेड III श्रेणी के पदों के लिए वरीयता बदलने का अवसर भी दिया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों ने पिछली विंडो के दौरान आवेदन किया था और आवेदन शुल्क का भुगतान किया था, उन्हें मौजूदा उम्मीदवार माना जाएगा। उन्हें इस विंडो के दौरान कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। अधिक संबंधित जानकारी के लिए उम्मीदवार आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं।

आरआरबी तकनीशियन भर्ती के लिए आवेदन कैसे करें?

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों का पालन कर सकते हैं:

आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट rrbapply.gov.in. पर जाएं।

आवेदन लिंक पर क्लिक करें और अपना पंजीकरण करें।

एक बार हो जाने पर, खाते में लॉगिन करें।

आवेदन पत्र भरें और आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

सबमिट पर क्लिक करें और पुष्टिकरण पृष्ठ डाउनलोड करें।

आगे की आवश्यकता के लिए इसकी एक हार्ड कॉपी अपने पास रखें।

इस साल एसबीआई में 10 हजार पदों पर भर्ती का मौका कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रहा है बैंक

देश का सबसे बड़ा ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (SBI) अपनी सामान्य बैंकिंग आवश्यकता को पूरा करने और अपनी तकनीकी क्षमता को बढ़ावा देने के लिए चालू वित्त वर्ष के दौरान लगभग 10,000 नए कर्मचारियों की भर्ती करने का इरादा रखता है। बैंक ने निर्बाध ग्राहक सेवा प्रदान करने के साथ-साथ अपने डिजिटल चैनलों की लचीलापन को मजबूत करने के लिए प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण निवेश किया है। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने एक साक्षात्कार में बताया, हम अपने कार्यबल को प्रौद्योगिकी के साथ-साथ सामान्य बैंकिंग पक्ष दोनों पर मजबूत कर रहे हैं। हमने हाल ही में प्रवेश स्तर और थोड़े उच्च स्तर पर लगभग 1,500 प्रौद्योगिकी लोगों की भर्ती की घोषणा की है।

उन्होंने कहा, हमारी प्रौद्योगिकी भर्ती डेटा वैज्ञानिकों, डेटा आर्किटेक्ट्स, नेटवर्क ऑपरेटरों आदि जैसे विशेष नौकरियों पर भी है। हम उन्हें प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की नौकरियों के लिए भर्ती कर रहे हैं... तो, कुल मिलाकर, हमारी वर्तमान वर्ष की आवश्यकता लगभग 8,000 होगी 10,000 लोगों को विशिष्ट और सामान्य दोनों पक्षों में जोड़ा जाएगा। मार्च 2024 तक बैंक के कर्मचारियों की कुल संख्या 2,32,296 थी। इसमें से 1,10,116 अधिकारी पिछले वित्त

वर्ष के अंत में बैंक के रोल पर थे। क्षमता निर्माण के बारे में पूछे जाने पर, सेट्टी ने कहा, यह निरंतर अभ्यास है और बैंक ग्राहकों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा कर्मचारियों की रीस्किलिंग और अपस्किलिंग करता है।

उन्होंने कहा, ग्राहकों की अपेक्षाएं बदल रही हैं, प्रौद्योगिकी बदल रही है, डिजिटलीकरण को व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। इसलिए, हम सभी स्तरों पर अपने कर्मचारियों को लगातार कुशल बना रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा, बैंक ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने और बेहतर बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में विशेष कौशल प्रदान करता है।

सेट्टी ने कहा, जहां तक नेटवर्क विस्तार का सवाल है। एसबीआई चालू वित्त वर्ष में देश भर में 600 शाखाएं खोलने की योजना बना रहा है। मार्च 2024 तक एसबीआई के पास देश भर में 22,542 शाखाओं का नेटवर्क है। उन्होंने कहा, हमारे पास मजबूत शाखा विस्तार योजनाएं हैं...यह मुख्य रूप से उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित होगी। कई आवासीय कॉलोनियां हमारे दायरे में नहीं हैं। चालू वर्ष में हम लगभग 600 शाखाएं खोलने की योजना बना रहे हैं।

विशाल शाखा नेटवर्क के अलावा, एसबीआई 65,000 एटीएम और 85,000 व्यापार संवाददाताओं के माध्यम से अपने ग्राहकों तक पहुंचता है।

उन्होंने कहा, हम लगभग 50 करोड़ ग्राहकों को सेवा प्रदान करते हैं और हमें यह कहते हुए गर्व होता है कि हम हर भारतीय और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हर भारतीय परिवार के बैंकर हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि उनका प्रयास एसबीआई को सर्वश्रेष्ठ बैंक में बदलना होगा, जो न केवल शेयरधारक के दृष्टिकोण से बल्कि एसबीआई के साथ काम करने वाले प्रत्येक हितधारक के दृष्टिकोण से भी सबसे मूल्यवान बैंक होगा।

उन्होंने कहा, यह मेरे ग्राहक हो सकते हैं, यह हमारे शेयरधारक हो सकते हैं, यह बड़ा पारिस्थितिकी तंत्र हो सकता है - समाज, संस्थागत ढांचा - सभी हितधारकों को यह कहना चाहिए कि यह निपटने के लिए सबसे अच्छा बैंक है।

कॉलेज के छात्रों के लिए हैं सरकार की ये पांच छात्रवृत्ति योजनाएं, कौन कर सकता है आवेदन

अगर आप कॉलेज के छात्र हैं और छात्रवृत्ति चाहते हैं, तो यह खबर आपके काम की है। यहां हमने पांच छात्रवृत्तियों के बारे में बताया है, जो सरकार द्वारा कॉलेज के छात्रों को दी जाती हैं। योग्य उम्मीदवार इन स्कीम्स का फायदा उठाकर अच्छी-खासी छात्रवृत्ति हासिल कर अपनी पढ़ाई को आसान कर सकते हैं।

सेंट्रल सेक्टर स्कीम ऑफ स्कॉलरशिप

कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले ऐसे मेधावी छात्र, जिन्होंने संबंधित स्ट्रीम में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 4.5 लाख रुपये से कम है, वे इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। इस योजना के तहत छात्र को स्नातक के प्रथम वर्ष से लेकर तीसरे वर्ष तक हर साल 12 हजार रुपये छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इसके अलावा, चौथे और पांचवें वर्ष में 20 हजार हर साल स्कॉलरशिप के रूप में मिलते हैं।

विद्यांजलि छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति नवोदय विद्यालयों के उन मेधावी छात्रों के लिए है, जिन्होंने अपनी हाईअर सेकेंडरी की पढ़ाई पूरी कर ली है और किसी कॉलेज या हाईअर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में प्रवेश लिया है। विद्यांजलि फाउंडेशन द्वारा सीएसआर फंड से ऐसे छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

ईशान उदय स्पेशल स्कॉलरशिप स्कीम

यूजीसी की यह स्कॉलरशिप पूर्वोत्तर क्षेत्र (NER) के उन छात्रों के लिए है जो समय-समय पर यूजीसी द्वारा निर्दिष्ट और अधिसूचित मान्यता प्राप्त यूजी डिग्री कार्यक्रमों का अनुसरण कर रहे हैं। यूजी डिग्री के प्रथम वर्ष के छात्र इसके लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

एआईसीटीई यशस्वी

इस छात्रवृत्ति के लिए वे छात्र आवेदन कर सकते हैं जो उम्मीदवार संबंधित वर्ष के किसी भी एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त संस्थान में डिग्री/डिप्लोमा स्तर के कोर्सेज के पहले वर्ष में प्रवेश लेते हैं। डिग्री स्तर के छात्रों को 18000 रुपये प्रतिवर्ष और डिप्लोमा स्तर के छात्रों को 12000 रुपये प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति दी जाती है।

प्रगति स्कॉलरशिप स्कीम

एआईसीटीई की इस छात्रवृत्ति योजना का लाभ डिग्री या डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों के प्रथम या द्वितीय वर्ष में प्रवेश लेने वाली छात्राएं ले सकती है। इस छात्रवृत्ति के लिए छात्राएं ही आवेदन कर सकती हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान उनके परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

गौतम अडानी कम करेंगे देश से पॉल्यूशन

शुरू किया सबसे बड़ा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। गौतम अडानी के अडानी ग्रुप ने देश से पॉल्यूशन को कम करने के लिए देश में सबसे बड़ा प्रोग्राम शुरू किया है। रिपोर्ट के अनुसार अडानी ग्रुप ने नेट जीरो पॉल्यूशन का टारगेट हासिल करने के लिए अहमदाबाद के कुछ हिस्सों में घरों में सप्लाई की जाने वाली पाइप नेचुरल गैस में ग्रीन हाइड्रोजन मिक्स करने का काम शुरू किया है। लिंक्डइन पर पोस्ट में कंपनी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि फ्रांस की ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज टोटलएनर्जीज के साथ ग्रुप की शहर गैस डिस्ट्रीब्यूशन यूनिट अडानी टोटल गैस लिमिटेड ने अहमदाबाद के शांतिग्राम में पाइप वाली नेचुरल गैस सप्लाई में 2.2-2.3 फीसदी ग्रीन हाइड्रोजन का मिश्रण करना शुरू कर दिया है।

पीएनजी में मिक्स किया ग्रीन हाइड्रोजन

स्वच्छ मार्गों के माध्यम से उत्पादित हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में डाला जाता है। कंपनी ने इलेक्ट्रोलाइसिस प्रोसेस के माध्यम से पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करने के लिए विंड या सोलर एनर्जी जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन शुरू किया है। इस हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस में मिलाया जाता है। इसकी आपूर्ति घरों में खाना पकाने के लिए और उद्योग को की जाती है। एटीजीएल ने बयान कहा कि हम अहमदाबाद के अडानी शांतिग्राम में अपने हाइड्रोजन मिश्रण प्रणाली के सफलता से शुरू होने की घोषणा करते हुए काफी रोमांचित हैं।

ग्रुप का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट

पोस्ट में कहा गया है कि यह परियोजना 4,000 घरेलू और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को निर्बाध हाइड्रोजन-मिश्रित प्राकृतिक गैस प्रदान करेगी। वर्तमान में, पब्लिक सेक्टर की बिजली उत्पादक एनटीपीसी गुजरात के सूरत जिले के कवास में घरों को ग्रीन हाइड्रोजन मिश्रित प्राकृतिक गैस की सप्लाई करती है। गेल (इंडिया) लिमिटेड भी मध्य प्रदेश के इंदौर में ग्रे हाइड्रोजन के साथ सीएनजी की सप्लाई के लिए एक छोटे पायलट प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। एटीजीएल की परियोजना अबतक की सबसे बड़ी है। कंपनी धीरे-धीरे प्राकृतिक गैस में हरित हाइड्रोजन मिश्रण को पांच फीसदी और अंततः आठ फीसदी तक बढ़ाएगी और शांतिग्राम से आगे अहमदाबाद के अन्य हिस्सों और अंततः अन्य क्षेत्रों में इसकी सप्लाई बढ़ाएगी।

पॉल्यूशन कम करने पर काम

एटीजीएल ने कहा कि यह उपलब्धि हमारे कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ ऊर्जा समाधान की ओर बढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस के साथ मिलाकर हम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम कर रहे हैं, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ा रहे हैं और सतत विकास का समर्थन कर रहे हैं।

एटीजीएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुरेश पी मंगलानी ने कहा कि कंपनी की यह अग्रणी पहल भारत के ऊर्जा परिदृश्य को कार्बन मुक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सोमवार से मंथन पर बैठेगी आरबीआई, क्या 9 अक्टूबर को कम होगी लोन ईएमआई?

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सोमवार से मॉनेटरी पॉलिसी की बैठक शुरू होने जा रही है। सितंबर के महीने में अमेरिकी फेड ने ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की थी। ऐसे सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि एमपीसी की तीन दिनों तक चलने वाली मीटिंग के बाद आरबीआई पॉलिसी रेट में कटौती करेगी? या फिर लगातार 10वीं बार ब्याज दरों को फ्रीज रखेगी।वैसे लगातार दो महीने से देश में महंगाई का आंकड़ा 4 फीसदी से नीचे देखने को मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर आरबीआई कई बार इस ओर इशारा कर रहा है कि पॉलिसी रेट में बदलाव देश की परिस्थितियों को देखकर किया जाएगा। ना कि दूसरे देशों को देखकर।

ऐसे में जानकारों का अनुमान है कि इस बार भी आरबीआई एमपीसी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। वैसे बीती दो मीटिंग में ब्याज दरों में कटौती की पैरवी करने वालों के हाथों में इजाफा हुआ है।जानकारों के अनुसार खुदरा महंगाई अब भी चिंता का विषय बनी हुई है, तथा पश्चिम एशिया संकट के और बिगड़ने की संभावना है, जिसका असर कच्चे तेल और कमोडिटी जिंस कीमतों पर पड़ेगा। इस महीने की शुरुआत में सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की दर-निर्धारण समिति – मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का पुनर्गठन किया। इसमें तीन नए नियुक्त बाहरी सदस्यों के साथ पुनर्गठित समिति सोमवार को अपनी पहली बैठक शुरू करेगी।

एमपीसी के चेयरमैन आरबीआई गवर्नर शक्तिकान्त दास बुधवार (नौ अक्टूबर) को तीन दिन की बैठक के नतीजों की घोषणा करेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2023 से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा है। विशेषज्ञों का मानना है कि दिसंबर में ही इसमें कुछ ढील की गुंजाइश है।

'ड्रैगन' की एक चाल से मचा बवाल

भारत को छोड़ चीन के पीछे भागे निवेशक

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। जून में 26,565 करोड़ रुपए, जुलाई में 32,365 करोड़ रुपए, अगस्त में 7,320 और सितंबर में 57,724 करोड़ रुपए। ये कोई मामूली आंकड़ा नहीं है। ये रुपया विदेशी पोर्टफोलियो इंवेस्टर्स ने भारत के शेयर बाजारों में लगाया था। अगर इन चारों रकम को जोड़ दिया जाए तो करीब 1.24 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। लगातार ओवरवैल्यूड होते भारतीय शेयर बाजार में लगातार पैसा लगाने वाले विदेशी निवेशकों को ऐसा क्या हो गया कि अक्टूबर आते ही महज चार दिनों में 27 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा निकाल लिया? जी हां, ये रकम भी छोटी नहीं है। वास्तव में बीते कुछ बरसों में इमर्जिंग मार्केट्स में पैसा लगाने वाले निवेशकों ने भारत पर भरोसा इसलिए जताया था क्योंकि चीन की इकोनॉमी डूब रही थी। कोविड के बाद की जो परिस्थितियां सामने आई थी, उसे विदेशी निवेशकों का भरोसा चीन के बाजार से उठ रहा था।

ऐसे में उनके पास दूसरा विकल्प भारत था, जिसके आसरे विदेशी निवेशकों ने खूब पैसा बनाया। अब चीन ने एक ऐसी चाल चली है कि एक बार फिर से विदेशी निवेशकों का रुख चीन की ओर हो गया है।वास्तव में चीन की सरकार ने इकोनॉमी को बूस्ट करने के लिए 140 अरब डॉलर के पैकेज का ऐलान कर दिया है। अब इसका असर ये हुआ कि विदेशी निवेशकों ने भारत के शेयर बाजार से मुनाफा वसूली कर चीन के शेयर बाजार में पैसा लगा दिया। जिसकी वजह से पिछले हफ्ते शेयर बाजार में 4.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। यहां तक कि घरेलू निवेशकों का पैसा भी इस गिरावट को नहीं रोक सका। आइए आंकड़ों से समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में शेयर बाजार से कितना पैसा निकाल लिया है?

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और चीन के बाजारों के बेहतर प्रदर्शन के कारण अक्टूबर के पहले तीन कारोबारी सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से 27,142 करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले सितंबर में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई का निवेश 9 महीने के उच्चस्तर 57,724 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। अप्रैल-मई में शेयरों से 34,252 करोड़ रुपए निकालने के बाद जून से एफपीआई लगातार लिवाल रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2024 में जनवरी, अप्रैल और मई को छोड़कर अन्य महीनों में एफपीआई शुद्ध लिवाल रहे हैं।

नवरात्र में फलों के दाम तो चढ़े ही सब्जियां भी इतरा रही हैं!

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। हर बार देखा जाता है कि नवरात्र के अवसर पर सब्जियों के दाम कम हो जाते हैं। लहसुन-प्याज का उपयोग नवरात्र में नहीं होता है इसलिए इसके दाम भी गिरते हैं। लेकिन इस बार सब्जियों के दाम तो चढ़ ही गए, लहसुन-प्याज के दाम भी स्थिर बने हुए हैं। टमाटर तो जैसे आंखें तरेर रहा है। आप भी देखिए दिल्ली में सब्जियों के भाव क्या चल रहा है। इस साल मानसून का मौसम कुछ ज्यादा ही लंबा चला। लगातार बारिश होने की वजह से समय पर सब्जियों की बुवाई नहीं हो सकी। उत्तर भारत में जहां किसानों ने टमाटर, बैंगन, फूलगोभी, मिर्च आदि के पौधे लगाए थे, वे भी अत्यधिक बारिश की वजह से गल गए। इसलिए इस समय दिल्ली एनसीआर में लोकल सब्जियों की सप्लाई नहीं के बराबर है। दिल्ली में इस समय दूसरे राज्यों से टमाटर की सप्लाई हो रही है, इसलिए इसके भाव चढ़े हुए हैं। आजादपुर सब्जी मंडी के वेजिटेबल ट्रेडर्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अनिल मल्होत्रा का कहना है कि अमूमन नवरात्र के मौके पर सब्जियां सस्ती हो जाती हैं। लेकिन इस बार बारिश की वजह से सब्जियों को काफी नुकसान हुआ है। यही वजह है कि सब्जियां सस्ती होने की वजह से महंगी होती जा रही है। इस समय टमाटर की सप्लाई बेंगलुरु से हो रही है।मंडी में इन दिनों टमाटर की थोक कीमत 60 रुपये प्रति किलो है जबकि 10 दिन पहले 30 से 40 रुपये थी। नवरात्र के अवसर पर अधिकतर लोग लहसुन और प्याज का उपयोग नहीं करते हैं। कई घरों में तो नमक का भी उपयोग छोड़ दिया जाता है। इसलिए इस दौरान लहसुन और प्याज की कीमतें घट जाती हैं। लेकिन इस बार नवरात्र में लहुसन और प्याज के दाम भी कम होने के बजाए स्थिर बने हुए हैं। खुदरा मार्केट में प्याज की कीमत करीब 70 रुपये प्रति किलो है जबकि मंडी में प्याज की थोक कीमत 30 से 50 रुपये किलो है। खुदरा बाजार में लहसुन के भाव तो 400 से 500 रुपये किलो है।फल मंडियों में केला, सेब, पपीता सहित सभी फलों की डिमांड तेज हो गई है। इस वजह से फलों की कीमत में लगभग 10 प्रतिशत की उछाल आई है। फल कारोबारी का कहना है कि इन दिनों कश्मीरी सेब की थोक कीमत 40 से 80 रुपये है। मौसमी की थोक कीमत 25 से 40 रुपये है। अमरूद की कीमत 60 से 80 रुपये और केला की थोक कीमत 50 से 60 रुपये प्रति दर्जन है। खुदरा बाजार में यह और बढ़ जाता है।इस समय दिल्ली के बाजारों में सब्जियों के खुदरा दाम बेहद बढ़ गए हैं। सामान्य किस्म का आलू आलू 40 से 50 रुपये किलो बिक रहा है। वहीं प्याज का खुदरा रेट 60 से 70 रुपये किलो है। भिंडी की कीमत बढ़ कर 70 रुपये किलो तक पहुंच गई है। बैंगन 80 रुपये किलो तो गोभी 100 रुपये किलो बिक रही है। 20 रुपये किलो बिकने वाला सीताफल भी 40 रुपये किलो बिक रहा है। शिमला मिर्च का भाव 120 रुपये किलो तो फ्रेंच बीन्स भी 120 रुपये किलो बिक रहा है।

मुकेश अंबानी से हर्ष गोयनका ने सीखे सफलता के तीन मंत्र

एक्स पर शेयर किया वीडियो हो रहा वायरल

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अरबपति कारोबारी और आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन हर्ष गोयनका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह सोशल मीडिया पर समय-समय पर कई शानदार पोस्ट करते रहते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनकी एक पोस्ट काफी वायरल हो रही है। इस पोस्ट में उन्होंने बताया है कि उन्होंने दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी के साथ बातचीत से हमेशा बहुत कुछ सीखा है। इस पोस्ट में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो मुकेश अंबानी की स्पीच है। 42 सेकेंड के इस वीडियो में वह अपनी लाइफ लर्निंग के बारे में तीन बातें बता रहे हैं। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए हर्ष गोयनका ने लिखा है, 'आइए मैं उनके जीवन से मिली तीन सीख आपके साथ शेयर करता हूं।'

मुकेश अंबानी से मिलीं 3 सीख

वीडियो में मुकेश अंबानी जिन तीन बातों का जिक्र कर रहे हैं, उन्हें हर्ष गोयनका अपनी सफलता का भी मंत्र मानते हैं। मुकेश अंबानी की तीन बातें ये हैं:

लक्ष्य पर फोकस रखें

वीडियो में मुकेश अंबानी अपनी स्पीच में कहते हैं कि अगर आप लक्ष्य पर फोकस रखते हैं तो आप सभी मुश्किलों को पार कर लेंगे। वहीं अगर आप मुश्किलों पर ध्यान फोकस करेंगे तो आप कभी भी अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाएंगे।

कड़ी मेहनत करें

मुकेश अंबानी का मानना है कि सफलता के लिए हमेशा कड़ी मेहनत करना जरूरी है। वह अपनी स्पीच में कहते दिख रहे हैं कि सबसे अच्छा बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया में भी सबसे अच्छा बनना चाहिए।

सकारात्मक रहें

मुकेश अंबानी के लिए सकारात्मकता सबसे महत्वपूर्ण है। वीडियो में मुकेश अंबानी कह रहे हैं कि सफलता पाने के लिए आत्मविश्वास के साथ-साथ खुद पर भरोसा भी होना चाहिए।

एशिया के सबसे अमीर शख्स हैं अंबानी

मुकेश अंबानी न केवल देश के बल्कि एशिया के भी सबसे अमीर शख्स हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसान मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 105 बिलियन डॉलर है। सबसे ज्यादा अमीर शख्स के मामले में वह दुनिया में 14वें स्थान पर हैं।

बेंगलुरु के हैवी ट्रैफिक से परेशान यात्रियों को राहत

नमो भारत ट्रेन से इन शहरों की दूर होगी दिक्कत

बेंगलूरू 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण की ये मशहूर सिटी जिसे भारत की टेक सिटी या सिलिकॉन सिटी कहते हैं, इसका ट्रैफिक भी काफी मशहूर है और इस शहर में रहने वालों को आम रास्ते तय करने में भी घंटों लग जाते हैं। अब इसी दिक्कत को दूर करने के लिए रेलवे की ओर से बड़ा ऐलान किया गया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि बेंगलुरु में जल्द ही नमो भारत ट्रेन चलाई जाएंगी जिनके जरिए इस शहर में रोजाना सफर करने वालों का ट्रेवल टाइम घट जाएगा। नमो भारत ट्रेनें इस समय बेंगलुरु में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड में बनाई जा रही हैं। रेल मंत्री ने कहा कि बेंगलुरु और जिन दो शहरों के बीच नमो भारत ट्रेन चलाई जाएंगी, उनके नाम बेंगलुरु-तुमकुरू और बेंगलुरु-मैसूर हैं।

मैसूरु के आसपास के शहर और मैसूरु भी शहरों के बीच ट्रांसपोर्ट को आसान बनाता है तो ये नए ट्रेन प्रोजेक्ट कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में बढ़ती ट्रांसपोर्ट दिक्कतों के लिए एक बेहतरीन समाधान हैं। बेंगलुरु में रिपोर्टर्स से बात करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बेंगलुरु काफी तेज स्पीड से आगे बढ़ रहा है। इसके बाद यहां ट्रैफिक की समस्या एक बड़ा विषय है और केंद्र सरकार इस टेक सिटी में यातायात आसान बनाने के लिए ट्रांसपोर्ट को सही तरीके से मैनेज करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

अनिल अंबानी कुछ बड़ा करने वाले हैं!

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी ने अपने करोबार को गति देने के लिए कमर कस ली है। अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप की दो प्रमुख कंपनियों रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और रिलायंस पावर लिमिटेड लगभग पूरी तरह कर्ज फ्री हो चुकी हैं।

वहीं दूसरी ओर रिलायंस ग्रुप ने कारोबार को नई दिशा देने के लिए 17,600 करोड़ रुपये का फंड जुटाने का प्लान बनाया है। ऐसे में इसमें कोई दोराय नहीं कि अनिल अंबानी अब कुछ बड़ा करने का प्लान बना रहे हैं। ऐसा प्लान जो उनके कारोबार को फिर से चमका देगा।अधिकारियों के मुताबिक अनिल अंबानी अपनी दोनों प्रमुख कंपनियों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। पिछले दो हफ्ते में दोनों कंपनियों ने इक्विटी शेयरों के प्रेफरेन्शल इश्यू के माध्यम से 4,500 करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की है। साथ ही फेमस ग्लोबल इंन्वेस्टमेंट फंड वर्डे पार्टनर्स से इक्विटी-लिंक्ड लॉन्ग टर्म एफसीसीबी के माध्यम से 7,100 करोड़ रुपये जुटाने की भी घोषणा की है। यह रकम 5 फीसदी की ब्याज पर 10 साल के लिए मिलेगी।रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर दोनों में से प्रत्येक का लक्ष्य 3,000 करोड़ रुपये जुटाने का है। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के माध्यम से अतिरिक्त 6000 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। इस प्रकार अनिल अंबानी का रिलायंस ग्रुप 17,600 करोड़ रुपये जुटाएगा। अधिकारियों ने कहा कि समाधान होने के साथ ही शेयरधारकों की मंजूरी महीने के अंत तक मिलने की उम्मीद है। ग्रुप के एक अधिकारी के मुताबिक इक्विटी या इक्विटी से जुड़े लॉन्ग टर्म बॉन्ड के माध्यम से रकम जुटाने की रिलायंस ग्रुप की रणनीति काफी कारगर होगी। इससे ग्रुप की कंपनियों को उनकी विस्तार योजनाओं के लिए जरूरी पैसा मिल सकेगा।

अभी दोनों कंपनियां सिर्फ 70:30 डेट-टू-इक्विटी रेश्यो के अनुपात से 17 हजार करोड़ रुपये जुटाएंगी। इससे ग्रुप की कंपनियों को अगले कुछ साल तक निवेश के लिए 50 हजार करोड़ रुपये तक मिलने की गुंजाइश होगी। यह रकम मिलने के बाद दोनों कंपनियों की नेटवर्थ करीब 25 हजार करोड़ रुपये हो जाएगी। रिलायंस पावर का शेयर अभी 50.95 रुपये पर है। शुक्रवार को इसमें 5 फीसदी की गिरावट आई थी।

इसके पहले इसमें 11 दिनों से 5 फीसदी का अपर सर्किट लग रहा था। कंपनी ने एक साल में करीब 170 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं दूसरी प्रमुख कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे रही है। अभी इसके शेयर की कीमत 300 रुपये है। इसमें पिछले कुछ दिनों से गिरावट आ रही है। इसने एक साल में करीब 128 फीसदी रिटर्न दिया है।

सस्ता छोड़िए, अब तो 250 रुपये प्रति लीटर हो सकता है पेट्रोल, ईरान-इजराइल के युद्ध ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते खबर आई थी कि सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमत कम कर सकती है। इसका कारण था कि कच्चे तेल की कीमतें कम हो गई थीं। साथ ही तेल कंपनियों को भी फायदा हो रहा था। सूत्रों के मुताबिक सरकार त्योहारी सीजन को देखते हुए तेल की कीमतों में 2 से 3 रुपये प्रति लीटर की कमी कर सकती थी। लेकिन अब सीन बदल गया है। ईरान-इजराइल युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत फिर से बढ़ गई है। ऐसे में सस्ते पेट्रोल-डीजल की उम्मीद को झटका लग सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल 200 डॉलर तक हो सकती है। ऐसा होने पर भारत में पेट्रोल की कीमत 250 रुपये प्रति लीटर तक हो सकती है। दिल्ली में अभी पेट्रोल की कीमत करीब 95 रुपये प्रति लीटर है।इस समय कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल 75 डॉलर से कुछ अधिक है। एक दिन में इसकी कीमत में करीब 3 फीसदी की तेजी आई है। वहीं पिछले हफ्ते इसकी कीमत करीब 68 डॉलर प्रति बैरल थी। ऐसे में देखा जाए तो एक महीने में ही इसकी कीमत में 7 डॉलर की तेजी आ गई है जो 10 फीसदी से ज्यादा है।तेल बाजार में ईरान एक प्रमुख देश है। ईरान रोजाना करीब 4 मिलियन बैरल तेल का उत्पादन करता है। इस समय ईरान और इजराइल के बीच युद्ध के हालात हैं। ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स के अनुसार अगर इजराइल ईरान के तेल भंडारों को निशाना बनाता है तो दुनिया की करीब 4 फीसदी तेल आपूर्ति खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में तेल की कीमतों में प्रति बैरल 20 डॉलर तक की तेजी आ सकती है। अगर इजराइल ईरान के तेल के भंडारों पर हमला कर उन्हें नष्ट करता है तो कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल 100 डॉलर से ज्यादा हो सकती है। वहीं स्वीडिश बैंक एसईबी की एक रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा होने पर कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल 200 डॉलर भी हो सकती है। केडिया कमोडिटी के एमडी अजय केडिया के मुताबिक अगर ऐसा होता है तो भारत में पेट्रोल की कीमत 250 रुपये प्रति लीटर हो सकती है।देश की तीन प्रमुख तेल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 81 हजार करोड़ रुपये कमाए हैं। इसमें सबसे ज्यादा कमाई इंडियन ऑइल ने की है। इंडियन ऑइल ने करीब 40 हजार करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं भारत पेट्रोलियम ने 26.67 हजार करोड़ और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने करीब 14.70 हजार करोड़ रुपये की कमाई की है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	04-48 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	मे	तुला...	06-52 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	09-02 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	11-16 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	13-22 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	15-12 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	16-50 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	18-27 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	20-11 बजे
			मिथुन	22-12 बजे
			कर्क--	00-24 बजे
			सिंह---	02-36 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-11
सूर्यास्त. -17-56
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 09-47 तक उपरान्त पंचमी
मास - आश्विन शुक्ल , सोमवार 07 October
नक्षत्र - अनुराधा 02 -24 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - प्रीति 06-39 तक उप आयुष्मान
करण- विष्टी 09-47 तक उप बव
विशेष:- उपांग ललिता व्रत
व्रत -त्योहार - नवरात्रि

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:37 से 09:06 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:11 - 07:37	शुभ	चंचल..	17:59 - 19:30	शुभ
काल.	07:37 - 09:06	अशुभ	रोग.	19:30 - 21:01	अशुभ
शुभ.	09:06 - 10:35	शुभ	काल.	21:01 - 22:33	अशुभ
रोग	10:35 - 12:04	अशुभ	लाभ.	22:33 - 00:04	शुभ
उत्पात	12:04 - 13:32	अशुभ	उत्पात	00:04 - 01:35	अशुभ
चंचल.	13:32 - 15:01	शुभ	शुभ	01:35 - 03:06	शुभ
लाभ	15:01 - 16:30	शुभ	अमृत.	03:06 - 04:37	शुभ
अमृत	16:30 - 17:56	शुभ	चंचल.	04:37 - 06:09	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
जिस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आपने नींव बिछाने का कार्य किया था उसका फल आज से आपको मिलने लगेगा । हालांकि कुछ महत्वपूर्ण संकेतो को आप शायद न देख पाओ और निराशा और आलसीपन आप में विकसित हो सकता है। अगर आप अपने प्रयासों में कमी लाएंगे तो आपकी सारी की गई मेहनत पर पानी फिर सकता है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप किसी अलग संस्कृति या किसी दुसरे देश के रहने वाले/वाली के प्रति आकर्षित हो सकते हैं ।आप इस आदमी के लिए काफी उत्सुक और भावनात्मक अनुभव करेंगे । जब आप इस आदमी के साथ होंगे तो आपको बाकी दुनिया से कोई मतलब नही रह जाएगा । अगर भगवान ने चाहा तो इस सम्बन्ध को जल्दी ही कोई ठोस रूप भी मिल सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे ।ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । अपना रूटीन काम ख़तम करके और खाना खाने से पहले हाथ धोने की अच्छी आदत खुद को डाल लें।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है ।अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन भावनात्मक रहेगा ।आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नही किया है । लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी ।आपका कोई करीबी भी आज भावनाओ में बहकर बात करेगा लेकिन आपको जमीन से जुड़े रहकर उपयुक्त प्रतिक्रिया देनी है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं । ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें । हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा । आपको धीरज से काम लेना होगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता । इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें । अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढाने के लिए अच्छा समय है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

करणी माता मंदिर में एक आवाज पर बिल से बाहर आ जाते हैं चूहे

बीकानेर, 6 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। राजस्थान के जोधपुर करीब 225 किलोमीटर दूर करणी माता या यूं कहूं कि चूहों वाले मंदिर की दूरी है। करणी माता मंदिर बीकानेर जिले में है। स्थानीय लोगों के अनुसार आप जो करणी सेना का नाम सुनते हैं न, उसी करणी सेना से जुड़े लोगों की कुलदेवी करणी माता हैं।

खास बात तो ये हैं कि इस मंदिर में मूर्तियों से कई हजार गुना ज्यादा चूहे हैं। इसलिए इस मंदिर को चूहों वाला मंदिर कहा जाता है। किंवदंती के अनुसार करणी माता का जन्म एक शाही परिवार में हुआ था, लेकिन शादी के बाद वह सांसारिक मोह-माया त्याग कर तपस्वी का जीवन जीने लगीं। संगमरमर से बने मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। 20वीं शताब्दी की शुरुआत में बीकानेर के महाराजा गंगा सिंह ने इसे बनवाया था। इसकी वास्तुकला मुगल शैली से मिलती-जुलती है।

नवरात्रि पर मेला लगा हुआ है, श्रद्धालुओं की भीड़ देखते ही बनती है। विदेशी पर्यटक भी यहां नजर आते हैं। मंदिर की खूबसूरती और संगमरमर की नक्काशी वाली दीवारों और राजस्थानी झरोखों से नजर नहीं हटती। चांदी के दो बड़े दरवाजों पर बहुत खूबसूरत डिजाइन उकेरी गई है।

अंदर दाखिल होते हैं तो एक छोटा सा बरामदा आता है। ऊपर जाली से ढंका है। फिर मंदिर का एक छोटा द्वार है, जिसके अंदर दाखिल होते ही जगह-जगह फर्श पर बाजरा, बूंदी और प्रसाद पड़ा है। हजारों चूहे इन्हें खाने में लगे हैं। किसी मंदिर मैं ऐसा नजारा पहली बार देख हैरानी हो रही थी कि चूहे इतने हैं तो चलूं कैसे। कहीं कोई चूहा पैर के नीचे आ गया तो क्या होगा?

मंदिर में आने वाले श्रद्धालु एक अलग तरह से चलते नजर आए। सभी लोग जमीन से बिना पैर उठाए रगड़ते हुए चल रहे थे। दरअसल, इस मंदिर में मौजूद हजारों चूहों को करणी माता की संतान माना जाता है। इसलिए गलती से भी चूहों को चोट पहुंचाना यहां पाप माना जाता है। लोगों के पैरों के नीचे आने की वजह से किसी चूहे को कोई नुकसान न हो, इसलिए यहां पैर उठाकर चलना मना है बल्कि पैर घसीटकर चलना पड़ता है। अगर गलती से किसी भक्त की वजह से किसी चूहे की मौत हो जाए तो उसके लिए भरपाई करनी पड़ती है। ऐसा होना अशुभ और अपराध माना जाता है।

मंदिर के ट्रस्टी अशोक चारण कहते हैं... अगर किसी भक्त के पांव के नीचे आकर कोई चूहा मर जाता है तो वह मंदिर में चांदी का चूहा चढ़ाता है। हालांकि मंदिर परिसर की तरफ से ऐसी कोई बाध्यता नहीं है। इस मंदिर में 20000 काले चूहों के अलावा 3 सफेद चूहे भी हैं, जो आसानी से हर भक्त को नजर नहीं आते हैं। मंदिर में चूहों को भगवान का रूप माना जाता है। प्रसाद चूहों का जूठा होता है, लेकिन आज तक इनसे किसी भी प्रकार की कोई बीमारी नहीं फैली। मंदिर के अंदर इस समय जितने श्रद्धालु हैं उनसे कहीं ज्यादा तो काले चूहे नजर आते हैं, लेकिन इन सबके इतर सभी निगाहें सफेद चूहे की तलाश में रहती हैं।

दरअसल, मंदिर की मान्यता यह है कि माता के चरणों में कोई मन्नत मांगकर आओ और उसके बाद अगर आपको सफेद चूहा दिखाई दे जाए या पांव से छू जाए तो समझ लो मन्नत कबूल हो गई है। लोग इसी आस में मंदिर में पांव रगड़ते हुए चलते रहते हैं।

मंदिर के अंदर जगह-जगह चूहों के दूध पीने के लिए चांदी की पराते रखी हैं। पानी के लिए मिट्टी के बर्तन हैं। मंदिर के ट्रस्टी अशोक चारण बताते हैं कि इन चूहों को दो वक्त बाजरा दिया जाता है। शाम को सेंधा नमक मिलाकर भीगे चने दिए जाते हैं। चूहे अजवाइन वाली रोटी भी खाते हैं। करणी माता मंदिर में चूहों के जूठे प्रसाद को ही पवित्र माना जाता है। भक्त इसी प्रसाद को खाते हैं।

कहते हैं कि जब से यह मंदिर यहां बना है, तब से चूहे यहां हैं। इनकी संख्या न तो कभी बढ़ी है और न ही कभी कम हुई है। इन चूहों की विशेषता यह भी है कि सुबह पांच बजे मंदिर में होने वाली मंगला आरती और सांध्य आरती के समय चूहे अपने बिलों से निकलकर बाहर आ जाते हैं। अगर कोई चूहा सिर पर चढ़ जाए तो शुभ माना जाता है। मंदिर चारों ओर से बारीक जाली से ढंका हुआ है ताकि बिल्ली या चील चूहों को कोई नुकसान न पहुंचाए। चूहे खुद भी परिसर के बाहर नहीं जाते। मंदिर परिसर में एक नाली है। मेरी नजर पड़ती हैं कि ढेरों लोग यहां बैठे बारी-बारी से नाली में हाथ डाल रहे हैं। भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति से पूछा कि ऐसा क्यों कर रहे हैं ये लोग। उन्हें डर ही नहीं लग रहा है कि कोई सांप या कुछ और न अंदर से निकल आए। उस व्यक्ति ने बताया कि किसी ने यहां सफेद चूहे की पूंछ देखी है। लोग बारी-बारी से पूंछ को ही छूकर चूहे को माथा टेक रहे हैं। इसी जगह से कुछ दूर बैठा एक भक्त अपने हाथ से चूहों को प्रसाद खिला रहा है। फिर चूहों का जूठा खुद खा रहा है। चूहे भक्तों की लाई सब्जियां कुतर रहे हैं। लोग उन सब्जियों को प्रसाद मानकर खा ले रहे हैं। शायद यह सब मुझे कोई बताता तो मैं यकीन न करता, लेकिन यह सब मेरी आंखों के सामने हो रहा है। करणी माता को मां दुर्गा का अवतार माना गया है। नवरात्रि के मौके पर करणी माता के दर्शन करने के लिए देश भर से लोग पहुंचते हैं।

चूहा मरा तो मानव और इंसान मरा तो चूहा पैदा होगा

मंदिर में दूसरे मंदिरों की तरह पुजारी नहीं हैं। चारण परिवार के सदस्य ही इस मंदिर की देखरेख करते हैं, वही लोग सब काम को देखते हैं। यहां ये भी मान्यता है कि इस मंदिर में मौजूद चूहे जब मरते हैं तो चारण जाति में मानव के रूप में जन्म लेते हैं। इसी तरह जब चारण जाति में किसी मानव की मौत होती है तो वह व्यक्ति चूहा बनता है। चूहे माता करणी देवी के ही बच्चे हैं उनके वंशज हैं। हालांकि यहां कभी चूहों की गिनती तो नहीं हुई है, लेकिन एक अंदाजा है कि यहां 20,000 से ज्यादा चूहे हैं। इनमें सिर्फ तीन सफेद चूहे हैं।

गौशाला में गायों के लिए आईसीयू

यहां 22 बीघे में एक गोशाला है, जहां ढाई हजार से ज्यादा पशु हैं। गायों के लिए इंसानों जैसी सुविधाएं हैं। गोशाला के मैनेजर मोहनदास बताते हैं कि हमारा फोकस रहता है कि हम बीमार गायों की सेवा करें। इनके लिए महीने में लगभग डेढ़ लाख रुपए की दवाएं आती हैं। बाकायदा डॉक्टर और कंपाउंडर रखे गए हैं। एक आईसीयू वार्ड भी है।

करणी मां की कथा

करणी माता को बीकानेर व आसपास के लोग माता दुर्गा का अवतार मानते हैं। करणी माता चारण जाति की योद्धा महिला थी, जिनके बचपन का नाम रिघुबाई था। विवाह होने के बाद माता का सांसारिक मोह-माया से लगाव हट गया और उन्होंने तपस्वी का जीवन जीते हुए लोगों की सेवा भी की। इतिहास को देखा जाए तो माता का जन्म 1387 ईस्वी में हुआ था और वह करीब 150 साल तक जीवित रहीं।

रीति-रिवाजों के अलावा करणी माता मंदिर से जुड़ी कई कहानियां भी हैं। इन कहानियों में सबसे प्रचलित करणी माता के सौतेले पुत्र लक्ष्मण की कहानी है। एक दिन कोलायत तहसील में कपिल सरोवर से पानी पीने की कोशिश करते समय लक्ष्मण उसमें डूब जाते हैं। दुखी, करणी माता ने देवता यम से काफी प्रार्थना की। यमराज को विवश होकर उसे चूहे के रूप में पुनर्जीवित करना पड़ा।

करणी माता मंदिर खुलने का समय

सुबह 4 से 7 बजे तक
दिन में 11 से शाम 4 बजे तक
शाम को 7 से रात 9 बजे तक

झारखंड में शीघ्र जारी होगी बीजेपी उम्मीदवारों की पहली सूची ?

दावेदारों ने भी टिकट को लेकर दिया साफ संदेश

रांची, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी तय करने की प्रक्रिया में भाजपा ने शुक्रवार को सभी जिलों के पार्टी अध्यक्षों के साथ रायशुमारी की। रांची स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में चुनाव सह प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इस बैठक में सभी जिलाध्यक्षों से सवाल जवाब किए।

छह प्रमंडलों के लिए हुई अलग-अलग बैठकों में हरेक विधानसभा सीट के लिए संभावित प्रत्याशियों का नाम पूछा गया। हिमंत ने पार्टी के नेताओं से पूछा कि अगर उन्हें टिकट नहीं मिला तो वो क्या करेंगे। बंद कमरे में हुई इस बैठक में कुछ जिलाध्यक्षों ने भी अपने को प्रत्याशी बताया।

हिमंत बिस्व सरमा ने पूछा कि अगर आपको टिकट नहीं मिलेगा, तो क्या फिर भी आप लड़ेंगे? जानकारी के मुताबिक इनमें से एक-दो नेताओं ने कहा कि पार्टी टिकट नहीं देगी तब सोचेंगे कि क्या करना है। बाकी ने कहा कि टिकट नहीं मिला तो संगठन जो निर्देश देगा, वही करेंगे।

पहले दौर में 15 से 20 प्रत्याशियों का नाम घोषित करने की तैयारी

बता दें कि भाजपा पहले दौर में 15 से 20 प्रत्याशियों का नाम घोषित करने की तैयारी में है। वहीं, पार्टी के नामी-गिरामी और वरिष्ठ नेताओं को आदिवासी सीटों से लड़ाने की तैयारी है।

कब जारी होगी पहली सूची ?

हाल ही में हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि पार्टी शीघ्र ही उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करेगी। इसी पखवारे भाजपा झारखंड विधानसभा के लिए अपना चुनावी घोषणापत्र भी जारी करने वाली है।

भाजपा ने किया नौकरी देने का वादा

झारखंड में चुनावी मौसम में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही ओर से लोकलुभावन घोषणाओं की झड़ी लगी हुई है। इसी क्रम में भाजपा ने भी अपना पंच प्रण घोषित करते हुए राज्य में सरकार बनने पर युवाओं को नौकरी, मुफ्त और सस्ती रसोई गैस, महिलाओं को हर महीने सम्मान राशि, मुफ्त बालू समेत कई घोषणाएं की हैं।

भाजपा के पहले प्रण में कहा गया कि राज्य में भाजपा सरकार बनने पर गोगो दीदी योजना के तहत महिलाओं को प्रतामाह 2100 रुपये दिए जाएंगे। हर महीने की 11 तारीख को यह राशि उनके बैंक अकाउंट में चली जाएगी।

दूसरे प्रण में सभी परिवारों को 500 रुपये में एलपीजी सिलिंडर उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया गया है।

दो सिलिंडर मुफ्त देने की भी घोषणा

वहीं, साल में दो त्योहारों के मौके पर दो सिलिंडर मुफ्त देने की भी घोषणा की गई है। तीसरे प्रण में सुनिश्चित रोजगार योजना शुरू करने की बात है। इसके तहत पांच साल में पांच लाख लोगों को स्वरोजगार के अवसर उलब्ध कराने और 2.87 लाख खाली सरकारी पदों पर नियुक्ति का वादा किया गया है। इ

नमें 1.5 लाख नौकरियां नवंबर 2025 के पहले ही दे देने की घोषणा की गई है। कहा गया है कि पहली कैबिनेट बैठक से ही राज्य में भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पार्टी की ओर से पंच प्रण की घोषणा की है।

इस मौके पर असम के मुख्यमंत्री व भाजपा के झारखंड चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिस्व सरमा, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी भी उपस्थित थे।

सीएम साय ने पूजा अर्चना कर नवा रायपुर स्थित नए मुख्यमंत्री निवास में किया गृहप्रवेश

रायपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवरात्रि के पावन अवसर पर विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना कर नवा रायपुर में नवनिर्मित नए मुख्यमंत्री निवास में गृहप्रवेश किया। मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय के साथ मंत्रोच्चार और शंख ध्वनि के बीच पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपनी माता जसमनी देवी से आशीर्वाद ग्रहण कर गृह प्रवेश किया।

इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका उनकी धर्मपत्नी रानी डेका काकोटी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस सहित अनेक विधायक और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सीट शेयरिंग को लेकर इंडिया गठबंधन की बैठक विजयादशमी के बाद

आरजेडी और कांग्रेस के कोटे में हो सकती है कटौती

रांची, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विजयादशमी के बाद इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर बैठक होगी. बताया गया कि सीट शेयरिंग होते ही झामुमो, कांग्रेस, राजद और वामदल भी अपने प्रत्याशियों की घोषणा करने लगेंगे. सूत्रों ने बताया कि इस बार सीट शेयरिंग में कुछ बदलाव संभव है. इसकी वजह यह है कि इस बार गठबंधन में वामदल भी शामिल हैं. 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो को 43, कांग्रेस को 31 व राजद को सात सीटें मिली थीं. इस बार फेरबदल होगा. बताया गया कि पहले जीत का समीकरण देखा जायेगा. इस पर

मंथन कर ही सीट शेयरिंग की जायेगी. इस बार कांग्रेस व राजद के कोटे में कुछ कटौती हो सकती है. उक्त सीट को वामदल को दिया जा सकता है.

रांची को अपने खाते में रख सकता है झामुमो

रांची को लेकर कांग्रेस लगातार समय-समय पर कहती आ रही है कि यह सीट उसे दे दी जाये. पर वर्ष 2019 के चुनाव में झामुमो इस सीट से दूसरे स्थान पर रहा था. झामुमो प्रत्याशी महुआ माजी व भाजपा प्रत्याशी सीपी सिंह के बीच मत का अंतर केवल 5904 वोट का ही था. महुआ माजी दूसरे स्थान पर रहीं. मतों के अंतर को लेकर झामुमो एक बार फिर से रांची विधानसभा सीट पर दावा करेगा. हालांकि, कांग्रेस के कई नेता इस प्रयास में लगे हुए हैं कि गठबंधन के तहत यह सीट कांग्रेस को मिल जाये, तो वे चुनाव लड़ेंगे.

सिर्फ सीट देने की नहीं, जीत सुनिश्चित करने की बात है. : विनोद पांडेय

झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि बहुत जल्द सीट शेयरिंग पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहयोगी दलों के साथ बैठक करेंगे. जाहिर है झामुमो बड़े भाई की भूमिका निभायेगा. पर सहयोगियों का भी पूरा ध्यान रखा जायेगा. पूरा इंडिया गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ेगा. किस सीट पर कौन जीत सकता है, यह विशेष रूप से देखा जायेगा. केवल सीट देने की बात नहीं है, बल्कि जीत सुनिश्चित करने की बात है.

दो दिनों बाद बारिश के आसार

रायपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मानसून की सक्रियता सामान्य से कम है। बारिश नहीं होने से प्रदेश में अधिकतम तापमान बढ़ने लगा है। तेज धूप और उमस से लोग परेशान हैं। इस बीच आज रविवार को कुछ जगहों पर हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं उत्तरी अरब सागर के अधिकांश हिस्सों में मानसून की फिर से वापसी हो रही है। इसके वजह से भीषण गर्मी और तेज धूप से लोगों को राहत मिल सकती है। साथ ही बारिश की स्थिति बन सकती है। मौसम एक्सपर्ट के अनुसार, प्रदेश में एक बार फिर मानसून की वापसी हो सकती है। दो दिनों बाद यानी आठ अक्टूबर से उत्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ में गरज चमक के साथ हल्की मध्य बारिश होने की संभावना है। विभाग में अधिकांश जगहों पर हल्की मध्यम बारिश की संभावना जताई है। वही रायपुर में आज आकाश आंशिक मेघमय रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, आज दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों, महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों और उत्तर अरब सागर के अधिकांश हिस्सों में वापस चला गया है।

झारखंड ऊर्जा निगम के पेंशनधारियों का 44 करोड़ रुपये फर्जी तरीके से जेटीडीसी के खाते में ट्रांसफर

अधिकारियों के उड़े होश

रांची, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड के खाते से फर्जी तरीके से लगभग 44 करोड़ रुपये झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (जेटीडीसी) के खाते में हस्तांतरित कर दिये गये. जब ऊर्जा निगम के अधिकारियों को इसका पता चला, तो उनके होश उड़ गये. ये पैसा पेंशनधारियों के लिए बने ट्रस्ट का है. जानकारी के अनुसार, इस ट्रस्ट के खाते में लगभग 150 करोड़ रुपये जमा है. इसमें से 44 करोड़ रुपये जेटीडीसी के खाते में डाले गये.

बीते दो दिन से उर्जा निगम के अधिकारी कर रहे पड़ताल

पिछले दो दिनों से ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड के तमाम अधिकारी व बैंक के अधिकारी इसकी पड़ताल कर रहे हैं. इस मामले में विभागीय अधिकारी इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि ऊर्जा उत्पादन निगम के खाते से जेटीडीसी के खाते में राशि हस्तांतरित की गयी. हालांकि विभागीय जांच चलने के कारण कुल हस्तांतिरत राशि का खुलासा करने से बच रहे हैं. सूत्रों ने बताया कि करीब 44 करोड़ रुपये की राशि जेटीडीसी के खाते में हस्तांतरित किये जाने के बाद विभाग के अधिकारियों ने ऊर्जा विकास निगम के सीएमडी को इसकी जानकारी देते हुए राशि भेजे जाने का कारण पूछा. इसी क्रम में पता चला कि पेंशनधारियों के लिए बने ट्रस्ट का पैसा हस्तांतरित हो गया है. बैंक प्रबंधन की ओर से कहा गया कि संभवतः गलती से उक्त राशि हस्तांतरित हो गयी है. बैंक के अधिकारी भी मामले की जांच कर रहे हैं.

साइबर क्राइम की कोशिश की हो रही जांच

सूत्रों ने बताया कि जेटीडीसी के खाते में जिसने गड़बड़ी की थी, उसी तरीके से उत्पादन निगम की राशि को जेटीडीसी के उसी फर्जी खाते में ट्रांसफर करने का प्रयास किया गया होगा. पर राशि जेटीडीसी के असली खाते में चली गयी और इसका खुलासा हो गया. इस साइबर क्राइम की जांच हो रही है.

29 सितंबर को झारखंड पर्यटन निगम लिमिटेड (जेटीडीसी) के नाम से केनरा बैंक की हटिया शाखा में जालसाजी कर खाता खुलवाने और उस खाते से 10,40,07,496 करोड़ रुपये फर्जी तरीके से दूसरे के खाते में ट्रांसफर कर राशि की निकासी को लेकर धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी. प्राथमिकी में लिखा गया था कि 21 जून 2023 को जालसाजी कर झारखंड पर्यटन विकास लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक, वर्तमान में निदेशक रांची का फर्जी हस्ताक्षर कर बाहरी व्यक्तियों द्वारा केनरा बैंक हटिया शाखा में जेटीडीसी के खाता संख्या 120023985910 खुलवाया गया. 13 अक्तूबर 2023 को उस फर्जी खाते में पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की कुल राशि 10,40,07,496 रुपये सावधि जमा के लिए ट्रांसफर/डिपॉजिट कराया गया. फिर उस खाते से अलग-अलग संदिग्ध खातों के माध्यम से गलत तरीके से पैसे की निकासी की गयी.

जमशेदपुर में बरसे सीएम हेमंत सोरेन

बोले- बीजेपी सिर्फ झूठा आश्वासन और राशन दे सकती है

जमशेदपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा गरीबों को झूठा आश्वासन और झूठा राशन ही दे सकती है. इनके पास अमीरों और बड़े कारोबारियों को देने के लिए सब कुछ है, लेकिन गरीबों को देने के लिए कुछ नहीं है. मुख्यमंत्री मानगो के बालीगुमा में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे. वे मानगो डिमना रोड स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज परिसर में बने नये भवन और ओपीडी सेवा का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने सोनारी के कन्वेंशन सेंटर और साकची के लाइब्रेरी का ऑनलाइन उद्घाटन किया.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बोले- डबल इंजन की सरकार ने कुछ नहीं किया

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि जब झारखंड में भाजपा की डबल इंजन सरकार थी, उस वक्त जनता के लिए कुछ नहीं किया. अब जब हमारी सरकार जनता के लिए काम कर रही है, तो भाजपा मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को रोकने की कोशिश कर रही है. राज्य सरकार इस योजना के तहत महिलाओं को अब तक दो किस्त की राशि दे चुकी है, जल्द ही तीसरी किस्त की राशि भी उनके खाते में डाल दी जायेगी. उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा से दूसरे राज्य के लोगों का घर रोशन हो रहा है, लेकिन यहां के लोगों को तन ढकने के लिए कपड़ा भी नसीब नहीं हो रहा है. इसलिए हमने कानून बनाया कि राज्य में जितनी कंपनियां, कल-कारखाने व प्रतिष्ठान हैं, उसमें नौकरी में 75 प्रतिशत स्थानीय को प्राथमिकता मिले. कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री रामदास सोरेन, विधायक मंगल कालिंदी, समीर मोहंती, संजीव सरदार व सविता महतो समेत अन्य लोग मौजूद थे.

विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा महिलाओं को 2100 रुपये देने का आश्वासन दे रही है, लेकिन ऐसा कुछ करनेवाली नहीं है. क्योंकि पहले भी यह आम लोगों का खाता खुलवा चुकी है, लेकिन उनके खाते में कुछ नहीं दिया. राज्य की जनता को भाजपा से सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि यह केवल लंबी-लंबी बातें करती है, धरातल पर कुछ नहीं करती. मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की कोयला कंपनियों पास झारखंड का एक लाख 36 हजार करोड़ रुपया बकाया है. अगर यह पैसा केंद्र सरकार झारखंड को उपलब्ध करा दे. तो राज्य सरकार हर महिला के खाते में तीन-तीन लाख रुपये भेजेगी.

टावर गिरने से एक बुजुर्ग की मौत

बीजापुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उसूर ब्लॉक के मुख्यालय आवापल्ली में टावर गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई है। वह विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ था। सीएमएचओ डॉक्टर बीआर पुजारी ने बताया कि देर शाम होने की वजह से शव का पोस्टमार्टम सुबह किया जाएगा।

आवापल्ली में शाम को अचानक मौसम बदला और गरज के साथ हवा चलने लगी। इसी दौरान आईसीडीएस व कृषि कार्यालय के पास लगा पुराना टावर गिर गया। इसकी चपेट में आने से गटपल्ली सत्यम (50) निवासी माड़वीपारा आवापल्ली के सिर में गहरी चोट लग गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि मृतक बुजुर्ग गटपल्ली सत्यम विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ था। मृतक का शव अभी अस्पताल के मोर्चुरी में रखा गया है। सीएमएचओ डॉक्टर बीआर पुजारी ने बताया कि देर शाम होने की वजह से शव का पोस्टमार्टम सुबह किया जाएगा।

नासा ने दी चेतावनी

पृथ्वी से टकराएगा बड़ा सौर तूफान, जानें इसका क्या असर होगा?

वॉशिंगटन, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि जल्द ही धरती पर एक बड़ा सौर तूफान आने वाला है और इससे इलेक्ट्रॉनिक संचार व्यवस्था प्रभावित हो सकता है। नासा की इस चेतावनी और सौर तूफान का भारत पर क्या असर होगा? एनडीटीवी में छपी एक रिपोर्ट में ये जानकारी भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान की निदेशक डॉ। अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम ने दी है। डॉ। अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम ने बताया है कि सौर तूफान दरअसल सूर्य द्वारा सौर मंडल में प्रक्षेपित कणों, ऊर्जा, चुंबकीय क्षेत्र और सामग्री का अचानक विस्फोट है।

पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है सौर तूफान

उन्होंने कहा कि पृथ्वी की ओर आने वाला सौर तूफान दूरसंचार और उपग्रहों को नुकसान पहुंचा सकता है। भारतीय वैज्ञानिक इसकी निगरानी कर रहे हैं और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के विशेषज्ञों ने इस बारे में कहा कि उन्होंने भारतीय उपग्रह ऑपरेटरों को सभी सावधानियां बरतने के लिए सूचित कर दिया है। अगले कुछ दिन पृथ्वी के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि तूफान पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। डॉ। सुब्रमण्यन ने कहा, कुछ दिन पहले जो (सौर) ज्वाला भड़की थी, वह ताकत के मामले में मई में हुई ज्वाला के समान है। वैज्ञानिक ने बताया कि सौर तूफान की आशंका को देखते हुए हम मैग्नेटोस्फीयर की भी निगरानी करेंगे। लेकिन हम इंतजार करना चाहेंगे क्योंकि इसे पृथ्वी से टकराने में कुछ दिन लगते हैं। हम आज रात या कल रात की उम्मीद करते हैं ताकि यह पता चल सके कि क्या कुछ हो रहा है। डॉ। सुब्रमण्यम ने कहा, भविष्यवाणियां यह हैं कि ऐसा हो सकता है या नहीं भी हो सकता है, हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा।

पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र है काम का

बता दें कि मई में आए तेज़ सौर तूफान के कारण पूरे उत्तरी गोलार्ध में अरोरा दिखाई दिया था। सौर तूफान जब पृथ्वी की ओर आता है, तो वह पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में एक बड़ी गड़बड़ी पैदा कर सकता है, जिसे भू-चुंबकीय तूफान कहा जाता है, जो रेडियो ब्लैकआउट, बिजली कटौती और सुंदर अरोरा जैसे प्रभाव पैदा कर सकता है। हालांकि, वे पृथ्वी पर किसी को सीधे नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, क्योंकि पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र और वातावरण हमें इन सबसे बुरे तूफानों से बचाते हैं।

चीनी हैकर्स की करतूत से हिल गई अमेरिकी सुरक्षा, क्या है मामला

वॉशिंगटन, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन के हाई-स्किल्ड हैकर्स ने अमेरिका को सदमे में ला दिया है। दरअसल, चीन की सरकार से जुड़े हैकर्स के एक हाई-स्किल्ड ग्रुप ने अमेरिका की कई टेलीकॉम कंपनियों में सेंध मारी है। सीएनएन की एक लेटेस्ट रिपोर्ट में इस ख़बर की जानकारी दी गई है। सीएनएन को इस मामले से अवगत कराए गए कई सूत्रों ने बताया कि चीन के हैकर्स ने कई अमेरिकी टेलीकॉम फर्म्स में प्रवेश किया है। हैकर्स ने शायद संवेदनशील जानकारियों की खोज में सेंधमारी की है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हो सकती है।

अमेरिकी जांचकर्ताओं का मानना है कि हैकर्स ने वायरटैप वारंट अनुरोधों तक पहुंच प्राप्त की हो सकती है, हालांकि अधिकारी अभी तक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि हैकर्स ने कौन सी जानकारी हासिल की है। जांचकर्ताओं का मानना है कि एटी एंड टी, वेरिज़ोन और लुमेन जैसी प्रमुख ब्रॉडबैंड और इंटरनेट प्रदाताओं को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी अधिकारियों को इस हैकिंग से होने वाले संभावित राष्ट्रीय सुरक्षा नुकसान की चिंता सता रही है, जिसे उन्होंने हाल ही में खोजा है। यह घटना अमेरिकी संघीय एजेंसियों को लक्षित करने वाले लेटेस्ट हैक में से एक है, जिसे जांचकर्ताओं ने चीन से जोड़ा है।

चीन की हेकड़ी निकालने की तैयारी

भारत समेत चार महाशक्तियां करेंगी सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद महासागर तक के क्षेत्र में लगातार अपनी चालबाजियों को अंजाम दे रहा है। ऐसे में पड़ोसी दुश्मनों को हौसले पस्त करने के लिए भारत क्यूयूएडी के सदस्य देशों के साथ मिलकर मालाबार युद्ध अभ्यास करने जा रहा है। मालाबार युद्धाभ्यास में भारत के साथ दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की नेवी हिस्सा लेने वाली हैं। बंगाल की खाड़ी के समंदर में 8 अक्टूबर से क्यूयूएडी समूह का मालाबार वॉर एक्सरसाइज शुरू होने वाला है। ये अभ्यास चीन की लाइफलाइन एनर्जी ट्रेड रूट को चोक करने के लिए किया जाएगा, जिससे न केवल हमारी मेरीटाइम सिक्योरिटी को बल मिलेगा साथ ही समुद्र में चीन की दादागिरी पर लगाम लगाने के लिए ये एक बड़ा कदम होगा।

भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया एक साथ

मालाबार युद्धाभ्यास के जरिए भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया एक साथ आ रहे हैं। चारों ही देश फ्री और ओपन इंडो-पैसिफिक की बात करते रहे हैं। जबकि वहीं चीन समंदर में दूसरे पड़ोसी ताइवान और फिलीपींस को आंखे दिखाता रहा है। ऐसे में विश्व की महाशक्तियों के साथ भारत की ये जुगलबंदी चीन के लिए एक सीधा मैसेज है कि इंडो-पैसिफिक रीजन में उसकी कोई भी चालाकियां नहीं चलेंगी।

चीन की आक्रामकता के खिलाफ चारों देश एकजुट

रणनीतिक और कूटनीतिक तौर पर चीन की आक्रामकता के खिलाफ चारों देश एकजुट हैं। और इसी के मद्देनजर चारों देशों की नौसेना बंगाल की खाड़ी में सबसे बड़ा नेवल सैन्य अभ्यास मालाबार आयोजित करने जा रही है। यह अभ्यास 8 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक विशाखापत्तनम के पास बंगाल की खाड़ी में चलेगा।

रियल वॉर अभ्यास की शक्ल

मालाबार नौसैन्य अभ्यास दो चरण में आयोजित होगा। पहले फेज में टेबल पर अभ्यास की रणनीति और चुनौतियों पर चर्चा होगी। वहीं, सी फेज में सामूहिक तरह से उन रणनीतियों को रियल वॉर अभ्यास की शक्ल दी जाएगी। भारतीय नौसेना के इस्टर्न नेवल कमांड के सभी एसेट को इस अभ्यास में शामिल किया जाएगा।

नेतन्याहू के कड़े तेवर के बाद ढीला पड़ा फ्रांस

प्रतिबंध की बात करने वाले मैक्रों अब बोले- इजरायल पक्का दोस्त

पेरिस, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल पर हथियार प्रतिबंध लगाने की बात करने वाले फ्रांस के तेवर अब ढीले पड़ते दिख रहे हैं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आज एक बयान जारी करते हुए कहा कि फ्रांस इजरायल का पक्का दोस्त है और हमेशा उसके साथ खड़ा रहेगा। दरअसल, मैक्रों का ये बयान इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कड़े तेवर दिखाने के बाद आया है। इजरायल के अनुसार, मैक्रों ने कहा कि वो इजरायल की सुरक्षा का समर्थन करते हैं। उन्होंने दोहराया कि फ्रांस ईरान या उसके किसी भी प्रॉक्सी को इजरायल पर हमला करने की अनुमति नहीं देगा और अगर उसने बल का सहारा लिया तो हम हमेशा उसका सामना करेंगे। इससे पहले एक वीडियो संदेश में मैक्रों ने गाजा के साथ-साथ लेबनान में तत्काल युद्ध विराम की बात कही थी। मैंक्रों ने कहा था कि हमें तनाव को बढ़ने से रोकना चाहिए, नागरिक आबादी की रक्षा करनी चाहिए और बंधकों को मुक्त करना चाहिए। उन्होंने इसी के साथ इजरायल को हथियारों के निर्यात पर बैन लगाने की भी बात कही। मैंक्रों की इस बात पर इजरायली पीएम नेतन्याहू ने कड़ा पलटवार किया। उन्होंने इसे अपमानजनक और शर्मनाक बताया। नेतन्याहू ने कहा कि आतंक की धुरी एक साथ खड़ी है, लेकिन जो देश कथित तौर पर इस आतंकी धुरी का विरोध करते हैं, वे इजरायल पर हथियार प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं, ये बहुत गलत है। नेतन्याहू ने कहा कि सभी सभ्य देशों को इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए क्योंकि वह ईरान के नेतृत्व वाली बर्बरता की ताकतों से लड़ रहा है, उन्होंने मैक्रों द्वारा इजरायल के खिलाफ हथियार प्रतिबंध लगाने के आह्वान को शर्मनाक बताया।

गाजा की मस्जिदें हैं 'हमास का अड्डा'

इजरायल बना रहा निशाना, एयर स्ट्राइक में 24 की मौत

गाजा पट्टी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल ने रविवार (6 अक्टूबर) को गाजा मस्जिद पर हवाई हमला किया। इस हमले में कम से कम 24 लोग की मौत हो गई है, जबकि 93 लोग घायल हो गए हैं। इस बात की जानकारी फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वफा ने दी। मध्य गाजा पट्टी में दीर अल-बलाह में अल-अक्सा अस्पताल के पास मस्जिद पर यह हमला हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि मस्जिद में विस्थापित लोग भी रह रहे थे।

इजरायली सेना ने जारी किया बयान

इजरायली सेना ने हवाई हमले को लेकर जारी बयान में कहा, दीर अल बलाह के क्षेत्र में 'शुहादा अल-अक्सा' मस्जिद में मौजदू हमास के आतंकियों पर सटीक हमला किया गया। ये आतंकी यहां से कमांड और कंट्रोल सेंटर चला रहे थे। गाजा में धार्मिक मामलों के मंत्रालय के अनुसार, इजरायली हमले में गाजा की 1,245 मस्जिदों में से 814 को नष्ट हो गईं हैं और अन्य 148 को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हैं। बयान में आगे कहा बताया गया कि मस्जिदों के साथ-साथ तीन चर्चों को भी नष्ट कर दिया गया है। इसके अलावा 60 कब्रिस्तानों में से 19 को जानबूझकर निशाना बनाया गया। मंत्रालय की संपत्तियों को हुए नुकसान की अनुमानित वित्तीय लागत 350 मिलियन डॉलर है।

इजरायली सेना पर लगाए ये आरोप

गाजा में धार्मिक मामलों के मंत्रालय ने इजरायल पर आरोप लगाया है कि सेना कब्रों को अपवित्र करने, शवों को खोदने और मरने वालों के खिलाफ हिंसा कर रही है। इसके अलावा वो उनके अवशेष चुराने और उन्हें क्षत-विक्षत कर रही है। मंत्रालय ने आगे कहा कि इजरायली सेना ने क्षेत्र में जमीनी हमलों के दौरान उसके 238 कर्मचारियों को मार दिया। इसके अलावा 19 अन्य को हिरासत में लिया गया है।

'मौत के सामने भी हार नहीं मानूंगा'

जहां लगी थी गोली वहीं जाकर फिर गरजे डोनाल्ड ट्रंप; एलन मस्क भी दिखे साथ

पेनसिल्वेनिया, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया एक चुनावी रैली को संबोधित किया। दिलचस्प बात रही है कि मंच पर ट्रंप के साथ टेस्ला के सीईओ एलन मस्क भी नजर आए। मंच पर जाकर एलन मस्क ने ट्रंप के लिए समर्थन भी मांगे। इस चुनावी रैली में हजारों की संख्या में रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों ने हिस्सा लिया था। मंच पर आकर मस्क ने लोगों के सामने फाइट-फाइट और वोट-वोट के नारे लगाए। मस्क ने मंच पर आकर कहा, संविधान को संरक्षित करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को जीतना होगा। हमारे जीवनकाल का यह सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है और अमेरिका में लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए ट्रंप को जीतना ही होगा।

उन्होंने कहा कि डेमोक्रेट पार्टी लोगों से वोट देने के अधिकार को छीनना चाहते हैं। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले पेंसिल्वेनिया में इसी जगह पर चुनावी रैली के दौरान ट्रंप को गोली लगी थी। ट्रंप ने गोलीबारी के बाद जहां से अपना भाषण छोड़ा था वहीं, से शुरू किया। बता दें कि 13 जुलाई को जब ट्रंप अपना भाषण दे रहे थे तो उनपर गोली चलाई गई थी। ट्रंप ने जुलाई में हुई हत्या की कोशिश को याद करते हुए कहा, मैं कभी हार नहीं मानूंगा। मैं कभी झुकूंगा नहीं। मैं कभी टूटूंगा नहीं। मैं कभी झुकूंगा नहीं, मौत के सामने भी नहीं। बताते चलें कि इस साल 5 नवंबर को अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होना है।

लेबनान की राजधानी बेरूत पर इजरायल ने की एक और बड़ी एयरस्ट्राइक, हिजबुल्लाह के 440 लड़ाके ढेर

बेरूत, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायली सेना ने लेबनान के दक्षिणी बेरूत पर एक और भीषण हवाई हमला किया है। हमले की तस्वीरें और वीडियो देखकर आपकी आत्मा भी कांप उठेगी। रॉयटर्स के प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में शनिवार देर रात से रविवार तक बड़े पैमाने पर लगातार हमले हुए। इससे शहर भर में धमाके सुनाई देते रहे और कई किलोमीटर दूर से लगभग 30 मिनट तक आसमान में लाल और सफेद रंग की चमक दिखाई दी। आसमान में आग की लपटें और काला धुआं भी देखा गया। इजरायली सेना ने अपने अभियान के दौरान अब तक 440 हिजबुल्लाह लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हमला इतना अधिक घातक था कि पूरा बेरूत दहल गया। इस हमले में सैकड़ों इमारतें ताश के पत्तों की तरह एक साथ बिखर गईं। हालांकि हमले के दौरान होने वाली मौतों के बारे में अभी कोई सूचना सामने नहीं आ सकी है। मगर ईरान समर्थित सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह के

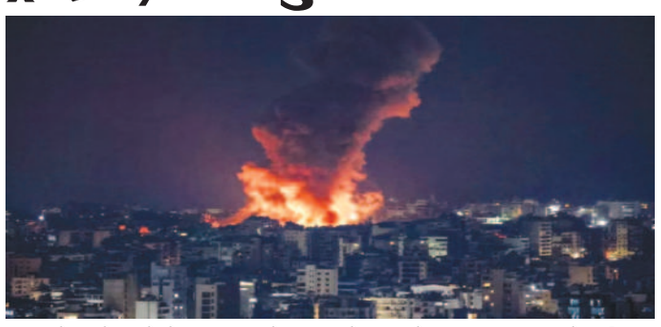

गढ़ माने जाने वाले बेरुत उपनगरों पर इज़रायल की इस बमबारी से भारी नुकसान की आशंका जाहिर की गई है। अभी कुछ दिन पहले ही इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के नेता सैय्यद हसन नसरल्लाह को मार डाला था। इसके बाद हाशिफ सफीद्दीन नया हिजबुल्लाह चीफ बना था। संभवतः नसरल्लाह के इस उत्तराधिकारी की मौत हो गई है। क्योंकि कई दिनों पहले आईडीएफ ने सफीद्दीन के मारे जाने की आशंका जाहिर की थी, तब से वह किसी के संपर्क में नहीं है।

1 हफ्ते से संपर्क में नहीं है सफीद्दीन

लेबनान के एक सुरक्षा सूत्र ने शनिवार को कहा कि शहर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक इजरायली हवाई हमले के बाद हाशिम सफीदीन संपर्क से बाहर हो गए थे। इजरायल ने यह हमला बीते शुक्रवार को किया था, जिसमें कथित तौर पर उसे निशाना बनाया गया था। इज़रायली सेना ने 27 सितंबर को बेरूत में समूह के केंद्रीय कमान मुख्यालय पर हमले में नसरल्लाह को मार गिराया था। इसके बाद हिजबुल्लाह ने पुष्टि कर दी थी कि वह मारा गया है। मगर सफीद्दीन को लेकर अभी तक हिजबुल्लाह की ओर से कोई घोषणा नहीं की गई है। लेबनानी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि मध्य बेरूत के दक्षिण में एक आवासीय क्षेत्र और हिजबुल्लाह के गढ़ दहियाह पर शुक्रवार से इजरायली हमलों ने बचावकर्मियों को गुरुवार रात के हमले की जगह का पता लगाने से रोक दिया है।

हिजबुल्लाह के 2000 ठिकाने तबाह

इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा कि इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में अपने जमीनी अभियान में 440 हिजबुल्लाह लड़ाकों को मार गिराया है और 2,000 हिजबुल्लाह ठिकानों को नष्ट कर दिया है। हिजबुल्लाह ने मरने वालों की संख्या जारी नहीं की है। इज़रायल का कहना है कि उसने उत्तरी इज़राइल में अपने घरों में हजारों नागरिकों की सुरक्षित वापसी को सक्षम करने के लिए हिजबुल्लाह पर अपना हमला तेज कर दिया है। इज़रायली अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि दक्षिणी लेबनान में अब तक नौ इज़रायली सैनिक भी मारे गए हैं।

हमास के हमले का एक साल: फिर अलर्ट पर इजराइल किस मांग के लिए सड़कों पर उतरे कई देशों के लोग?

हमास, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। 7 अक्टूबर को इजराइल एक बार फिर दहल सकता है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई ने अलर्ट जारी किया है कि ईरानी प्रॉक्सी संगठन इजराइल पर बड़े हमले की तैयारी में हैं। इसके लिए यमन,सीरिया और इराक से हजारों लड़ाके लेबनान पहुंच रहे हैं। ईरानी प्रॉक्सी के हमलों का ब्लूप्रिंट ईरान ने तैयार किया है। इजराइल के शहरों के साथ साथ गोलन हाइट्स पर भी हमले किए जा सकते हैं। इन हमलों के लिए अब बस ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई के फरमान का इंतजार है। जिसके बाद ईरानी प्रॉक्सी पिछले साल 7 अक्टूबर जैसा ही हमला कर सकते हैं। हालांकि इजराइल ने थ्री लेयर डिफेंस सिस्टम लगाकर हमलों को नाकाम करने का प्लान बना लिया है। जबकि बॉर्डर पर भी अतिरिक्त तैनाती कर दी गई है। जुमे के दिन जैसे-जैसे खामेनेई की जुबान से जिहादी तकरीरें निकल रहीं थी वैसे-वैसे ईरानी प्रॉक्सी का जोश हाई होता गया। जैसे-जैसे खामेनेई इजराइल के खिलाफ बोल रहे थे, वैसे-वैसे ईरान के प्रॉक्सी संगठन इजराइल की तबाही का ख्वाब देखने लगे और उसका असर ये हुआ कि ईरानी प्रॉक्सी संगठनों के हजारों लड़ाके इजराइल पर हमला करने के लिए तैयार हैं। वो लेबनान जाकर हिज्बुल्लाह की मदद करना चाहते हैं। जुमे को दी गई तकरीर के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई ने ईरानी प्रॉक्सी के कमांडर्स के साथ मीटिंग की। जिसमें इजराइली तबाही का ब्लूप्रिंट बनाया गया अब से ठीक 1 दिन बाद एक बहुत बड़ा हमला इजराइल पर हो सकता है। इसके लिए ईरानी प्रॉक्सी को हथियार पहुंच रहे हैं, साथ ही प्रॉक्सी लड़ाकों को गुरिल्ला युद्ध नीति के जरिए हमलों की ट्रेनिंग दी जा रही है। 7 अक्टूबर हमले के एक साल पूरा होने पर ईरान फिर से रोता-बिलखता, चीखता इजराइल देखना चाहता है। पिछले साल हमास ने दहलाया था, इस बार हिज्बुल्लाह और हूती साथ मिलकर हमला कर सकते हैं। अमेरिका की खुफिया एजेंसी एफबीआई ने अलर्ट जारी कर बताया कि 7 अक्टूबर को हमास के हमले के एक साल पूरा होने पर ईरानी प्राक्सी इजराइल पर बहुत बड़े हमले की फिराक में है। इस बार हमले पहले से कहीं बड़ा सकता है, इजराइल को सतर्क रहने की जरूरत है रूस और इराक से लगातार प्रॉक्सी गुटों को हथियार मिल रहे हैं, जिसमें हूती के पास सबसे ज्यादा रूसी हथियार पहुंच गए हैं। जबकि दूसरे संगठनों को भी सैन्य सहायता दी जा रही है। इसी वजह से इजराइल पर 7 फ्रंट पर घिर गया है। पहला और सबसे हमलावर फ्रंट लेबनान बन चुका है, जहां से हिजबुल्लाह हमले कर रहा है। दूसरे फ्रंट पर वेस्ट बैंक से इजरायल पर हमले हो रहे हैं। वहां हिजबुल्लाह की मदद इस्लामिक जिहाद ग्रुप कर रहा है। तीसरे फ्रंट गाजा में इजराइल पिछले 11 महीने से उलझा है।

जहां हमास लड़ाके घात लगाकर हमला कर रहे हैं। यमन फ्रंट पर हूती आक्रामक है, जिसने लाल सागर में पश्चिमी देशों के कारोबारी जहाजों को टारगेट किया हुआ है। पांचवा फ्रंट ईरान है। जो कभी भी इजराइल पर मिसाइल स्ट्राइक कर सकता है। छठा फ्रंट इराक से कताइब हिजबुल्लाह भी हमले की तैयारी कर रहा है। सातवा फ्रंट सीरिया में बद्र ऑर्गेनाइजेशन है जो अमेरिका सैन्य ठिकानों पर हमला कर रहा है। यानी हालात अरब में बेहद खौफनाक हो चुके हैं।

टूरिस्ट से शादी फिर तलाक

इंडोनेशिया, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। शादी एक बहुत ही पवित्र बंधन होता है, जिसमें लड़का और लड़की पूरी जिंदगी साथ रहने का एक दूसरे से वादा करते हैं और साथ में परिवार शुरू करते हैं। कुछ शादी के रिश्तों में दिक्कतें आने के बाद कपल एक दूसरे से तलाक ले कर अलग भी हो जाते हैं, लेकिन आप यह जान कर हैरान हो जाएंगे कि इंडोनेशिया में प्लेजर मैरिज के नाम से एक प्रथा चल रही है, जहां छुट्टियों पर घूमने आए टूरिस्ट के साथ शादी की जाती है और फिर तलाक हो जाता है। इंडोनेशिया में यंग महिला पैसों के बदले देश में मिडिल ईस्ट से घूमने आए लोगों से शादी करती हैं,

यह एक शोर्ट टर्म शादी होती है। यह लड़कियां गरीब घरों की होती हैं।

अमेरिका में प्रलयकारी तूफान 'हेलेन' ने बरपाया कहर, मृतकों की संख्या बढ़कर 227

वॉशिंगटन, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में 'हेलेन' तूफान से बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। इस प्रलयकारी तूफान के कारण मची तबाही में मृतकों की संख्या बढ़कर 227 हो गई। इस भयानक तूफान ने अमेरिका के दक्षिण-पूर्व में भारी तबाही मचाई और छह राज्यों में लोगों की मौत हुई है। तूफान के कारण मची तबाही में मारे गए लोगों के शवों को निकालने का काम एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी जारी है।

बड़े पैमाने पर तबाही

प्रलयकारी तूफान 'हेलेन' ने 26 सितंबर को तट पर दस्तक दी और फ्लोरिडा से उत्तर की ओर बढ़ते हुए बड़े पैमाने पर विनाश किया। तूफान के प्रभाव से हुई भीषण बारिश में कई मकान बह गए, कई सड़कें नष्ट हो गईं तथा बिजली एवं मोबाइल फोन सेवाएं ठप हो गईं। तूफान में मारे गए लोगों की संख्या शुक्रवार को 225 थी और इसके अगले दिन यानी शनिवार को 'साउथ कैरोलाइना' में दो और लोगों की मौत के मामले सामने आए। यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि कितने लोग लापता हैं। इस बात का भी अंदाजा नहीं लगाया जा सकता कि मृतक संख्या कितनी और बढ़ सकती है।

सबसे घातक तूफान

'हेलेन' 2005 में 'कैटरीना' तूफान के बाद अमेरिका की मुख्य भूमि पर आया सबसे घातक तूफान है। उत्तरी कैरोलिना, जॉर्जिया और दक्षिण कैरोलिना में बड़ी संख्या में लोग

हताहत हुए हैं। उत्तरी कैरोलिना के पश्चिमी पहाड़ों में स्थित एशविले शहर में तूफान से बड़ी तबाही मची है। तूफान के गुजरने के बाद श्रमिकों ने न्यू बेल्जियम ब्रूइंग कंपनी के बाहर कीचड़ और गंदगी को साफ करने के लिए झाड़ू और भारी मशीनों का इस्तेमाल किया। यह फ्रेंच ब्रॉड नदी के बगल में स्थित है और काफी प्रभावित हुआ है। अब तक उत्तरी कैरोलिना के लोगों को संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी द्वारा स्वीकृत व्यक्तिगत सहायता के रूप में 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि प्राप्त हुई है। गवर्नर रॉय कूपर के कार्यालय के अनुसार, 83,000 से अधिक लोगों ने व्यक्तिगत सहायता के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है।

तट से काफी दूर के इलाकों को भी झकझोर दिया

हेलेन तूफान कितना विनाशकारी था इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फ्लोरिडा के खाड़ी तट पर जहां तूफान ने दस्तक दी थी, उससे बहुत दूर पहाड़ी कस्बों तक तो इसने झकझोर दिया, जिसमें टेनेसी के पहाड़ भी शामिल हैं ।

एक सरपंच तो दूसरी इंजीनियर जो आदिवासी समाज के लिए बनी रोल मॉडल

राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

सिरोही, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले में आदिवासियों के पवित्र धाम मानगढ़ में शुक्रवार को आयोजित आदि गौरव सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सामाजिक बदलाव की वाहक सरपंच रेखा कुमारी व सोलर इंजीनियर थावरी बाई को उनकी अनुकरणीय सेवाओं व योगदान के लिए सम्मानित किया।

रेखा कुमारी सिरोही जिले के आबूरोड ब्लॉक की ग्राम पंचायत निचलागढ़ की सरपंच है। वहीं, थावरी बाई भी इसी गांव की रहने वाली है। समारोह में राष्ट्रपति मुर्मु ने सरपंच रेखा कुमारी को आदि ग्रामोत्थायन गौरव सम्मान व थावरी बाई को आदि सेवा गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

आदिवासी किशोरियों में शिक्षा की अलख जगाई

सरपंच रेखा कुमारी ने दूसरा दशक परियोजना में आवासीय शिविर की एक सहभागी के रूप में जुड़कर सतत पढाई करते हुए सीनियर सैकण्डरी तक की शिक्षा पूर्ण की। इसके बाद दूसरा दशक के जाग्रत महिला संगठन की सक्रिय कार्यकर्ता बनीं।

उन्होंने आदिवासी किशोरियों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चार माह के आवासीय शिविर में एक शिक्षिका की भूमिका निभाई। रेखा का एक बार सरपंच बनने का सपना था।

आदिवासी क्षेत्र में जाग्रत महिला संगठन की सक्रिय कार्यकर्ता और समाज के लिए किए गए प्रयासों के कारण उसे समुदाय ने सरपंच बनाया। आज आदिवासी समाज में रेखा कुमारी व थावरी बाई एक रोल मॉडल के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु से मिला सम्मान स्व. अनिल बोर्दिया के लिए सच्ची श्रद्धांजलि है।

थावरी ने 350 घरों में लगाए सोलर सिस्टम

इधर, सोलर इंजीनियर थावरी बाई ने बिंदी इंटरनेशनल संस्था के माध्यम से किशनगढ़ के हरमाड़ा में सोलर सिस्टम का 6 माह का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद उन्होंने अपने साथ प्रशिक्षित नौ आदिवासी महिलाओं के साथ अपने समुदाय के लोगों को सोलर लाइट लगाने के लिए प्रेरित किया।

थावरी ने भाखर के निचलागढ़ समेत करीब 20 फलियों में 350 घरों में संस्था की तरफ से निःशुल्क सोलर सिस्टम लगाए। आज इस सिस्टम से प्रत्येक घर में चार बल्ब रोशनी फैला रहे हैं व एक पंखे से गर्मी में राहत मिल रही है। थावरी इन सोलर सिस्टम में तकनीकी खराबी आने पर खुद ठीक करने पहुंचती है।

बेकाबू डंपर ने 16 लोगों को कुचला, 5 की मौत

रोड़ी से भरे डंपर ने लालसोट बस स्टैंड पर एक दर्जन से ज्यादा लोगों को कुचल दिया

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। जिले के लालसोट बस स्टैंड पर तेज रफ्तार डंपर ने 16 लोगों को कुचल दिया। जिनमें से 5 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, 10 लोगों को गंभीर हालत में जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने लालसोट बाजार में जाम लगा दिया और डंपर को घेरकर पुलिस प्रशासन की खिलाफ जमकर नारेबाजी की। फिलहाल, पुलिस लोगों से समझाइश में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक रोड़ी से भरे डंपर ने लालसोट बस स्टैंड पर एक दर्जन से ज्यादा लोगों को कुचल दिया। इसके बाद अनियंत्रित डंपर बस में जा घुसा। हादसा दोपहर 12 बजे के आसपास हुआ। ब्रेक फेल होने के कारण डंपर बेकाबू हो गया और बड़ा हादसा हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद डंपर में फंसे शवों को बाहर निकाला। वहीं, हादसे में घायल लोगों को सरकारी अस्पताल भेजा गया। जहां से 10 लोगों को गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया। वहीं, एक घायल का लालसोट के अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने 5 मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है।

घटना के बाद भड़के स्थानीय लोग, लगाया जाम

इधर, बस स्टैंड पर बेकाबू डंपर से लोगों को कुचलना का मामला सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश व्याप्त है। घटना के बाद मौके पर सैंकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। गुस्साएं लोगों ने बाजार बंद करवाकर सड़क पर जाम लगा दिया। मामला बढ़ता देख पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। डिप्टी एसपी उदय सिंह मीणा समेत कई थाना अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं, भारी संख्या में पुलिस जाप्ता मौके पर तैनात किया गया है। पुलिस ने विरोध के बाद डंपर को मौके से हटवाया। पुलिस अधिकारी लोगों से समझाइश में जुटे हुए है।

राजधानी जयपुर में आधी रात तनाव, पुलिस लाइन से बुलाना पड़ा अतिरिक्त जाप्ता, जानिए पूरा मामला

हादसे के लिए पुलिस-प्रशासन को बताया जिम्मेदार

पीसीसी सदस्य कमल मीणा सहित अन्य लोगों ने हादसे के लिए पुलिस-प्रशासन को जिम्मेदार बताया है। लोगों का कहना है कि सुबह 8 से रात 8 बजे तक इस इलाके में बड़े वाहनों की नो एंट्री है। इसके बाद भी बड़े वाहन भीड़भाड़ वाले इलाके से निकलते है। लेकिन, पुलिस प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

केकड़ी विधायक बोले- पूर्ववर्ती सरकार ने बिना तैयारी और मापदंडों के बना दिए नए जिले

केकड़ी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नए बनाये गए जिलों में से केकड़ी सहित कुछ जिलों को हटाए जाने की अटकलों के बीच केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने पांच साल तक कोई काम नहीं किया तथा चुनाव आने से ठीक पहले बिना सोचे समझे एक साथ इतने जिले बना दिए। इसके लिए किसी तरह की तैयारी नहीं की गई और न ही मापदण्डों का ध्यान रखा गया।

केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने पांच साल तक कोई काम नहीं किया तथा चुनाव आने से ठीक पहले बिना सोचे समझे एक साथ इतने जिले बना दिए। इसके लिए किसी तरह की तैयारी नहीं की गई, मापदण्डों का ध्यान नहीं रखा गया। राजनीतिक हितों को साधने के लिए जल्दबाजी में जिले बनाने का फैसला लिया गया, जो उन्हीं की सरकार पर उल्टा पड़ गया। जिन विधानसभा क्षेत्रों को जिला बनाया गया, वहां एक भी सीट पर कांग्रेस

प्रत्याशी को जीत हासिल नहीं हुई। ऐसे में यह स्पष्ट है कि सरकार के फैसले में कहीं न कहीं कोई कमी है। उन्होंने ये बात यहां बार एसोसिएशन द्वारा चल रहे धरने में अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कही। केकड़ी जिला यथावत रखने की मांग को लेकर जिला बार एसोसिएशन के आह्वान पर यहां कचहरी परिसर में पिछले 10 दिन से चल रहा धरना विधायक शत्रुघ्न गौतम के साथ चर्चा के बाद स्थगित कर दिया गया। धरने को संबोधित करते हुए विधायक शत्रुघ्न गौतम ने कहा कि राजस्थान में बने नए 17 जिलों में से एक भी जिला यथावत रहेगा तो केकड़ी जिला भी यथावत रहेगा। वहीं, 17 बने नए जिलों में से एक भी जिले की सीमा का विस्तार हुआ। तो सबसे पहले केकड़ी जिले की सीमा का विस्तार होकर जिला यथावत रहेगा।

धरने को संबोधित करते हुए गौतम ने कहा कि केकड़ी जिले के मामले में जनभावना का आदर किया जाएगा। सरकार यहां की जनता का सम्मान बरकरार रखेगी। जनभावना के अनुसार निर्णय नहीं होने पर वे केकड़ी की जनता के साथ खड़े है। वे जनता के प्रतिनिधि है ऐसे में जनता के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने पहले भी जिले को लेकर कभी कोई बयान नहीं दिया है, अभी भी वे इसे हटाने के पक्ष में नहीं है। यह बात जरूर है कि जिलो का गठन सही ढंग से किया जाता तो आज इस तरह की बात नहीं होती।

गौतम ने कहा कि नए जिलों के लिए सिर्फ पचास-पचास लाख रुपये घोषित किए गए, जबकि नए बने जिलों के लिए कम से कम सौ-सौ करोड़ रुपये की घोषणा की जानी चाहिए थी। पूर्व विधायक डॉ. रघु शर्मा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि केकड़ी क्षेत्र का हित प्रभावित होने पर वे खुद पच्चीस हजार लोगों को साथ लेकर नंगे पैर जयपुर कूच करने के लिए तैयार है। जनभावना का आदर करते हुए पूर्व विधायक शर्मा को भी उनके साथ पैदल जयपुर चलना होगा।

गौतम ने कहा कि अभी जिला समाप्त होने की घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में धरना प्रदर्शन करने का कोई औचित्य नहीं है। अधिवक्तागण के न्यायिक बहिष्कार के कारण कोर्ट में आने वाले पक्षकारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आपसी चर्चा के बाद जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार मीणा ने धरना प्रदर्शन स्थगित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सोमवार को सभी वकील विधिवत रूप से काम पर लौट जाएंगे। धरने को बार के पूर्व अध्यक्ष मदनगोपाल चौधरी ने भी संबोधित किया।

फ्री गेहूं पर मंडराया संकट! सरकार ने व्यवस्था में किया बदलाव

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में खाद्य सुरक्षा योजना के तहत गरीबों का गेहूं रास्ते में गायब होने की समस्या का समाधान करने के लिए सरकार ने तीन महीने पहले व्यवस्था में बदलाव किया। अब गेहूं परिवहन का कार्य जिला नागरिक आपूर्ति प्रबंधकों से लेकर जिला रसद अधिकारियों को सौंपा गया है। इसके बावजूद, हालात में कोई सुधार नहीं आया है। जयपुर जिले में अब भी राशन की दुकानों तक पहुंचने से पहले ही हजारों क्विंटल गेहूं परिवहन के दौरान गायब हो रहा है। पिछले तीन महीने में ही 2,000 क्विंटल से अधिक गेहूं राशन डीलरों तक पहुंचने से पहले ही गुम हो चुका है।

गड़बड़ी और ठेकेदारों की मिलीभगत

पत्रिका की पड़ताल में सामने आया है कि क्रय विक्रय सहकारी समितियों ने गेहूं परिवहन का कार्य मिलते ही उसमें गड़बड़ियां करना शुरू कर दिया है। चहेते ठेकेदारों को बिना टेंडर के ही काम सौंपा गया है। परिवहन ठेकेदारों ने गेहूं राशन डीलरों तक पहुंचने से पहले ही उसे गायब करना शुरू कर दिया। विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ठेकेदार बिना बिल्टी बनाए ही गेहूं का परिवहन कर रहे हैं, जिससे यदि गेहूं गायब होने की जांच हो, तो ठीकरा आसानी से क्रय विक्रय सहकारी समितियों पर डाला जा सके।

10 करोड़ का गेहूं गायब, ठेकेदार का टेंडर निरस्त

कांग्रेस सरकार के दौरान जयपुर जिले में गेहूं परिवहन ठेकेदार ने 10 करोड़ रुपए की लागत का गेहूं गायब कर दिया। विभाग के तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार की जांच में यह बात सामने आई थी। इसके बाद ठेकेदार का टेंडर निरस्त कर दिया गया। बताया जा रहा है कि क्रय विक्रय सहकारी समितियां और रसद विभाग के अधिकारी मिलकर पुराने ठेकेदार से ही गेहूं परिवहन करा रहे हैं।

लाभार्थियों और डीलरों के बीच विवाद

अब स्थिति यह है कि जिस राशन डीलर के पास गेहूं कम पहुंचता है, वह कम लाभार्थियों को वितरण करता है। इससे लाभार्थियों और डीलरों के बीच आए दिन विवाद हो रहे हैं। डीलर भी यही कहते हैं कि इस बार गेहूं कम है और अगले महीने दो माह का गेहूं दिया जाएगा।

गहलोत बोले- सरकार नहीं सर्कस चल रहा

अधिकारी-लोग डेंगू से मर रहे हैं, प्रदेश में हालात खराब; मुख्यमंत्री दिल्ली अप-डाउन कम करें

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत रविवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हुए कहा - दिव्यांग यूनिवर्सिटी खोली थी उसका पता ही नहीं है। सारे विकास के काम धीमे चल रहे हैं। स्थिति बड़ी नाजुक है और हम विपक्ष में हैं, विपक्ष में रहकर भूमिका अदा करेंगे।

हरियाणा में सरकार बनते ही राजस्थान वाली योजनाएं लागू करेंगे

हरियाणा में चुनाव के बाद आ रहे एग्जिट पोल को लेकर गहलोत ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि इससे साफ पता चल रहा है कि कांग्रेस के समर्थन में अब फिर से माहौल बन रहा है। गहलोत को हरियाणा चुनावों में सीनियर ऑब्जर्वर बनाया गया था।

पूर्व सीएम ने हरियाणा चुनाव में रेवाड़ी, नारनौल और महेंद्रगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए जनसभाएं की थीं। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा था- हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनते ही राजस्थान वाली योजनाएं लागू करेंगे। यहां जो गारंटियां कांग्रेस पार्टी ने दी है।

गहलोत बोले- एसओजी ने हाईकोर्ट में यू-टर्न ले लिया

संजीवनी मामले पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को क्लीन चिट मिलने के सवाल पर गहलोत ने कहा- मैंने इस मामले में X पर अपना पक्ष रख दिया था। बता दें कि इस मामले को लेकर 26 सितंबर को किए एक ट्वीट में गहलोत ने एसओजी पर यू-टर्न लेने का आरोप लगाया था।

पूर्व सीएम ने आरोप लगाया था कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद एसओजी ने हाईकोर्ट में यू-टर्न ले लिया। इस केस के जांच अधिकारी को भी हटा दिया। भाजपा सरकार की ओर से नामित सरकारी वकीलों ने भी केंद्रीय मंत्री का ही पक्ष लिया। इन सबके बावजूद हाईकोर्ट ने मंत्री की याचिका के अनुरूप केस को रद्द नहीं किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट की इजाजत लेकर आगे कार्रवाई की जा सकती है।

सड़क पर दौड़ती लग्जरी कार बनी आग का गोला

सांवरिया सेठ के दर्शन को जा रहे 6 श्रद्धालु बाल-बाल बचे

भीलवाड़ा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में सड़क पर दौड़ती एक लग्जरी कार में अचानक आग लग गई और धू-धूकर जलने लगी। घटना रविवार सुबह की बताई जा रही है। आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन तब तक आग का गोला बनी एसयूवी कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि कार सवार एक ही परिवार के आधा दर्जन लोग बाल-बाल बच गए।

भीलवाड़ा में बेरा चौराहे के पास घटना घटित हुई। अजमेर-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे 48 पर चलती लग्जरी कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। हालांकि, कार चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। कार से धुंआ उठते देख चालक ने कार रोकी और उसमें सवार सभी लोग नीचे उतर गए। अगर पता नहीं चलता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

2 दमकल की गाड़ियों से पाया आग पर काबू

आसपास के लोगों ने तुरंत घटना की जानकारी दमकल विभाग व पुलिस प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही नानपुरा पुलिस चौकी के जवान मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में दमकल की दो गाड़ियां भी मौके पर आ गई। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी।

पुलिस के मुताबिक एक ही परिवार के 6 लोग अजमेर से चित्तौडगढ़ के मंडफिया स्थित श्री सांवरिया सेठ मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। तभी भीलवाड़ा में यह हादसा हो गया। कार में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

कनपटी पर हथियार ताने था बदमाश

फिर भी डिप्टी मैनेजर की हरकत ने बचा ली बैंक लूट

भरतपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के भुसावर-थाना के नेशनल हाईवे पर स्थित गांव बाछरैन में संचालित पंजाब नेशनल बैंक में दो नकाबपोश बदमाशों ने लूट का प्रयास किया। बैंक के अंदर घुसकर हथियार के बल पर लोगों को डराने का प्रयास किया, लेकिन बैंक कर्मियों की सूझबूझ से लूट की वारदात टल गई और एक बदमाश कार्मिकों सहित ग्रामीणों के हत्थे चढ़ गया। वहीं, दूसरा बदमाश भागने पर कामयाब हो गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई और बदमाश को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे के बाछरैन पर स्थित पंजाब नेशनल बैंक को एक बार फिर बदमाशों ने अपना निशाना बना लिया। पिछले तीन दिन से बैंक की रेकी कर रहे दो नकाबपोश

बदमाश दिनदहाडे.हाथों में अवैध हथियार लेकर घुस गए और बैंक के मैनेजर रोहताश मीणा एवं डिप्टी मैनेजर विनोद सिंह की कनपटी पर हथियार तानते हुए लूट करने का प्रयास किया।

डिप्टी मैनेजर विनोद सिंह की सूझबूझ काम आ गई और उन्होंने तुरंत सायरन दबा दिया।

जिससे सायरन की आवाज सुनकर पड़ोसी संदीप एवं सुखबीर सहित कई ग्रामीण मौके पर आ गए। सायरन की आवाज सुनकर भाग रहे बदमाशों में से एक बदमाश ग्रामीणों और बैंककर्मियों के हत्थे चढ़ गया। दूसरा बदमाश भागने में कामयाब रहा और बाइक को मौके पर छोड़ गया। घटना की सूचना ग्रामीणों द्वारा भुसावर थाना पुलिस को दी गई, जिस पर तुरन्त पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

थानाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि गांव बाछरैन की बैंक में लूट के प्रयास की हुई वारदात की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए आरोपी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। इससे पहले भी एक बार अज्ञात बदमाशों द्वारा बैंक की दीवार को तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया था।

संविदाकर्मियों को मिली पक्की नौकरी

सीकर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के तमाम दावें धरातल पर धराशाई हो रहे हैं। पिछले दस साल में सरकार ने केवल चिकित्सा विभाग में ही दो बार संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के लिए नौकरी की राहें खोलीं। जबकि शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, जलदाय, विद्युत निगम सहित अन्य महकमों के संविदा कर्मचारियों को अभी भी पक्की नौकरी का इंतजार है। पिछले दिनों में जयपुर में एक संविदा कर्मचारी के आत्महत्या करने के बाद इसे लेकर आक्रोश बढ़ गया है। सरकार संविदा कर्मचारियों के लिए बने कायदों का रिव्यू करने का दावा कर रही है। लेकिन हकीकत यह है कि पिछली सरकार के समय संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के लिए बनी गाइडलाइन भी राहत नहीं दे पा रही है। हालात यह है कि कई सालों तक विभागों में सेवाएं देने के बाद भी उन्हें न्यूनतम मजदूरी तक मिल पा रही है।

विश्व प्रसिद्ध चांद बावड़ी में हुआ आभानेरी उत्सव

सांस्कृतिक संध्या के दौरान झूमे विदेशी पर्यटक

दौसा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऐतिहासिक एवं कलात्मक नगरी आभानेरी की चांद बावड़ी परिसर में आयोजित दो दिवसीय आभानेरी उत्सव 2024 के पहले दिन आयोजित सांस्कृतिक संध्या में मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार एवं विशिष्ट अतिथि बांदीकुई विधायक भागचंद टांकडा रहे। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या के दौरान विभिन्न राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

उधर पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्रसिंह शेखावत ने बताया कि सांस्कृतिक संध्या में विश्व प्रसिद्ध राजस्थानी कलाकारों एवं उनकी टीमों द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें मंगणियार गायन साकर खां, भपंग वादन युसूफ, तेरह ताली नृत्य पर गंगा

देवी, कच्छी घोड़ी नृत्य पर बनवारीलाल जाट, पद दंगल पर प्रभु दयाल, चंग ढप नृत्य पर सुरेंद्र घिंटाला, घूमर व चरी नृत्य पर अंजना कुमावत, कालबेलिया नृत्य चंदालाल एवं रिम भवाई नृत्य पर बने सिंह ने प्रस्तुतियां दीं। उत्सव के दूसरे दिन भी लोक कलाकारों द्वारा कच्छी घोड़ी नृत्य, कठपुतली नृत्य, पद दंगल, बहरुपिया और शहनाई के माध्यम से पर्यटकों को राजस्थानी संस्कृति से रूबरू करवाया गया।

उन्होंने बताया कि फेस्टिवल में स्थानीय कारीगरों एवं कलाकारों द्वारा लाख की चूड़ी, मिट्टी के सिकोरे, दरी निर्माण एवं मैजिक शो दिखाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। सांस्कृतिक संध्या में उपखंड अधिकारी बांदीकुई रामसिंह राजावत, तहसीलदार बांदीकुई, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधिकारीगण, जिलाध्यक्ष डॉ प्रभुदयाल शर्मा, जनप्रतिनिधिगण, विदेशी एवं देशी पर्यटक तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

शिकायत से नाराज युवक ने घर में घुसकर तेजाब फेंका

डर के मारे खुद ही पहुंच गया थाने

अलवर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर के टोली का कुआं इलाके में एक व्यक्ति पर तेजाब फेंकने का मामला प्रकाश में आया है। घटना में पीड़ित की आंखें बुरी तरह झुलस गई हैं। इस व्यक्ति का राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार कराया गया। पीड़ित की पत्नी तारा ने बताया की घटना के दौरान राजेंद्र घर में खाना खा रहे थे, तभी कमल उर्फ सुन्नी उनके घर आया और तेजाब जैसा ज्वलनशील पदार्थ चेहरे पर डाल कर भाग गया, जिससे राजेंद्र की आंखें बुरी तरह से झुलस गई हैं। पीड़ित की पत्नी तारा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके अलावा पूरे मोहल्ले लोग उस युवक से परेशान हैं। मोहल्ले के लोगों ने कमल के खिलाफ दो दिन पहले पुलिस में लिखित शिकायत दी थी। उसके बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। महिला ने कहा कि अगर पुलिस कमल को पाबंद करती तो उनके साथ ऐसी घटना नहीं होती। यह तेजाब क्यो फेंका गया इसकी जानकारी घरवालों को भी नहीं है क्योंकि जिस व्यक्ति पर तेजाब फेंक गया उसकी आरोपी से कोई रंजिश भी नहीं है और न ही कभी कोई झगड़ा हुआ है।

टेक्नोलॉजी से पायलटों को मिलेगी मदद बढ़ेगा विश्वास : अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री ने की लोको निरीक्षकों से बात

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नासिक दौरे के दौरान मुख्य लोको निरीक्षकों से सुरक्षित रेल परिचालन, टेक्नोलॉजी के अपग्रेडेशन, लोको पायलटो के विश्राम,नियमित प्रशिक्षण जैसे मुद्दों पर विस्तार से बातचीत की और लोको निरीक्षकों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किये। नासिक स्थित भारतीय रेलवे विद्युत इंजीनियरिंग संस्थान (आईआरईईएन) में प्रशिक्षण ले रहे चीफ लोको इंस्पेक्टर्स के साथ रेल मंत्री ने भारतीय रेलवे पर लोकोमोटिव संचालन के आधुनिकीकरण और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने से संबंधित विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। रेल मंत्री वैष्णव ने सामान्य रूप से अपने प्रशिक्षण अनुभवों और विशेष रूप से 'कवच' के उपयोग के बारे में सीएलआई से बातचीत की। सीएलआई ने इस बारे में अपनी

अंतर्दृष्टि साझा की कि कैसे कवच प्रणाली गति बनाए रखने और ट्रेन संचालन के दौरान सुरक्षा और समय की पाबंदी दोनों में सुधार करने में उनका आत्मविश्वास बढ़ाती है।

चर्चाओं में आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम, लोकोमोटिव में नई तकनीक और प्रभावी चालक दल प्रबंधन प्रथाओं पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। भोपाल डिवीजन के सीएलआई एस के राठी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जैसे इंटरलॉकिंग स्टेशन मास्टर के लिए, पीएससी स्लीपर ट्रैक ट्रैकमैन की मदद करता है, वैसे ही कवच तकनीक लोको पायलटों को सुरक्षित ट्रेन संचालन में मदद करती है। इसी क्रम में, एक सीएलआई ने कहा कि कवच तकनीक न केवल सुरक्षित ट्रेन संचालन की ओर ले जाती है, बल्कि उन्हें और उनके परिवार को तनाव मुक्त भी रखती है। कवच एसपीएडी (सिग्नल पासिंग एट डेंजर) घटनाओं को रोकने में मदद करता है और लेवल क्रॉसिंग गेट्स पर सुरक्षा सुनिश्चित करता है, ऐसा एक अनुभव सीएलआई ने बताया। रेल मंत्री ने चालक दल के लिए काम करने की स्थिति में सुधार करने के लिए रेलवे के प्रयासों की सराहना की, जिसमें 100 प्रतिशत वातानुकूलित रनिंग रूम और रनिंग स्टाफ के लिए बेहतर सुविधाएं शामिल हैं।

उन्होंने ड्यूटी रोस्टर को विभाजित करके ड्यूटी के घंटों को कम करने और लोको कैब को एयर-कंडीशनिंग, शौचालय और एर्गोनोमिक सीटों से लैस करके उनकी सुरक्षा बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों की भी सराहना की। रेल मंत्री ने सीएलआई से आग्रह किया कि वे शुरू की जा रही आधुनिक प्रौद्योगिकियों का पूरा लाभ उठाएं तथा भारतीय रेलवे के उच्च मानकों को बनाए रखने में निरंतर सीखने, समर्पण और प्रतिबद्धता के महत्व पर बल दिया।

भारतीय गेंदबाजों के बाद चली बल्लेबाजों की आंधी...

71 गेंदों में बांग्लादेश को रौंदा

ग्वालियर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम इस समय अपने घर में बांग्लादेश के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेल रही है। इसका पहला मुकाबला रविवार (6 अक्टूबर) को ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम में खेला गया। मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने धांसू खेल दिखाया और 7 विकेट से जीत दर्ज की।

दरअसल, मैच में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद बांग्लादेश की टीम 128 रनों का टारगेट ही दे सकी। जवाब में भारतीय टीम ने 3 विकेट गंवाकर 11.5 ओवरों में ही मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारतीय टीम के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव 14 गेंदों पर 29 रन और संजू सैमसन ने 19 गेंदों पर उनके बराबर ही 29 रन बनाए। जबकि हार्दिक पंड्या ने 16 गेंदों पर नाबाद 39 और डेब्यू मैच खेल रहे नीतीश कुमार रेड्डी ने 15 गेंदों पर नाबाद 16 रनों की पारी खेली। बांग्लादेश के लिए कोई भी गेंदबाज छाप नहीं छोड़ सका। मुस्ताफिजुर रहमान और मेहदी हसन मिराज को 1-1 सफलता मिली।

भारतीय गेंदबाजों का दबदबा पूरे टाइम रहा :

सूर्या का फैसला सटीक बैठा। शुरूआत से ही भारतीय गेंदबाजों ने अपना दबदबा बनाए रखा। बांग्लादेश ने पहले ओवर में 5 रन पर ही एक विकेट गंवाया। अर्शदीप सिंह ने लिटन दास को शिकार बनाया। इसके बाद बांग्लादेश को 14 रन पर दूसरा झटका लगा। अर्शदीप सिंह ने परवेज हुसैन इमोन को क्लीन बोल्ड किया।

इसके बाद बांग्लादेश टीम लगातार अंतराल में विकेट गंवाती रही और बड़ा स्कोर बनाने का मौका ही नहीं मिला। इस तरह मेजबान टीम 127 रन ही बना सकी। टीम के लिए मेहदी हसन मिराज ने सबसे ज्यादा नाबाद 35 रन और कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 27 रन बनाए। मैच में भारतीय गेंदबाजों ने अपना दबदबा पूरे टाइम बनाए रखा। टीम के लिए स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने सबसे ज्यादा 3-3 विकेट झटके। हार्दिक पंड्या, मयंक यादव और वॉशिंगटन सुंदर ने 1-1 शिकार किया।

मयंक और नीतीश को मिला डेब्यू का मौका :

मैच में स्पीड स्टार मयंक यादव और नीतीश कुमार रेड्डी को डेब्यू का मौका मिला। मयंक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के दौरान लगातार 150 केएमपीएच की रफ्तार से गेंदबाजी करके फैन्स का ध्यान अपनी तरफ खींचा था, हालांकि इंजरी के चलते उन्हें टूर्नामेंट के बीच से ही हटना पड़ा था।

बांग्लादेश के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी :

भारत और बांग्लादेश की टीमें जब भी टी-20 सीरीज में आमने-सामने आई हैं, तब भारतीय टीम का पलड़ा ही भारी रहा है। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला 6 जून 2009 को नॉटिंघम में खेला गया था। वहीं आखिरी मुकाबला (ग्वालियर मैच से पहले) 22 जून 2024 को नॉर्थ साउंड में हुआ था।

जैनूर में धारा 144 जारी रहेगी

आसिफाबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक माह पहले आदिवासी महिला के साथ हुई दरिंदगी की घटना से आहत जैनूर में हालात सामान्य करने के कलेक्टर और एसपी के प्रयास अभी तक रंग नहीं ला सके हैं। कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे और एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने शनिवार को अपने कक्ष में दोनों दलों के नेताओं से अलग-अलग चर्चा की।

जैनूर में एक महीने के लिए धारा 144 लागू होने से आम लोगों को परेशानी हो रही है। इंटरनेट पर प्रतिबंध लगने से बैंकिंग और मीसेवा जैसी सेवाएं बंद हो गई हैं। दुकानें नहीं खुली रहने से जरूरी सामान के लिए दिक्कत हो रही है। पता चला है कि आदिवासियों ने कहा कि अगर वे सभी एकजुट होकर शांत रहने का वादा करें तो धारा 144 हटाने में कोई बुराई नहीं है। बताया जाता है कि जब दूसरे समुदाय के नेताओं ने कहा कि उन्हें अपनी क्षतिग्रस्त दुकानों की मरम्मत का मौका दिया जाए, तो वे इस पर सहमत होंगे। उन्होंने एलटीआर अधिनियम को जैनूर में सख्ती से लागू किए जाने की मांग की। कलेक्टर और एसपी की मौजूदगी में हुई वार्ता में दोनों पक्षों की मांगें इस प्रकार रहीं। मुस्लिम नेताओं ने कलेक्टर और एसपी से दंगे में नष्ट हुई दुकानों की मरम्मत कराने की अनुमति देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यदि व्यापार लाइसेंस दिया जाता है तो वे अपना व्यवसाय जारी रखेंगे और वे इसके लिए एक अवसर प्रदान करना चाहते हैं। मालूम हो कि कुछ नेताओं का आरोप है कि हमें आदिवासियों से कोई दिक्कत नहीं है और हम पर हमले में एक दूसरा गुट शामिल है। आदिवासी नेताओं का कहना है कि आदिवासी कानून लागू किया जाए। भूमि हस्तांतरण विनियमन (एलटीआर) अधिनियम लागू किया गया है और प्रावधानों के विपरीत आदिवासी भूमि का अधिग्रहण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आईटीडीए पीओ, उत्नूर के तहत विशेष उप कलेक्टर की अध्यक्षता वाली एजेंसी अदालत में सभी लंबित एलटीआर मामलों का निपटारा एक ही पंक्ति में किया जाएगा। उन्होंने जनजातीय कानूनों की अवहेलना करते हुए जैनूर में गैर-आदिवासियों द्वारा बनाए गए घरों और दुकानों को हटाने पर जोर दिया।

बताया गया है कि कलेक्टर ने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि आदिवासी समुदाय के नेताओं ने इस बात को स्वीकार नहीं किया कि दशहरा उत्सव के बाद स्कूल हमेशा की तरह खोले जाएंगे। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में शैक्षणिक वर्ष के मध्य में स्कूल बंद नहीं किये जाने चाहिए।

31 अक्टूबर तक लंबित बिलों पर ब्याज माफ!

वन-टाइम सेटलमेंट योजना की पेशकश

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड शहर में पानी के उपभोक्ताओं के लिए वन-टाइम सेटलमेंट योजना की पेशकश कर रहा है। इस योजना के तहत, अगर उपभोक्ता 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर के बीच अपने बकाया बिलों की मूल राशि का भुगतान करते हैं, तो लंबित पानी के बिलों पर ब्याज माफ कर दिया जाएगा। एचएमडब्लूएसएसबी के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी ने बताया कि बकाया पानी के बिलों के बढ़ते बोझ को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। नगर निगम प्रशासन विभाग के मुख्य सचिव दाना किशोर ने 5 अक्टूबर को एक आदेश जारी किया था, जिसके बाद यह योजना शुरू की गई। यह ओटीएस योजना केवल उन उपभोक्ताओं पर लागू होती है जिनके पास वर्तमान में सक्रिय जल नल कनेक्शन हैं। डिस्कनेक्ट किए गए कनेक्शन वाले एचएमडब्ल्यूएसएसबी उपभोक्ता तब तक अपात्र हैं जब तक कि वे अगले 24 महीनों के लिए भविष्य के पानी के बिलों का भुगतान करने के लिए सहमति व्यक्त करने वाला हलफनामा न दें। ऐसा न करने पर ओटीएस योजना के तहत किसी भी लाभ को रद्द कर दिया जाएगा। उपभोक्ताओं को अपने पानी के बिल की राशि के आधार पर उसका निपटान करने के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए। जिन लोगों पर 2,000 रुपये तक का बकाया है, उन्हें प्रबंधक से संपर्क करना चाहिए, जबकि 2,001 रुपये से 10,000 रुपये तक के बिलों को एचएमडब्ल्यूएसएसबी के उप महाप्रबंधक द्वारा संभाला जाना चाहिए।

कोमाटिरेड्डी ने "क्राम्बिएंट ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन-2024" के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क, भवन और छायांकन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी क्राम्बिएंट ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन 2024 के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि थे।इससे पहले, हैदराबाद में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की महावाणिज्यदूत जेनिफर लार्सन, टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार और गिव लाइफ फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. बार्ट एस. फिशर ने तीन अलग-अलग श्रेणियों की दौड़ों- 10के, 5के और 2के को हरी झंडी दिखाई। कोमाटिरेड्डी ने अन्य अतिथियों के साथ मिलकर "क्राम्बिएंट ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन-2024" के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। पुरुषों की 10 किलोमीटर की दौड़ में मोहित चौधरी ने 33.22 मिनट में 10 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा 12,500 रुपये की पुरस्कार राशि अर्जित की। बोडुपल्ली रमेश ने 34.15 मिनट में दौड़ पूरी कर दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा उन्हें 7500 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई तथा रमेश चंद्र ने 34.15 मिनट में दौड़ पूरी कर तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा उन्हें 5000 रुपये की पुरस्कार राशि प्राप्त हुई। महिला 10 किलोमीटर की दौड़ श्रेणी में उमा ने 40.41 मिनट, माहेश्वरी ने 42.45 मिनट तथा राजेश्वरी ने 43.58 मिनट में दौड़ पूरी कर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा उन्हें क्रमशः 12,500, 7,500 तथा 5000 रुपये की पुरस्कार राशि प्राप्त हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने गरीबों की उनके दरवाजे पर कैंसर की मुफ्त जांच करके मदद करने के लिए ग्रेस कैंसर फाउंडेशन और डॉ. चिन्नाबाबू की सराहना की। यह एक महान सेवा है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि हैदराबाद कार्यक्रम में 20,000 लोगों ने भाग लिया है, जो कैंसर जागरूकता दौड़ के मामले में भारत में शायद सबसे बड़ा कार्यक्रम हो सकता है। साथ ही, मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि यह दुनिया की सबसे बड़ी कैंसर जागरूकता दौड़ है, जिसे 130 देशों में दोहरे मोड- भौतिक और आभासी दोनों रूप में आयोजित किया जा रहा है और इसमें एक लाख से अधिक लोग भाग ले रहे हैं। हैदराबाद एक स्वास्थ्य राजधानी है। विभिन्न देशों को आपूर्ति की जाने वाली 40 से 50 प्रतिशत दवाएं यहीं निर्मित होती हैं। यह एक वैक्सीन राजधानी और स्वास्थ्य पर्यटन केंद्र है।

निजामपेट स्थिति काग व सेपटा परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित मांगीलाल काग, नेमाराम चेनाराम परिहार, बाबूलाल मुलेवा, नेमाराम ढगलाराम सपेटा, नारायण लाल परिहार, तेजाराम, बगदाराम, जगदीश काग, गीरधारीलाल चोयल, ओमप्रकाश, जगदीश सीरवी नारायण लाल व अन्य।

एसएलजे शोरूम पर दशहरा व दिपावली त्यौहार एवं शादी ब्याह विवाह फंक्शनों के मध्देनजर ग्राहकों की भारी भीड

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद के सोमाजीगुडा स्थित मशहूर स्वर्णाभूषण भंडार शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स(एसएलजे) शोरुम पर बहुमूल्य प्रदर्शनी के चौथे दिन पर, पावन दशहरा व दिपावली त्यौहार एवं शादी ब्याह विवाह फंक्शनों के मध्देनजर ग्राहकों की भारी भीड देखी गयी। जिसमें एसएलजे ज्वैलरी के मालिक ने शादी-ब्याह विवाह व अन्य संबंधित फंक्शनों हेतु आकर्षक स्वर्णजडित रत्नजडित चांदी के गहनें खरीदने के लिए पहुंचे असंख्य ग्राहकों का हार्दिक आभार प्रकट कर उनकी सराहना की। अतः इस मामले में एसएलजे ज्वैलर्स शोरूम में ग्रेटर हैदराबाद सहित विभिन्न सूदूर क्षेत्रों जैसे कर्नाटक रायचूर, तेलगाना के निजामाबाद, वरंगल, मंचेरियाल, आंध्र प्रदेश के विजयवाडा, महाराष्ट्र के परभणी, आदि राज्यों के महानगरों से असंख्य ग्राहक अपनी अपनी पसंदीदा आकर्षक गहनें जैसे बोर, हाथ बाजूबंध, कन्दोरा एवं नेकलेसेस एवं लाइट वेट ज्वैलरी, डायमण्ड ज्वैलरी तथा चांदी के बर्तन लोटा सेट, थाली सेट की खरीदारी करने में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं।

बीआईएस रन फार क्वालिटी कार्यक्रम में सांसद ने लिया हिस्सा

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी सांसद इटेला राजेंदर ने कहा कि, विश्व मंच पर भारतीय मानकों को शीर्ष स्थान प्राप्त हो रहा है। इस संदर्भ में, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा द्वारा आयोजित रन फार क्वालिटी में सांसद इटेला ने हिस्सा लिया। रन फॉर क्वालिटी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद इटेला राजेंदर उपस्थित इटेला राजेंदर ने कहा कि, भारतीय मानकों को विश्व मंच पर विशेष स्थान मिल रहा है। सांसद इटेला राजेंदर ने हरी झंडा दिखाकर आईमैक्स ग्राउंड से जलविहार तक रन फार क्वालिटी का प्रारंभ किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रन फार क्वालिटी या गुणवत्ता दौड़ प्रत्येक नागरिक को प्रेरित करेगी।

बीआईएस शाखा प्रमुख पीवी श्रीकांत ने कहा कि रन फार क्वालिटीग्रेटर हैदराबाद सहित अन्य जिलों में आयोजित की जा रही है। हर किसी को केवल बीआईएस मानकों के चिह्नयुक्त सामान खरीदने के लिए कहा जा रहा है। क्योंकि क्वालिटी पर कोई समझौता नहीं।

इस कार्यक्रम में बीआईएस संयुक्त निदेशक सुजाता, तन्निरु राकेश, अनुभाग अधिकारी वनजा मूर्ति, एसपीओ अभिसाई और अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित हुए।

हैदराबादी परिवार ने हासिल किया 20वां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

संगारेड्डी, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिवाली जौहरी श्रीवास्तव, उनके माता-पिता कविता जौहरी श्रीवास्तव और अनिल श्रीवास्तव ने अपना 18वां, 19वां और 20वां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल करके एक उपलब्धि हासिल की है। उनकी नवीनतम उपलब्धि 3,400 ओरिगामी मोर, 4,400 ओरिगामी शर्ट और 3,200 ओरिगामी सूअर/सूअरों का सबसे बड़ा प्रदर्शन था। साक्ष्य के रूप में एक वीडियो प्रस्तुत करने और मान्य करने के बाद इस उपलब्धि की आधिकारिक पुष्टि की गई। इन नए रिकार्डों के साथ, श्रीवास्तव परिवार के पास अब हैदराबाद में सबसे अधिक 20 गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड हो गए हैं। उन्होंने जीआईटीएएम हैदराबाद के कुलपति प्रोफेसर डीएस राव, रेजिडेंट डायरेक्टर डीवीवीएसआर वर्मा, डॉ मल्लिकार्जुन और पूरे जीआईटीएएम परिवार के प्रति उनके निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। इन हालिया उपलब्धियों से पहले, परिवार ने हस्तनिर्मित कागज़ की गुड़िया, क्रिल्ड फूल, ओरिगामी व्हेल, पेंगुइन, खट्टे फल, मेपल के पत्ते, कुत्ते, डायनासोर, सूअर/सूअर, और बहुत कुछ सहित विभिन्न वस्तुओं के प्रदर्शन के लिए 17 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए थे। अपने गिनीज पुरस्कारों के अलावा, शिवाली के पास 15 सहायक विश्व रिकॉर्ड और 10 अद्वितीय विश्व रिकॉर्ड भी हैं।

बालक की गड्ढे में डूबने से मौत

मंचेरियल, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर मंडल के टेकुमतला गांव के बाहरी इलाके में थर्मल पावर प्लांट के लिए रेलवे ट्रैक के पास सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) द्वारा खोदे गए गड्ढे में रविवार को नौ वर्षीय एक बालक दुर्घटनावश डूब गया। जयपुर पुलिस ने बताया कि विष्णुवर्धन का बेटा चिप्पाकुर्थी राज कुमार जब गड्ढे के पास खेल रहा था, तब उसकी मौत पानी में समा गई। उसका शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस बीच, लड़के के माता-पिता ने न्याय की मांग करते हुए धरना दिया और एससीसीएल के थर्मल प्लांट के अधिकारियों को राज कुमार की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

सैनिकपुरी स्थित नेरेडमेट मधुरानगर फ्रेन्डस एसोशिएशन के तत्वावधान में आयोजित 17वें माँ भगवती के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए संदीप सेजु। अवसर पर सीरवी समाज अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, रामलाल वरपा, रामलाल परिहार, किशनसिंह राठौड़, आनन्द राठौड़, मोतीलाल काग, प्रेमनाथ, गणेशराम बर्फा, महेन्द्र पितावत, प्रकाश हाम्बड़ व अतिथियों का सम्मानकर दर्शन, भजनों, व कार्यक्रम का लाभ लेते हुए चान्दमल काग, शेरुनाथ रावल, सुनिल जैन, पुनाराम सैंणचा, प्रवीणसिंह चौहान, रजत, साई नरेश व सदस्यगण।

शेरीलिंगमपल्ली स्थित श्री आईमाता बड़ेर में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित एक शाम श्री आईमाताजी के नाम विशाल जागरण में भजन प्रस्तुत करती हुई सोनु सिशोदिया। अवसर पर समाज सेवी गज्जू भाई कोलरिया व अतिथियों का सम्मानकर दर्शन, भजनों, डांडिया नृत्य व भोजन-प्रसादी का लाभ लेते हुए सचिव मांगीलाल सोनपरा, कोषाध्यक्ष विनोद गेहलोत, महिला अध्यक्षा इन्द्रा गेहलोत, सचिव गीता देवड़ा, कोषाध्यक्ष पुष्पा गेहलोत, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप: भारत ने पाकिस्तान को हराया

कप्तान हरमनप्रीत कौर 29 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुईं, अरुंधति रेड्डी ने 3 विकेट लिए

शारजाह, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया है। रविवार को दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 105 रन बनाए। जवाब में भारत ने 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। भारत की विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पर 8 मैचों में छठी जीत है।

भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर 29 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुईं। शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। अरुंधति रेड्डी ने 3 विकेट झटके। अरुंधति को प्लेयर ऑफ दी मैच चुना गया।

इससे पहले, पाकिस्तान से निदा डार ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। मुनिबा अली ने 17, अरूब शाह ने 14 और फातिम सना ने 13 रन की पारी खेली। बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सकीं। भारत से अरुंधति रेड्डी ने 3 और श्रेयांका पाटिल ने 2 विकेट लिए। 1-1 सफलता दीप्ति शर्मा, आशा शोभना और रेणुका सिंह को मिली।

बीसीसीआई के लिए मेगा ऑक्शन कराना हुआ मुश्किल, नहीं मिल रही जगह

मुंबई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन के आयोजन के लिए बीसीसीआई एक वेन्यू की तलाश में है. फिलहाल बोर्ड को इसके लिए सही जगह नहीं मिल पाई है, जिसके कारण वेन्यू तय नहीं किया जा सका है. इस बार मेगा ऑक्शन सऊदी अरब में कराया जा सकता है.

आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन इस साल नवंबर के अंतिम सप्ताह में कराए जाने का अनुमान है. इसके लिए बीसीसीआई की ओर से नए नियमों को भी जारी किया जा चुका है. इस बीच खिलाड़ियों की निलामी के लिए दो दिनों तक चलने वाले मेगा ऑक्शन से पहले बोर्ड के सामने एक नई समस्या आ खड़ी हुई है. दरअसल, इस इवेंट के लिए बीसीसीआई को जगह ढूंढ़ने में दिक्कत आ रही है. अभी तक कोई भी वेन्यू तय नहीं किया जा सका है. हालांकि, बोर्ड के निशाने पर सऊदी अरब के दो शहर जरूर हैं.

बोर्ड के सामने क्या है चैलेंज?

2023 में आईपीएल का पिछला ऑक्शन दुबई में आयोजित हुआ था. लेकिन बीसीसीआई इस समय सऊदी अरब के रियाद या जेद्दा में से किसी एक शहर में मेगा ऑक्शन आयोजित करने की सोच रही है. क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार इन दोनों शहरों में कोई वेन्यू ढूंढना एक चैलेंज बन गया है. ऐसा माना जा रहा है कि दुबई के मुकाबले में सऊदी काफी महंगा पड़ रहा है. हालांकि, दुनिया की सबसे अमीर लीग माने जाने वाली आईपीएल और सबसे अमीर बोर्ड बीसीसीआई के लिए वेन्यू की कीमत को लेकर कोई समस्या नहीं होनी चाहिए. अगर रियाद या जेद्दा में कोई वेन्यू फाइनल नहीं किया जा सका तो ऑक्शन फिर से दुबई में देखने को मिल सकता है.

बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन के लिए पहले लंदन को शॉर्टलिस्ट किया था. लेकिन नवंबर में वहां मौसम काफी ठंड होता है, जो एक बड़ा चैलेंज बन सकता है. इसलिए आईपीएल के अधिकारियों ने उसे लिस्ट से हटा दिया है और अब एक ऐसे वेन्यू की तलाश में है जहां, दो दिनों के ऑक्शन की मेजबानी आसानी से की जा सके. साथ ही वहां पर आईपीएल के सभी अधिकारी, फ्रैंचाइजी की डेलिगेशन के साथ-साथ ब्रॉडकास्टर्स से जुड़े लोगों के लिए भी जगह की क्षमता भी हो.

मेगा ऑक्शन से पहले कई बड़े बदलाव

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने शनिवार 28 सितंबर को मेगा ऑक्शन के नियमों में कई बड़े बदलाव किए थे. रिटेंशन की संख्या को बढ़ाते हुए 4 से 6 कर दिया था. साथ ही सबसे चर्चित अनकैप्ड प्लेयर रुल की भी वापसी हुई थी. ऑक्शन में राइट टू मैच कार्ड की भी वापसी देखने को मिली थी. राइट टू मैच कार्ड के इस्तेमाल करने के नियम में भी बदलाव करते हुए, सबसे बड़ी बोली लगाने वाली फ्रैंचाइजी को बोली बढ़ाने का आखिरी मौका देने की बात कही गई थी. इसे लेकर कई फ्रैंचाइजी ने हाल ही में बीसीसीआई से शिकायत भी की है. इतना ही नहीं पहली बार खिलाड़ियों के लिए मैच फीस की भी शुरुआत की गई है. इसके अलावा ऑक्शन पर्स और कुल सैलरी कैप को बढ़ाया गया. वहीं तमाम विवादों के बावजूद BCCI ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को बरकरार रखा.

1428 करोड़ की डिमांड, भारत में एशिया कप से पहले एसीसी ने कमाई के लिए चला बड़ा दांव

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशिया कप का अगला एडिशन 2025 में भारत की मेजबानी में होना है. इससे पहले एशियन क्रिकेट काउंसिल ने टूर्नामेंट के मीडिया राइट्स के लिए प्रपोजल रखा है. एसीसी ने इसके लिए 170 मिलियन डॉलर यानि करीब 1428.51 करोड़ रुपए बेस प्राइस रखा है. इसमें मेंस एशिया कप, विमेंस एशिया कप, मेंस अंडर-19 एशिया कप, मेंस इमरजिंग टीम एशिया कप, विमेंस अंडर-19 एशिया कप और विमेंस इमरजिंग टीम एशिया कप टूर्नामेंट के ग्लोबल टेलीविजन, डिजिटल और ऑडियो राइट्स शामिल होंगे. इसकी निलामी 1 नवंबर को रखी गई है, जिसमें शामिल होने के लिए ब्रॉडकास्टर्स को 30 अक्टूबर तक दुबई में अपनी टेक्निकल बिड जमा करनी होगी. अगर ब्रॉडकास्टर्स को इन सभी टूर्नामेंट्स के मीडिया राइट्स चाहिए तो उन्हें कम से कम 1428.51 करोड़ रुपए देना होगा.

ऑक्शन में कीमत बढ़ भी सकती है. ब्रॉडकास्टर्स को लुभाने के लिए एसीसी ने भारत-पाकिस्तान के बीच कम से कम 2 मैच कराने की गारंटी दी है.

8 सालों के लिए मिलेंगे राइट्स

टूर्नामेंट का सबसे प्रीमियम इवेंट मेंस एशिया कप है. 2024 से 2031 के बीच इसके कुल 4 एडिशन खेले जाने हैं. एसीसी इन सभी 8 सालों के लिए मीडिया राइट्स का पैकेज ऑफर कर रही है. बता दें एशिया कप का अगला एडिशन 2025 में भारत की मेजबानी में टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है. इसके बाद 2027 में बांग्लादेश इसकी मेजबानी करेगा जो वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा. वहीं 2029 में पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाला एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा, जबकि 2031 का एशिया कप श्रीलंका की मेजबानी में वनडे फॉर्मेट में होना है. निलामी तय हुई कीमत देने के बाद ब्रॉडकास्टर्स मीडिया राइट्स हासिल कर सकते हैं.

भारत-पाकिस्तान के कम से कम दो मुकाबले

एशिया कप के हर एडिशन में 13 मुकाबले खेले जाएंगे. इस दौरान ब्रॉडकास्टर्स की सबसे ज्यादा कमाई भारत-पाकिस्तान के हाईवोल्टेज मुकाबले से होती है. इसलिए एसीसी ने दोनों टीमों के बीच कम से कम 2 मैच कराने की गारंटी दी है. अगर दोनों टीमें फाइनल पहुंचती हैं तो तीसरी बार भी भिड़ने की संभावना रहेगी. मेंस एशिया का पिछला एडिशन हाईब्रिड मॉडल में खेला गया था, जिसकी मेजबानी श्रीलंका और पाकिस्तान ने की थी. इस दौरान दोनों देशों के बीच दो मुकाबले हुए थे और दोनों ही मैच भारत ने जीते थे. एसीसी के टेंडर के मुताबिक इस दौरान 3 विमेंस एशिया कप भी खेले जाएंगे.

ई-ऑक्शन में तय होगी कीमत

एसीसी ने जानकारी दी है कि ई-ऑक्शन के जरिए मीडिया राइट्स की कीमत और विजेता तय किए जाएंगे. लेकिन निलामी में शामिल होने के लिए 30 अक्टूबर तक दुबई में टेक्निकल बिड जमा करनी होगी. हालांकि, अभी देखना होगा कि इसके लिए कितने ब्रॉडकास्टर्स दिलचस्पी दिखाते हैं और निलामी में हिस्सा लेते हैं. इसके अलावा वायाकॉम18-जियो सिनेमा और डिज्नी हॉटस्टार पर सबकी नजरें बनी हुई हैं. क्योंकि दोनों के विलय की खबरें सामने आ रही हैं.

सुरेश रैना ने 28 गेंदों पर छक्के-चौकों का तूफान ला दिया

10 ओवर के मैच में अकेले 53 रन मारे, टीम जीत गई

टेक्सास, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुरेश रैना इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ चुके हैं. IPL से दूर हो चुके हैं. लेकिन, कुछ क्रिकेट लीग में वो खेलते दिख जाते हैं. वो फिलहाल अमेरिका में T10 लीग खेल रहे हैं. अमेरिका में शुरू हुई नेशनल क्रिकेट लीग T10 में सुरेश रैना न्यूयॉर्क लायंस टीम का हिस्सा हैं. इस टीम में उनकी भूमिका एक खिलाड़ी के अलावा कप्तान की भी है. 5 अक्टूबर को सुरेश रैना की कप्तानी वाली न्यूयॉर्क लायंस का सामना टिम डेविड की कप्तानी वाली लॉस एंजिलिस वेब्स से हुआ. 10 ओवर के इस मुकाबले में सुरेश रैना ने कप्तानी पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी.

मुकाबले में न्यूयॉर्क लायंस ने पहले बैटिंग की और 10 ओवर में 2 विकेट पर 126 रन बनाए. न्यूयॉर्क लायंस के लिए 10 ओवर में इतने बड़े स्कोर तक पहुंचना आसान नहीं होता अगर उसके

कप्तान सुरेश रैना ने मैदान के बीचो-बीच बड़े- बड़े शॉट्स ना खेले होते और रन ना बनाए होते,

सुरेश रैना ने जड़ा अर्धशतक

न्यूयॉर्क लायंस का पहला विकेट सिर्फ 4 रन पर गिर गया था. लेकिन, उसके बाद सुरेश रैना ने उपल थरंगा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 93 रन की बड़ी पार्टनरशिप की. ये साझेदारी थरंगा के आउट होने से टूटी, जिन्होंने 23 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की मदद से 40 रन जड़े. थरंगा के आउट होने के बाद कप्तान रैना का साथ देने बेन कटिंग आए. कटिंग के साथ अपनी नाबाद साझेदारी के दौरान ही रैना ने अपना अर्धशतक पूरा किया.

28 गेंदों पर 9 छक्के-चौके, 53* रन

सुरेश रैना ने सिर्फ 28 गेंदों का सामना कर नाबाद 53 रन बनाए. उनकी इनिंग में 9 छक्के-चौके शामिल रहे, जिसमें 6 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. अपनी बल्लेबाजी के दौरान रैना ने लॉस एंजिलिस वेब्स के हरेक गेंदबाज को जमकर कूटा. उसके सबसे अनुभवी गेंदबाज शाकिब अल हसन ने 1 ओवर में 18 रन दे दिए, जिसमें 2 छक्के और 1 चौके के साथ 16 रन अकेले रैना ने बटौरे. वहीं एक छक्का रैना ने टॉड एस्टल के खिलाफ लगाया.

19 रन से 10 ओवर का मैच जीती रैना की टीम

सुरेश रैना की नाबाद 53 रन की पारी की बदौलत उनकी टीम न्यूयॉर्क लायंस 127 रन का टारगेट सेट करने में कामयाब रही. इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी लॉस एंजिलिस वेब्स की टीम 7 विकेट खोकर 10 ओवर में 107 रन ही बना सकी और 19 रन से मुकाबला हार गई.

सचिन तेंदुलकर की लीग में दिखेंगे अकरम-गावस्कर सहित कई दिग्गज

मुंबई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टीम के लिए कई सालों तक बतौर खिलाड़ी अपनी सेवाएं दी हैं। हालांकि इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सचिन दुनिया की कई लीगों में बतौर खिलाड़ी हिस्सा लेते हुए दिखे हैं। हालांकि अब उन्होंने अमेरिका में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए पैसे खर्च किए हैं। अब सचिन अमेरिका में क्रिकेट खेलने के लिए युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाएंगे। खास बात ये है कि उनके साथ सुनील गावस्कर और पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी वसीम अकरम भी नजर आने वाले हैं।

इनवेस्ट

सचिन तेंदुलकर ने किया क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए सचिन तेंदुलकर अमेरिका की नेशनल क्रिकेट लीग (NCL) समूह में शामिल हुए हैं। उनके इस कदम से अमेरिका में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा। इस लीग का हिस्सा बनने के बाद सचिन तेंदुलकर ने कहा कि क्रिकेट मेरे जीवन की सबसे बड़ी यात्रा रही है और मैं अमेरिका में खेल के लिए रोमांचक समय में नेशनल क्रिकेट लीग में शामिल होकर प्रसन्न हूं। अपनी बातचीत में तेंदुलकर ने बताया कि एनसीएल का मकसद विश्व में क्रिकेट को बढ़ावा देना है। मैं अमेरिका में क्रिकेट के विकास को देखने के लिए उत्सुक हूं।

प्रेस रिलीज में कहा गया है कि सचिन के अलावा एनसीएल में सुनील गावस्कर, जहीर अब्बास, वसीम अकरम, दिलीप वेंगसरकर, सर विवियन रिचर्ड्स, वेंकटेश प्रसाद, सनथ जयसूर्या, मोइन खान और ब्लेयर फ्रैंकलिन जैसे क्रिकेट के दिग्गज शामिल होंगे, जो अगली पीढ़ी के लिए खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे।

दिनेश कार्तिक और सुरेश रैना भी होंगे शामिल

इसके अलावा इस लीग में दिनेश कार्तिक, शाकिब अल हसन, तबरेज़ शम्सी, क्रिस लिन, रॉबिन उथप्पा,एंजेलो मैथ्यूज, कॉलिन मुनरो, सैम बिलिंग्स, मोहम्मद नबी और जॉनसन चार्ल्स सहित दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी भी शामिल होंगे।

एनसीएल के चेयरमैन अरुण अग्रवाल ने कहा कि सचिन तेंदुलकर का राष्ट्रीय क्रिकेट लीग स्वागत करता है। एनसीएल में सचिन विजेता टीम को ट्रॉफी देंगे।

शंघाई टेनिस मास्टर्स : विश्व नंबर एक सिनर ने दर्ज की करियर की 250वीं जीत, अल्कारेज भी पहले दौर में जीते

शंघाई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्पेन के दिग्गज खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज और शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी यानिक सिनर ने शंघाई टेनिस मास्टर्स में अपने शुरुआती मैच में आसान जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

अल्कारेज ने चाइना ओपन फाइनल में इटली के सिनर को हराकर बुधवार को साल का चौथा खिताब जीता था। दोनों खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती मुकाबले में थकान का कोई संकेत नहीं दिया।

अल्कारेज ने पहले दौर में चीन के 19 वर्षीय शांग जुनचेंग को 6-

2, 6-2 से पराजित किया और अब वह तीसरे दौर में चीन के एक और खिलाड़ी वु यिबिंग से भिड़ेंगे।

डोपिंग मामले से जूझ रहे सिनर ने जापान के टारो डेनियल पर 6-1, 6-4 की आसान जीत से अपने कॅरिअर की 250वीं जीत दर्ज की। पिछले महीने अमेरिकी ओपन जीतकर साल का दूसरा मेजर खिताब जीतने वाले 23 वर्षीय सिनर अब अर्जेंटीना के टोमस मार्टिन एचेवेरी से भिड़ेंगे। चेक गणराज्य के 65वीं रैंकिंग के खिलाड़ी याकुब मेनसिक ने छठी रैंकिंग के आंद्रे रूबलेव पर 6-7 (7), 6-4, 6-3 से उलटफेर भरी जीत दर्ज की।

भारतीय लड़की ने पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर से सगाई की

शादी के लिए इस्लाम अपनाने को तैयार, दोनों अगले साल शादी करेंगे

न्यू यॉर्क, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की एक और लड़की पाकिस्तानी क्रिकेटर से शादी करने जा रही है। लड़की का नाम पूजा बोमन है और न्यू यॉर्क में रहती हैं। पूजा ने हाल ही में पाकिस्तानी स्पिनर रजा हसन से सगाई की। दोनों अगले साल जनवरी-फरवरी में शादी करने जा रहे हैं।

32 साल के रजा हसन ने इंस्टा पोस्ट में पूजा से सगाई का ऐलान किया। फोटो में पूजा हसन के साथ इंगेजमेंट रिंग को दिखाती नजर आ रही हैं। दोनों ने समुंदर किनारे फोटो शूट कराया। रजा ने लाल रंगा कुर्ता पहना हुआ है, जबकि पूजा ने वाइन क्लर की सूट में दिख रही हैं।

रजा ने आंखों पर सन ग्लास लगा रखा है। दोनों के चेहरों पर स्माइल है। रजा अपनी मंगेतर पूजा का हाथ पकड़े रोमांटिक अंदाज में खड़े हैं।

रजा ने लिखा- 'मैंने शादी के लिए पूछा और वो मान गई'

रजा हसन ने पोस्ट में लिखा, 'यह बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि मैंने सगाई कर ली है। मैंने अपने प्यार से पूरी जिंदगी साथ बिताने का सवाल पूछा और वह तैयार हो गई। अपने नए सफर के लिए हम उत्साहित हैं।'

इस्लाम अपनाने को तैयार हैं पूजा

रजा हसन ने मीडिया आउटलेट से कहा, 'मैं पूजा से शादी करने को लेकर बहुत खुश हूं। उन्होंने बताया कि पूजा हिंदू धर्म में विश्वास रखती हैं, लेकिन उनका इस्लाम धर्म में बेहद दिलचस्पी है और वह अपने होने वाले पति के लिए धर्म बदलने को तैयार हैं।' रजा ने अक्टूबर 2014 में वनडे डेब्यू किया, जो उनका पहला और आखिरी वनडे साबित हुआ

ओलिंपिक संघ को स्पॉन्सरशिप डील में करोड़ों का घाटा

रिलायंस से 59 करोड़ मिलने थे, 35 करोड़ ही लिए

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। इन मेगा इवेंट्स में 2 समर ओलिंपिक (2024 और 2028), दो एशियन गेम्स (2022 और 2026), दो कॉमनवेल्थ गेम्स (2022 और 2026) के साथ-साथ दो विंटर ओलिंपिक (2026 और 2030) और दो यूथ ओलिंपिक (2026 और 2030) शामिल हैं। सीएजी के मुताबिक पूरी डील के लिए IOA को 59 करोड़ रुपए मिलने चाहिए थे, लेकिन उसे 35 करोड़ रुपए ही मिले। 2022 में जब रिलायंस के साथ डील फाइनल हुई थी, तब इसमें दो विंटर ओलिंपिक और दो यूथ ओलिंपिक शामिल नहीं थे। तब आईओए ने 6 मेगा इवेंट्स के लिए 35 करोड़ रुपए में डील फाइनल की थी। एक इवेंट के लिए करीब 6 करोड़ रुपए की रकम तय हुई थी।

2023 में चार और इवेंट्स के लिए डील एक्सटेंड हुई, लेकिन इसके लिए कोई अतिरिक्त रकम नहीं ली गई है। इनमें से हर एक के लिए 6-6 करोड़ रुपए और मिलने चाहिए थे। यानी 24 करोड़ रुपए और मिलने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आईओए ने 59 की जगह 35 करोड़ रुपए ही लिए। इस मामले पर कैग ने आईओए अध्यक्ष पीटी उषा से जवाब मांगा है। आईओए अधिकारी अजय कुमार नारंग ने इस मामले पर एसोसिएशन का पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि टेंडर में एक गलती के कारण एग्रीमेंट को दोबारा नेगोशिएट करना पड़ा था। एग्रीमेंट में यह तो लिखा था कि मुख्य स्पॉन्सर ओलिंपिक के दौरान इंडिया हाउस बना सकेगा और उसका नाम अपने ऊपर रख सकेगा। यानी इंडिया हाउस का नाम रिलायंस इंडिया हाउस होता, लेकिन बाद में इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी ने नियम बदल दिए। किसी देश के हाउस के नाम के साथ स्पॉन्सर का नाम इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी गई।

रिलायंस ने 6 इवेंट्स के लिए 35 करोड़ रुपए में इसलिए एग्रीमेंट किया था ताकि वह इंडिया हाउस के साथ अपना नाम इस्तेमाल कर सके। यह अधिकार जब छीन लिए गया तो रिलायंस ने मुआवजा मांगा। इसी मुआवजे के तहत उसे चार और इवेंट्स एक्स्ट्रा दिए गए।

घातक गेंदबाज मोहसिन खान की होगी टीम में एंट्री

विरोधी टीम के उड़ाएंगे परखच्चे

लखनऊ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने आईपीएल के जरिए अपना नाम कमाया है। वह लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से भाग लेते हैं। हालांकि अब मोहसिन खान जल्द ही आगामी रणजी ट्रॉफी में भाग लेने के लिए तैयार है। तेज गेंदबाज मोहसिन खान फिलहाल वायरल संक्रमण को लेकर रणजी ट्रॉफी कैंप में शामिल नहीं हुए हैं। लेकिन वह जल्द ही टीम के साथ जुड़ने वाले हैं।

मोहसिन खान ने दिया बड़ा अपडेट

यूपी टी-20 लीग 2024 में मोहसिन ने भाग लिया था। इस टूर्नामेंट में तेज गेंदबाज ने कमाल का प्रदर्शन किया था। टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए मोहसिन ने कहा कि वह फिलहाल वायरल संक्रमण से पीड़ित हैं और फिलहाल रणजी कैंप में शामिल होने की हालत में नहीं हूं। लेकिन मोहसिन के अनुसार वह पूरी तरह फिट हैं और उन्हें कोई चोट नहीं है। मोहसिन ने यूपी टी-20 लीग में अपनी तेज रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए 11 मैचों में 15 विकेट हासिल किए थे। मोहसिन को उम्मीद है कि वह जल्द ही रणजी टीम में शामिल होंगे।

कोच ने भी दिया बड़ा अपडेट

यूपी रणजी टीम के मुख्य कोच मोहसिन ने कहा कि मोहसिन संभावित खिलाड़ियों में शामिल नहीं है। वह अभी तक रणजी कैंप में शामिल नहीं हुए हैं। मुझे पता चला है कि मोहसिन वायरल संक्रमण से पीड़ित है। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे और कैंप में शामिल होंगे।

आईपीएल में किया धमाल प्रदर्शन

आईपीएल में मोहसिन खान ने अपनी तेज गति गेंदबाजी से विरोधी टीम के खूब परखच्चे उड़ाए थे। उन्होंने आईपीएल 2024 में कमाल का प्रदर्शन किया था। मोहसिन ने 10 मैच में 10 विकेट हासिल किए थे। अब तक खेले गए 24 आईपीएल मैच में उन्होंने 27 विकेट हासिल किए हैं।

किसानों की आत्महत्या के लिए कांग्रेस सरकार जिम्मेदार

सरकार की लापरवाही की केटीआर ने की आलोचना

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने रविवार को राज्य में 3 धान किसानों की आत्महत्या के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया। तीनों ने शनिवार को आत्महत्या की। उन्होंने किसान समुदाय के प्रति सरकार की लापरवाही की आलोचना करते हुए कहा कि भूमि-स्वामी किसान और पट्टेदार किसान दोनों ही समर्थन की कमी के कारण पीड़ित हैं। रामा राव ने एक बयान में कहा कि सिंचाई संकट के साथ-साथ अधूरी फसल ऋण माफी और रैतु भरोसा योजना की अनुपस्थिति ने सैकड़ों किसानों को मुश्किल में डाल दिया है, जिनमें से कई ने अपनी जान ले ली है। उन्होंने कहा कि किसान संकट के कारण आत्महत्या कर रहे हैं, फिर भी सरकार बेपरवाह है। मुख्यमंत्री कोई सहानुभूति नहीं दिखाते हैं और प्रशासन में जिम्मेदारी का कोई भाव नहीं है।

उन्होंने चेतावनी दी कि किसान सरकार की किसान विरोधी नीतियों के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को जवाबदेह ठहराएंगे और वादे पूरे न करने के लिए उन्हें दंडित करेंगे। किसानों से उम्मीद न खोने का आग्रह करते हुए उन्होंने भरोसा जताया कि किसान संकट से उबर जाएंगे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बुरे दिन बीत जाएंगे और अच्छे दिन फिर आएंगे। जय किसान!

25 हजार करोड़ की लागत से बनाए जाएंगे यंग इंडिया एकीकृत स्कूल

5,000 करोड़ रुपये सालाना खर्च करेगी सरकार : डिप्टी सीएम

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने रविवार को घोषणा की कि राज्य सरकार 25,000 करोड़ रुपये के बजट से यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल का निर्माण करेगी।

तेलंगाना में दशहरा की पूर्व संध्या पर स्कूलों की नींव रखी जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सभी स्कूल 20-25 एकड़ भूमि पर बनाए जाएंगे। इनमें कक्षा 12 तक की शिक्षा प्रदान की जाएगी। अब तक 25 निर्वाचन क्षेत्रों ने इन स्कूलों के लिए भूमि का विवरण प्रदान किया है, और जल्द ही अन्य निर्वाचन क्षेत्रों से भी ऐसा ही किया जाएगा। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इन स्कूलों पर सालाना 5,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

उन्होंने पिछली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार से तुलना की, जिसने कहा कि इसके लिए 73 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

विक्रमका ने कहा कि ये स्कूल हरित ऊर्जा के उपयोग, शिक्षा, खेल और मनोरंजन सहित छात्रों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इनके अलावा, सरकार छात्रों के लिए उपग्रह-आधारित शिक्षा तक पहुँच और एकीकृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए थिएटर बनाने की योजना बना रही है।

जीएचएमसी कार्यकर्ताओं के लिए निःशुल्क कैंसर जांच शिविर

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के श्रमिकों के लिए 8 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक मुफ्त कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि निःशुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन टीम विमलकर फाउंडेशन के डॉ. विमलकर रेड्डी द्वारा केआईएमएस और सनशाइन अस्पताल के सहयोग से किया गया है।

अन्य जांचों के अलावा अल्ट्रासाउंड, एब्डोमेन, यूजीआई एंडोस्कोपी, सिग्मोयडोस्कोप प्रॉक्टोस्कोपी, ईसीजी, 2डी-इको एक्स-रे, सीबीपी, लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट, सीरम क्रिएटिनिन आरबीसी, लिपिड प्रोफाइल एचबीएसआईबी और एचसीवी आदि जांच की जाएंगी।

खड़ी लॉरी से बाइक टकराई, छात्र की मौत, एक घायल

आदिलाबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जैनाथ मंडल के पिप्परवाड गांव में मोटरसाइकिल के एक खड़ी लॉरी से टकरा जाने से एक इंटरमीडिएट के छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक घायल हो गया। जयनाथ के उपनिरीक्षक वी. पुरुषोत्तम ने बताया कि आदिलाबाद के शांतिनगर निवासी इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष के छात्र इंदुरी हर्षवर्धन (18) के सिर में गंभीर चोटें आईं, जब उसका दोपहिया वाहन पिप्परवाड़ा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर खड़ी एक लॉरी से टकरा गया। इससे उसकी तत्काल मौत हो गई और पीछे बैठे शांतिनगर निवासी के. नीरज रेड्डी को गंभीर चोटें आईं।

नीरज को राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) आदिलाबाद में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के समय वे महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के केलापुर गांव में एक मंदिर में दर्शन करने के बाद आदिलाबाद लौट रहे थे। हर्षवर्धन के पिता विलास की शिकायत के आधार पर ट्रक चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। जांच जारी है।

झरने में तैरते समय युवक लापता

मुलुगु, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल का एक बी.टेक छात्र रविवार को वाजिदु मंडल के कोंगाला झरने में अपने दोस्तों के साथ तैराकी करते समय लापता हो गया। लापता छात्र की पहचान बी अभिनव के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, अभिनव अपने कुछ दोस्तों के साथ भ्रमण के लिए कोंगाला झरने पर गया था और तैराकी का आनंद ले रहा था। टीम के सदस्यों ने अचानक देखा कि अभिनव गायब है और उसे खोजना शुरू कर दिया। जब कुछ देर तक तलाश करने के बाद भी वह नहीं मिला, तो उन्होंने स्थानीय पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया।

युवाओं को निराश कर रही है तेलंगाना सरकार

बेरोजगारी अभी भी व्याप्त है : हरीश राव

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव ने रविवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना सरकार राज्य के युवाओं को निराश कर रही है। राव ने कहा कि कांग्रेस की 6 गारंटियों पर विश्वास करने वाले और जिलों में उनके लिए प्रचार करने वाले युवा आज बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 6 गारंटियों के लागू न होने के कारण वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन में वृद्धि नहीं हो रही है।

तेलंगाना के पूर्व वित्त मंत्री ने किसानों के लिए ऋण की व्यवस्था न करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जिससे किसानों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। राव ने बेरोजगारी को लेकर भी सरकार की आलोचना की और कहा कि सरकार ने 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन 10 महीने बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बेरोजगारों को दिए गए लाभों को भी नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने सरकार से छह गारंटियों को लागू करने का आग्रह किया। कहा कि मैं कांग्रेस से आग्रह करता हूं कि वह किसानों की घोषणा, युवाओं की घोषणा और अन्य के साथ-साथ छह गारंटियों पर कायम रहे।

पोन्नम ने गोपा के शपथ ग्रहण समारोह में गौड़ समुदाय की एकता का आह्वान किया

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गौड़ अधिकारी और पेशेवर संघ (गोपा) ने रविवार को हैदराबाद के पीवी मार्ग स्थित नीरा कैफे में नवनिर्वाचित राज्य कार्यकारी समिति के लिए शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कई प्रमुख नेताओं ने भाग लिया, जिसमें परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पूर्व मंत्री श्रीनिवास गौड़ ने गोपा के नए कार्यकारी सदस्यों को शपथ दिलाई। समारोह के बाद पोन्नम प्रभाकर ने नवनियुक्त कार्यकारी टीम को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने गोपा की सदस्यता के विस्तार के महत्व पर जोर दिया और संगठन के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को रेखांकित किया। इस कार्यक्रम में बीसी कल्याण विभाग के प्रधान सचिव बुर्रा वेंकटेशम्, पूर्व मंत्री श्रीनिवास गौड़ और राजेशम गौड़, विधायक कव्वमपल्ली सत्यनारायण, बीसी वित्त निगम के अध्यक्ष नुथी श्रीकांत गौड़, हस्तशिल्प के अध्यक्ष नायुडू सत्यनारायण गौड़, बीसी आयोग के सदस्य बाला लक्ष्मी, पूर्व विधायक कोडुरु सत्यनारायण और पूर्व एमएलसी बालासानी लक्ष्मीनारायण भी मौजूद थे। अपने संबोधन के

दौरान, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने जीओपीए के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया।

उन्होंने नई समिति से 100 दिनों के भीतर तेलंगाना के सभी 33 जिलों से 1,00,000 सदस्यों को नामांकित करने का आग्रह किया, इस बात पर जोर देते हुए कि गौड़ समुदाय का हर बच्चा जीओपीए का सदस्य बनना चाहिए। इस संगठन का हिस्सा बनना केवल शिक्षित और पेशेवर रूप से लगे हुए व्यक्तियों के लिए खुला है, क्योंकि उन्हें समुदाय को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर बल दिया, रोजगार के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए और यह सुनिश्चित किया कि समाज के पिछड़े वर्गों को आवश्यक सहायता मिले। उन्होंने कार्यकारी निकाय को सभी जिलों में आउटरीच की योजना बनाने और रणनीति बनाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें समुदाय के नेताओं, पूर्व मंत्रियों, आईएएस अधिकारियों, विधायकों और प्रमुख अधिकारियों को शामिल किया जाए ताकि ग्रामीण स्तर तक जीओपीए की उपस्थिति का विस्तार किया जा सके। पोन्नम ने गौड़ समुदाय से न केवल शिक्षा और रोजगार में, बल्कि राजनीति और सामाजिक प्रगति में भी एकजुट और सहयोगी बने रहने का आग्रह किया।

एक दर्जन से अधिक साइबर जालसाज गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी साइबर क्राइम यूनिट ने कर्नाटक, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में छह टीमों के साथ एक विशेष अभियान सफलतापूर्वक चलाया है, जिसके परिणामस्वरूप 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें तीन प्रमुख मास्टरमाइंड शामिल हैं। इस अभियान के कारण साइबर अपराध पुलिस स्टेशन द्वारा 10 प्रमुख मामलों का पता लगाया गया। मामलों की प्रकृति में छह निवेश धोखाधड़ी, एक डिजिटल धोखाधड़ी गिरफ्तारी, एक सेक्सटॉर्शन धोखाधड़ी, एक ओटीपी धोखाधड़ी, एक बीमा धोखाधड़ी शामिल है और कुल धोखाधड़ी राशि 6,94,09,661/- रुपये है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति पूरे भारत में कुल 319 मामलों में वांछित हैं, जिनमें तेलंगाना के 45 मामले शामिल हैं। पुलिस ने 5,00,000 रुपये की नकदी, 26 मोबाइल फोन, 16 एटीएम कार्ड, सात पासबुक, 11 चेक बुक, 10 सिम कार्ड, दो लैपटॉप, दो हाई-कॉन्फ़िगरेशन डेस्कटॉप, एक हार्ड डिस्क, एक रबर स्टैम्प भी जब्त किया है। इसके अतिरिक्त, आरोपियों के बैंक खातों में 1,61,25,876 रुपये की राशि फ्रीज कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि कि आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन व्यक्तिगत जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतें, खासकर निवेश प्लेटफार्मों, अनधिकृत ट्रेडिंग साइटों, फेडेक्स कूरियर धोखाधड़ी और डेटिंग प्लेटफार्मों पर। डर के मारे या उचित सत्यापन के बिना किसी को भी पैसे न भेजें। कृपया 1930 टोल-फ्री नंबर डायल करके तुरंत पुलिस को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना दें। डीसीपी साइबर क्राइम, दारा कविता के मार्गदर्शन में, इंस्पेक्टर मट्टम राजू, पी. प्रमोद कुमार, एम सीतारामुलु, के प्रसाद राव, एस. नरेश के नेतृत्व में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की टीमों द्वारा गिरफ्तारियां की गईं और एसीपी शिव मारुति और चांद बाशा की देखरेख में, एसआई, एचसी और पीसी सहित साइबर क्राइम ने कई राज्यों में इन मामलों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

किसान की हृदयाघात से मौत

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर के एक 59 वर्षीय किसान की फसल ऋण माफी राशि नहीं मिलने के कारण अवसाद के कारण हृदयाघात से मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, महबूबनगर जिले के नवाबपेट मंडल के उरंचुथंडा गांव के सोमला ने पिछले साल बैंक से ऋण लिया था और ब्याज सहित ऋण राशि 87,300 रुपये तक पहुंच गई थी। उन्होंने कथित तौर पर ऋण माफी के लिए बैंक अधिकारियों को आवश्यक दस्तावेज जमा करा दिए थे और तब से वह अपने ऋण माफ होने का इंतजार कर रहे थे।

भारत डायनामिक्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
रक्षा मंत्रालय
गाचीबोवली, हैदराबाद - 500032

संदर्भ:BDL/CC/2024-25/EOI-03 तारीख : 07.10.2024

रुचि की अभिव्यक्ति

बीडीएल द्वारा भारतीय फर्मों / संगठनों से ईओआई आमंत्रित किया जाता है, जो नीचे दी गई वस्तुओं के विकास, विनिर्माण और आपूर्ति करने के इच्छुक हैं

Sl.NO	Tender ID	Description
01	65911	Design and Development of Sensors
02	65912	Design and Development of Hydrophones
03	65913	Design and Development of Laser Gyro
04	65914	Design and Development of Contactors
05	65915	Design and Development of inclinometer

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट **https://bdltenders.abcprocure.com** पर जाएँ। बोली केवल ऑनलाइन ही प्रस्तुत की जानी चाहिए। "शुद्धिपत्र, यदि कोई हो तो केवल हमारे ई-पोर्टल के माध्यम से जारी किया जाएगा, न कि समाचार पत्रों में"

*बोलीदाताओं से निवेदन है कि व्यावसाय संभावनाओं के लिए BDL वेबसाइट **https://bdl.abcprocure.com/eBid/BDLVendorRegistration.jsp** पर ऑनलाइन विक्रेता पंजीकरण हेतु आवेदन करें।

अपर महाप्रबंधक (निगम वाणिज्यिक)

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in
विदेशी मुद्रा विभाग
6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद-500 004

संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक के लाइसेंस को रद्द किया जाना

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम- 1999 की धारा 10(3) के अंतर्गत प्रदान किए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनियों के संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस को स्वैछिक समर्पण के कारण निरस्त कर दिया है-

क्र. सं.	नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	निरस्तीकरण की तारीख
1	रिचल फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड म. सं. 3-6-367/3 एलजी-6 निचला भूतल, स्किल स्पेक्ट्रम, हिमायत नगर, हैदराबाद- 500 029	FE.HY.FFMC/159/2018-2019	15.11.2018	23.08.2024
2	प्राइमा इनफिनिट फॉरेक्स ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नंबर. 49बी, तीसरी मंजिल, साई राज बिल्डिंग, माधापुर, शेकपेट, हैदराबाद - 500081	HYD-FFMC-0314-2023	03.10.2023	10.09.2024

निरस्ती के परिणामस्वरूप, उपरोक्त कंपनियां मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों पर 01 जनवरी 2016 के मास्टर निदेश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध है, के निर्देशानुसार मुद्रा परिवर्तन गतिविधियाँ या लेनदेन का कार्य नहीं करेंगी।

स्थान: हैदराबाद
दिनांक: अक्तूबर 07, 2024

हस्ता/-
(प्रियांक बहुगुणा)
उप महाप्रबंधक

कुकटपल्ली में हत्या का मामला सुलझा, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मृतकि धर्माराम प्रियंका दो महीने पहले अपने पैतृक गांव बोधन, निजामाबाद से हैदराबाद आई थी और केपीएचबी क्षेत्र की सीमा में रह रही थी और वेश्यावृत्ति करके अपना जीवन जी रही थी। अपने काम के दौरान, एक महीने पहले, हैदराबाद के येल्लम्माबांडा, जगतगीरीगुट्टा के कटारी मोलकप्पा उर्फ मॉलकेश की पत्नी कटारी मंजुला ने उसे पेश किया, जो वेश्यावृत्ति के काम में भी शामिल है। मृतक प्रियंका ने अपने चांदी के गहने जैसे पायल को सुरक्षित रखने के लिए आरोपी को दे दिया था क्योंकि उसके पास उचित आश्रय नहीं था। लेकिन एक सप्ताह के बाद, जब मृतक ने आरोपी से अपने गहने वापस मांगे, तो आरोपी ने मामले को टाल दिया। दोनों में इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और मृतका ने अपने पुरुष मित्रों को बुलाकर आरोपी को धमकाया। फिर आरोपी मृतका को अकेले अपने घर ले गई, गहने लौटा दिए, लेकिन घटना से आहत होकर उसने मृतका को खत्म करने का फैसला किया। उसने मृतका को अपने घर में शराब पीने के लिए राजी किया। लगभग 11-20 बजे शराब पीने के बाद, आरोपी मृतका को अपनी बाइक पर लोढ़ा अपार्टमेंट, केपीएचबी के पास झाड़ियों वाली खुली जगह यानी अपराध स्थल पर ले गई। जब मृतका पूरी तरह से शराब के नशे में थी, तो वह मृतका को झाड़ियों के अंदर ले गई और मृतका को कूड़े वाले क्षेत्र में धकेल दिया, उसकी छाती पर बैठ गई और लेजर ब्लेड से उसका गला काट दिया। उसकी मौत की पुष्टि होने के बाद, उसने पूरे घटनाक्रम से ध्यान हटाने के लिए लेजर ब्लेड से मृतका के कपड़े फाड़ दिए और निजी अंगों को खरोंच दिया। आज तड़के, कुकटपल्ली पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और पूरी घटना बताई। उसके कबूलनामे पर, जांच अधिकारी ने मृतक की दो चांदी की पायल और दो मेटेलू, एक लेजर ब्लेड, जिसका इस्तेमाल अपराध के लिए किया गया था, अपराध के समय आरोपी द्वारा पहनी गई एक बिस्किट रंग की साड़ी, एक टीवीएस स्कूटी (टीएस 08 जेए 7513 जो आरोपी की है और अपराध के लिए इस्तेमाल की गई थी) जब्त कर ली। आरोपी की पहचान कटारी मंजुला निवासी, येल्लम्माबांडा, जगतगीरीगुट्टा, हैदराबाद की निवासी के रूप में हुई है।

आंधी-तूफान, बिजली गिरने की चेतावनी

9 अक्टूबर तक बादल छाए रहने की संभावना

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने तेलंगाना के कई जिलों के लिए गरज और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी 7 अक्टूबर के लिए जारी की गई है। इस अवधि के बाद कोई और चेतावनी जारी नहीं की गई है, क्योंकि उसके बाद स्थितियां शांत होने की संभावना है। आईएमडी हैदराबाद ने आसन्न तूफान और बिजली गिरने के कारण राज्य को येलो अलर्ट पर रखा है।

हैदराबाद में 9 अक्टूबर तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। इस अवधि के

दौरान, आईएमडी ने विशेष रूप से 6 और 7 अक्टूबर को हल्की से मध्यम वर्षा या गरज के साथ छींटे पड़ने की भविष्यवाणी की है। तेलंगाना में चालू दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान वर्षा में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। राज्य में औसत 962.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य 738.6 मिमी की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है। हैदराबाद में औसत से 34 प्रतिशत विचलन देखा गया, जहां अपेक्षित 615.4 मिमी के मुकाबले 825.5 मिमी बारिश हुई। उल्लेखनीय रूप से, खैरताबाद क्षेत्र में बारिश में 49 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि देखी गई, जहां सामान्य 636.7 मिमी की तुलना में 947.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी हैदराबाद द्वारा अगले दो दिनों में अतिरिक्त वर्षा की भविष्यवाणी के साथ, इस मानसून सीजन में कुल वर्षा में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

दुबई पर्यटन कार्यक्रम में मंत्री जुपल्ली ने सांस्कृतिक जड़ों के संरक्षण का आह्वान किया

दुबई/हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने इस बात पर जोर दिया है कि कोई व्यक्ति चाहे कितनी भी प्रगति कर ले, उसे अपनी जड़ों, संस्कृति और परंपराओं को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी समृद्ध विरासत हमारी अनूठी पहचान है। मंत्री अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान दुबई में पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित पर्यटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में दुबई के पर्यटन अधिकारी जसीम मोहम्मद अल अवदी, सरकारी सचेतक आदी श्रीनिवास और अन्य अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर जुपल्ली ने दुबई के आर्थिक विकास और प्रगति में पर्यटन केंद्रों की भूमिका के बारे में जानकारी ली। उन्होंने चर्चा की कि कैसे दुबई में अपनाए गए तरीके तेलंगाना में विभिन्न पर्यटक आकर्षणों को विकसित करने, राजस्व और रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद कर सकते हैं। अपने संबोधन में मंत्री ने आज के वैज्ञानिक और तकनीकी युग में सांस्कृतिक मूल्यों और पारिवारिक व्यवस्थाओं के खोने के खतरों पर प्रकाश डाला और कहा कि इस नुकसान से कई सामाजिक समस्याएं पैदा होती हैं। उन्होंने इन परंपराओं के महत्व को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पर जोर दिया और लोगों से समाज की भलाई के लिए अपने धन का उपयोग करने का आग्रह किया। मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि बथुकम्मा उत्सव तेलंगाना की संस्कृति का प्रतिबिंब है, जो महिलाओं की शक्ति को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि इस उत्सव ने राज्य के लिए आंदोलन के दौरान तेलंगाना के लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.